अगले पेराई सत्र के लिए गन्ना सट्टा और आपूर्ति नीति में कई बदलाव - 7

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा- जीएसटी सुधार से पारदर्शी बनेगी अर्थव्यवस्था - 10

दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता का दो तानाशाहों के साथ आना शर्म की बात - 11

मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा - 12

आज का मौसम 29.0° अधिकतम तापमान 26.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 05.52 सूर्यास्त 06.31

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष एकादशी 04:22 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 3 सितंबर 2025, वर्ष 6, अंक 284, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

नागपुर में इंडिगो के विमान से पक्षी टकराया

नागपुर। नागपुर से कोलकाता जा रहा इंडिगो का एक विमान मंगलवार की सुबह उड़ान भरने के पश्चात पक्षी के टकराने के बाद हवाई अड्डे पर लौट आया। हवाई अड्डे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 160 से 165 यात्रियों को ले जा रहे विमान को नागपुर हवाई अड्डे पर एहतियात के तौर पर लौटना पड़ा। अधिकारी ने बताया कि उड़ान रद्द कर दी गई है।

विदेशी वित्तपोषण मामले की ईडी जांच शुरू

बेंगलुरु। ईडी ने कर्नाटक के धर्मस्थल में कथित सांप्रदायिक साजिशों को अमली जामा पहनाने के लिए विदेश से वित्तपोषण के आरोपों की जांच शुरू की है। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि एजेंसी उन सभी संस्थाओं और हितधारकों से संबंधित तथ्य और दस्तावेज एकत्र कर रही है, जिनमें कुछ गैर सरकारी संगठन भी शामिल हैं। इनपर धर्मस्थल में विवाद पैदा करने के लिए उक्त धन का इस्तेमाल करने का आरोप है।

विधायक के. कविता बीआरएस से निलंबित

हैदराबाद। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने विधान परिषद सदस्य के. कविता को पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण मंगलवार को पार्टी से निलंबित कर दिया। यह कदम ऐसे समय में उठाया गया है जब कविता ने चचेरे भाइयों एवं भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं टी हरीश राव और जे संतोष कुमार पर कालेश्वरम परियोजना को लेकर अपने पिता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) की छवि खराब करने का आरोप लगाकर पार्टी में तूफान खड़ा कर दिया था।

पवन खेड़ा को निर्वाचन आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली चुनाव प्रशासन ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने को लेकर नोटिस जारी किया है। नई दिल्ली के जिला निर्वाचन अधिकारी ने खेड़ा को भेजे नोटिस में कांग्रेस नेता को आठ सितंबर को सुबह 11 बजे तक जवाब देने का निर्देश दिया है। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि मेरे संज्ञान में लाया गया है कि आपने अपना नाम एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में पंजीकृत कराया है। खेड़ा नई दिल्ली और जंगपुरा विधानसभा क्षेत्रों में मतदाता के रूप में पंजीकृत हैं।

मां के अपमान के लिए मैं माफ भी कर दूं... जनता नहीं करेगी : मोदी

- प्रधानमंत्री ने अपनी दिवंगत मां के लिए अपशब्द कहने पर राजद-कांग्रेस को घेरा

पटना, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार में विपक्षी दलों की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान अपनी दिवंगत मां को कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने पर मंगलवार को पहली प्रतिक्रिया व्यक्ति करते हुए कहा कि इस अपमान से उन्हें गहरा दुख पहुंचा है और व्यक्तिगत तौर पर वह राजद व कांग्रेस को माफ कर सकते हैं, लेकिन राज्य की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। दरभंगा में हुई उस घटना पर भावुक होते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि मेरी मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था, फिर उनको बुरा क्यों कहा गया? एक बार के लिए मैं उन्हें माफ कर सकता हूं, लेकिन देश की जनता ने कभी किसी की मां का अपमान बर्दाश्त नहीं किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब बिहार के हर बेटे का कर्तव्य है कि वह राजद-कांग्रेस गठबंधन को उनके इस आचरण के लिए जवाबदेह ठहराए। उन्होंने महिलाओं से भी अपील की कि वे सड़क पर उतरकर इस घटना पर विरोध दर्ज करें और विपक्ष से जवाब मांगें। प्रधानमंत्री मंगलवार को बिहार राज्य जीविका निधि सहकारी संघ लिमिटेड का दिल्ली से डिजिटल माध्यम से शुरुआत करने के बाद महिलाओं को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार मां जानकी की धरती है और यहां हमेशा महिलाओं को सम्मान दिया गया है। मेरी मां को राजद-कांग्रेस के मंच से गाली दी गई। यह बिहार की माताओं और बेटियों का अपमान था। राज्य की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। मोदी ने राजद के शासनकाल को याद करते हुए आरोप लगाया कि उस दौर में अराजकता व्याप्त थी और सबसे ज्यादा पीड़ा माताओं-बहनों को सहनी पड़ती थी। उन्होंने कहा कि दरभंगा की घटना विपक्षी गठबंधन की महिला-द्वेषी मानसिकता को उजागर करती है। मोदी ने भोजपुरी कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि मां देवी-देवताओं से भी श्रेष्ठ होती है। उन्होंने नवरात्र और छठ पर्व का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस-राजद गठबंधन को सात बहिनी और छठ मैया से माफी मांगनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर महिलाओं और पिछड़े वर्गों के उत्थान से नाराज रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यही वजह है कि वे देश की पहली महिला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को भी नीचा दिखाने का कोई अवसर नहीं छोड़ते। उन्होंने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर भी कटाक्ष किया और कहा कि जब से एक गरीब मां का बेटा सत्ता में आया है, तब से वे असहज हो गए हैं। गौरतलब है कि दरभंगा में एक स्थानीय कांग्रेस नेता के मंच से युवक ने अभद्र भाषा का उपयोग किया था।

भारत में बनी छोटी चिप दुनिया में लाएगी सबसे बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि 18 अरब डॉलर से अधिक की 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाएं जारी हैं और देश अब भारत सेमीकंडक्टर मिशन के अगले चरण की ओर बढ़ रहा है। साथ ही कहा कि 1,000 अरब डॉलर के वैश्विक चिप बाजार का दोहन करने के लिए उसको (चिप) तैयार करने से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के अगले चरण पर सरकार काम कर रही है। मोदी ने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब भारत में बनी सबसे छोटी चिप दुनिया में सबसे बड़ा बदलाव लाएगी। वह दिन दूर नहीं जब दुनिया कहेगी भारत में तैयार, भारत में निर्मित, दुनिया के लिए विश्वसनीय। सेमीकॉन इंडिया-2025 के उद्घाटन के अवसर पर मोदी ने यह बात कही। इसमें दुनिया भर से करीब 50 देशों के सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विशेषज्ञों ने शिरकत की। मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की नवाचार और युवा शक्ति भी इस कार्यक्रम में स्पष्ट रूप से मौजूद है। उन्होंने कहा कि यह अनूठा संयोजन एक स्पष्ट संदेश देता है कि दुनिया, भारत पर भरोसा करती है। दुनिया, भारत में विश्वास करती है और दुनिया, भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है।

प्रदेश में बनेगा आउटसोर्स सेवा निगम

कैबिनेट ने दी मंजूरी, वेतन-पीएफ और ईएसआई का पैसा सीधे खातों में जाएगा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मंगलवार को 15 प्रस्तावों को हरी झंडी दिखाई गई। इनमें कम्पनीज एक्ट-2013 के सेक्शन-8 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश आउटसोर्स सेवा निगम लिमिटेड के गठन को मंजूरी देना भी अहम रहा। यह एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी होगी, जिसे नान-प्रॉफिटेबल संस्था के रूप में संचालित किया जाएगा। इसके माध्यम से अब आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन सीधे विभाग नहीं करेंगे, बल्कि निगम जेम पोर्टल के माध्यम से निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया से एजेंसी का चयन करेगा।

आउटसोर्स कर्मचारियों का चयन तीन वर्ष के लिए किया जाएगा। कर्मचारियों को 16 से 20 हजार रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जाएगा। इस फैसले से सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक कर्मचारी को उसका पूरा हक मिले और भविष्य सुरक्षित रहे। यह निर्णय लाखों युवाओं को बेहतर अवसर देगा, प्रदेश में रोजगार एवं सुशासन का नया मॉडल भी स्थापित करेगा।

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कैबिनेट के निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न विभागों और संस्थाओं में लंबे समय से आउटसोर्सिंग एजेंसियों के माध्यम से बड़ी संख्या में कार्मिक सेवाएं प्रदान कर रहे थे। लेकिन, लगातार यह शिकायतें सामने आ रही थीं कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत पूरा मानदेय नहीं मिल रहा। ईपीएफ, ईएसआई जैसी अनिवार्य सुविधाओं का नियमित अंशदान भी कई बार एजेंसियों द्वारा नहीं किया जाता था। इन अनियमितताओं को खत्म करने और कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह निगम गठित किया गया है।

लखनऊ स्थित लोकभवन में कैबिनेट सहयोगियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

ऐसी होगी नई व्यवस्था और सुविधाएं

लखनऊ। आउटसोर्सिंग एजेंसियों का चयन निगम जेम पोर्टल से करेगा। कर्मचारियों का मानदेय 16 से 20 हजार रु. प्रतिमाह निर्धारित है और महीने में 26 दिन सेवा ली जा सकेगी। कर्मचारी तीन वर्षों के लिए अपनी सेवाएं दे सकेंगे और उनका वेतन 1 से 5 तारीख तक सीधे उनके खातों में जाएगा। ईपीएफ और ईएसआई का अंशदान भी सीधे कर्मचारियों के खाते में जाएगा। चयन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार से होना है। नियमानुसार आरक्षण मिलेगा। सेवा के दौरान मृत्यु होने पर 15 हजार रुपये अंतिम संस्कार सहायता के रूप में दिए जाएंगे।

पारिवारिक संपत्ति का बंटवारा होगा आसान और सस्ता

लखनऊ। कैबिनेट ने पारिवारिक संपत्ति के बंटवारे के लिए विभाजन विलेख पर स्टाम्प शुल्क और रजिस्ट्रेशन फीस को अधिकतम 5,000 रुपये तक सीमित करने का फैसला लिया। वर्तमान में विभाजन विलेख पर 4 प्रतिशत स्टाम्प शुल्क और 1 प्रतिशत रजिस्ट्रेशन फीस लागू है, जो संपत्ति के मूल्य पर आधारित है। नई व्यवस्था से पारिवारिक विवाद कम होंगे और संपत्ति का सौहार्दपूर्ण बंटवारा संभव होगा। हालांकि, इस छूट से अनुमानित 5 .58 करोड़ का स्टाम्प शुल्क और 80 .67 लाख का रजिस्ट्रेशन शुल्क राजस्व नुकसान हो सकता है।

ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनेगा यूपी, मंत्रिमंडल ने की नीति मंजूर

लखनऊ। कैबिनेट बैठक में उप्र. इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण नीति-2025 (यूपी ईसीएमपी-2025) को मंजूरी दी, जो अगले 6 वर्षों तक प्रदेश में डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 महत्वपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक कॉम्पोनेन्ट्स के निर्माण को बढ़ावा देगी। सरकार की इस नीति से 5,000 करोड़ रुपये के निवेश और लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इस नीति के तहत उद्यमियों को केंद्र की योजना के समतुल्य अतिरिक्त प्रोत्साहन दिए जाएंगे, जिससे यूपी का मौजूदा इलेक्ट्रॉनिक्स इकोसिस्टम ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा। नीति का क्रियान्वयन शासन स्तर पर गठित नीति कार्यान्वयन इकाई और सशक्त समिति की देखरेख में नोडल संस्था द्वारा किया जाएगा। प्रमुख सचिव अनुराग यादव ने बताया कि नीति के तहत 5,000 करोड़ रुपये का अनुमानित व्यय होगा, जिससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के लाखों अवसर सृजित होंगे।

अफगानिस्तान में मृतकों की संख्या 1400 के पार 3000 से अधिक घायल

शक्तिशाली भूकंप से एक घर में बना बड़ा गड्ढा और टूटी सीढ़ियां।

- पूर्वी अफगानिस्तान में रविवार की रात आया था शक्तिशाली भूकंप
- जीवित लोगों की तलाश में प्रभावित इलाके में बचाव अभियान जारी

जलालाबाद, एजेंसी

अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए 6.0 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1400 से ज्यादा हो गई है और 3,000 लोग घायल हुए हैं। तालिबान सरकार के प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने एक्स पर बताया कि पूर्वी अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या 1,400 से अधिक हो गई है। 3,000 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जीवित लोगों की तलाश में इलाके में तलाश अभियान जारी है।

रविवार देर रात को पर्वतीय क्षेत्र में आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से गांव तबाह हो गए और लोग घंटों मलबे में फंसे रहे। इससे पहले, अफगानिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता यूसुफ हम्माद ने बताया कि घायलों को निकाला जा रहा है, इसलिए ये आंकड़े बदल सकते हैं।

सूडान में भूस्खलन से 1000 से अधिक नागरिकों की मौत

खारतूम/नई दिल्ली। मध्य अफ्रीकी देश सूडान के मार्रा पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन में एक हजार लोगों की मौत हो गई है। सशस्त्र समूह सूडान लिबरेशन मूवमेंट/आर्मी ने कहा है कि कई दिनों की भारी बारिश के कारण रविवार को भूस्खलन हुआ, जिसमें एक व्यक्ति ही जीवित बचा है और तरासिन गांव जमींदोज़ हो गया है। सैन्य प्रशासन ने संयुक्त राष्ट्र और अन्य क्षेत्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों से मानवीय आधार पर सहायता की अपील की है।

काबुल पहुंची भारत की सहायता सामग्री

नई दिल्ली। भारत की ओर से भूकंप प्रभावितों के लिए भेजी गई सहायता सामग्री मंगवार को काबुल पहुंच गई। हवाई मार्ग से भेजी गई 21 टन सहायता सामग्री में कंबल, टेंट, स्वच्छता किट, जल भंडारण टैंक, जनरेटर, बर्तन, पोर्टेबल वाटर प्यूरीफायर, स्लीपिंग बैग, दवाइयां, व्हीलचेयर, हैंड सैनिटाइज़र, जल शोधन गोलियां, ओआरएस घोल और चिकित्सा सामग्री हैं। केंद्र सरकार ने कहा है कि भारत आने वाले दिनों में और अधिक मानवीय सहायता भेजेगा।

सीओ-कोतवाल नपे चौकी लाइन हाजिर

छात्रों की पिटाई

- मुख्यमंत्री का एक्शन, कमिश्नर आईजी ने भेजी जांच रिपोर्ट
- बाराबंकी के एसआरएम विवि के मामले ने तूल पकड़ा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बाराबंकी

अमृत विचार : श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय बाराबंकी में एबीवीपी के छात्रों की पिटाई मामले में मंगलवार को विरोध प्रदर्शन के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सख्त एक्शन लिया है। उनके आदेश पर अयोध्या के कमिश्नर और आईजी ने मौके पर जांच के बाद रिपोर्ट भेज दी है। मामले में सीओ सिटी बाराबंकी और नगर कोतवाल को हटाने के साथ ही विभागीय जांच और निलंबन की कार्रवाई शुरू हो गई है, जबकि गदिया चौकी प्रभारी समेत सभी पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय में एलएलबी की मान्यता को लेकर सोमवार को प्रदर्शन कर रहे अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) से जुड़े छात्रों पुलिस कर्मियों के साथ मिलकर कुछ अराजकतत्वों ने पिटाई की थी। इसमें 22 छात्र घायल हुए। मामला मुख्यमंत्री के संज्ञान में आते ही एक्शन शुरू हो गया। अयोध्या के कमिश्नर राजेश कुमार व आईजी प्रवीण कुमार ने विवि पहुंचकर पूरे प्रकरण की जांच कर सीएम कार्यालय को देर शाम रिपोर्ट दी। सूत्रों के अनुसार मामले में सीओ सिटी हर्षित चौहान और कोतवाली प्रभारी आरके राणा को तत्काल प्रभाव से हटाते हुए विभागीय जांच के साथ निलंबन की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

विवि प्रशासन पर एफआईआर के निर्देश

प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि श्री रामस्वरूप मेमोरियल विश्वविद्यालय, माती में एलएलबी पाठ्यक्रम की मान्यता का समय से नवीनीकरण न कराए जाने के कारण छात्रों के भविष्य में अनिश्चितता की स्थिति उत्पन्न हुई है। प्रवेश के समय अवैध वसूली और छात्रों की न्यायोचित मांगों को दबाने के लिए बाहरी तत्वों का सहयोग लेना अत्यंत गंभीर हैं। विवि के जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए हैं।

2024 तक भारत आए हिंदू, सिख और जैन लोगों को नहीं देना होगा कोई यात्रा दस्तावेज

- अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान से आने वालों को भारत में रहने की मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के सदस्यों को पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी। पिछले साल लागू हुए नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के अनुसार, 31 दिसंबर 2014 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी।

अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना

बेंगलुरु। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने सोने की तस्करी के मामले में कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव पर 102 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। अभिनेत्री के साथ, तीन अन्य लोगों पर भी 50 करोड़ रुपये से अधिक का भारी जुर्माना लगाया गया है। डीआरआई अधिकारियों ने मंगलवार को अभिनेत्री और बेंगलुरु सेंट्रल जेल में बंद अन्य आरोपियों को जुर्माना नोटिस दिया। अभिनेत्री को तीन मार्च को बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 14.8 किलोग्राम सोने के साथ पकड़ा गया था।

शरजील इमाम सहित 8 की बेल अर्जी खारिज

दिल्ली दंगा मामला

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फरवरी 2020 के दंगों के पीछे की कथित साजिश से जुड़े यूएपीए मामले में उमर खालिद, शरजील इमाम और सात अन्य को जमानत (बेल) देने से मंगलवार को इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति शलिंदर कौर की पीठ ने शरजील इमाम, उमर खालिद, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, अतहर खान, मीरान हैदर, अब्दुल खालिद सैफी और गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद की जमानत याचिकाओं पर फैसला सुनाया। नौ जुलाई को अपना आदेश सुरक्षित रखने के बाद मंगलवार को पीठ ने कहा कि सभी अपीलें खारिज की जाती हैं।

सुप्रीम टिप्पणी | सीजेआई बोले-हम आंध्र प्रदेश, तेलंगाना या कर्नाटक से संबंधित मामले पर गौर नहीं कर रहे

राष्ट्रपति के मामले में केवल संविधान की करेंगे व्याख्या

- प्रेसीडेंट रिफरेंस की सुनवाई में शीर्ष अदालत ने सरकार को दिया भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि वह विधेयकों को मंजूरी के लिए राष्ट्रपति को भेजे जाने (प्रेसीडेंट रेफरेंस) पर विचार करते समय केवल संविधान की व्याख्या करेगा कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों से निपटने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा निर्धारित कर सकता है।

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यदि इस संदर्भ का विरोध करने वाले पक्षों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी अन्य के अलावा आंध्र प्रदेश से संबंधित संवैधानिक प्रावधानों के उदाहरणों का हवाला देंगे, तो उन्हें जवाब दाखिल करने की आवश्यकता है क्योंकि उन्होंने उन पहलुओं पर दलील नहीं दी है। पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं। मेहता ने पीठ से कहा कि अगर वे (तमिलनाडु और केरल सरकारें) आंध्र प्रदेश आदि के उदाहरणों पर भरोसा करने जा रही हैं... तो हम चाहेंगे कि इस पर जवाब दाखिल हो। क्योंकि हमें यह दिखाना होगा कि संविधान के साथ उसकी स्थापना से ही किस तरह खिलवाड़ किया गया...। सीजेआई गवई ने मेहता से कहा कि हम अलग-अलग मामलों पर गौर नहीं कर रहे हैं, चाहे वह आंध्र प्रदेश हो, तेलंगाना हो या कर्नाटक, लेकिन हम केवल संविधान के प्रावधानों की व्याख्या करेंगे। और कुछ नहीं।

शीर्ष अदालत ने राज्यपाल की शक्तियों को लेकर उठाए हैं कई सवाल

अनुच्छेद 200 राज्य विधानमंडल द्वारा पारित विधेयकों के संबंध में राज्यपाल को शक्तियां प्रदान करता है, जिसके तहत वह विधेयक पर अपनी सहमति दे सकते हैं, अपनी सहमति रोक सकते हैं, विधेयक को पुनर्विचार के लिए लौटा सकते हैं या विधेयक को राष्ट्रपति के विचारार्थ सुरक्षित रख सकते हैं। अनुच्छेद 200 के एक प्रावधान में कहा गया है कि राज्यपाल, विधेयक को स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किए जाने के बाद यथाशीघ्र, विधेयक को, यदि वह धन विधेयक नहीं है, सदन में पुनर्विचार के लिए लौटा सकते हैं और विधानसभा द्वारा पुनर्विचार करने तथा उसे वापस भेजने के बाद वह अपनी सहमति नहीं रोकेंगे। शीर्ष अदालत ने 26 अगस्त को कहा था कि यदि राज्यपाल विधेयकों को मंजूरी देने में अनिश्चितकाल तक देरी करते हैं तो क्या अदालत को शक्तिहीन होकर बैठना चाहिए और क्या संवैधानिक पदाधिकारी की विधेयक को रोकने की स्वतंत्र शक्ति का अर्थ यह होगा कि धन विधेयक को भी रोका जा सकता है।

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,3 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

मंडियों में जल्द खुलेंगी सबरी कैंटीन

अमृत विचार, लखनऊ : शासन से स्वीकृति मिलने के मंडी परिषद ने प्रमुख मंडियों में शबरी कैंटीन खोलने की कवायद शुरू कर दी है। कैंटीन में किसान, मजदूर व व्यापारियों को स्वच्छ व सस्ता भोजन दिया जाएगा। कैंटीन की रुपरेखा निर्धारित करके मेन्यू और दरें निर्धारित की जा रही हैं। मंडी परिषद को जिले की प्रमुख मंडी समितियों में शबरी कैंटीन स्थापित करनी हैं।

प्रो. पी. के. प्रजापति बनाए गए निदेशक

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ निवासी अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयुर्वेद विशेषज्ञ प्रो . प्रदीप कुमार प्रजापति को केंद्र सरकार ने आल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद, नई दिल्ली का निदेशक नियुक्त किया है। वे अभी डाक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर (राजस्थान) में कुलपति के पद पर तैनात हैं। नियुक्ति मामलों की केंद्रीय कैबिनेट कमेटी के एप्रूवल के बाद केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने प्रो . प्रजापति की नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार उनकी नियुक्ति कार्यभार ग्रहण करने से पांच वर्ष या अधिवर्षता आयु (जो भी पहले हो) तक के लिए की गई है।

भाजपा की कार्यशाला आज होगी

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व सदस्य विधान परिषद गोविंद नारायण शुक्ला ने बताया कि सेवा पखवाड़ा की तैयारी को लेकर बुधवार दोपहर 12 बजे से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा मनाने की रणनीति तय होगी। कार्यशाला में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित अभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या मार्गदर्शन करेंगे।

निर्यातकों को मिलेगा 882 करोड़ का वित्तीय प्रोत्साहन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की कैबिनेट ने दी नई निर्यात प्रोत्साहन नीति को मंजूरी, कई प्रावधान किए

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: राज्य सरकार ने निर्यातकों को राहत देने के लिए अपनी नई निर्यात प्रोत्साहन नीति को मंजूरी दी है। इसके तहत निर्यातकों 882 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाएंगे। पांच साल में सरकार निर्यात को 50 अरब डालर तक पहुंचाएगी। इतना ही नहीं निर्यातकों की तादाद में भी 50 प्रतिशत बढ़ोतरी होगी। दरअसल, कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को उत्तर प्रदेश निर्यात प्रोत्साहन नीति 2025-30 कई प्रावधान किए गए हैं।

इस कड़ी में सेवा क्षेत्र के प्रमुख हब के तौर पर उभर रहे गौतमबुद्धनगर में एक सर्विस ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (एसटीएफसी) की स्थापना होगी। इसके लिए 2.5 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। सेवा क्षेत्र के लिए विकास विपणन सहायता यूपी पहला राज्य है जिसने सेवा क्षेत्र के निर्यातकों के लिए विपणन विकास सहायता की नई योजना प्रस्तावित की है। इसमें पात्र निर्यातक इकाइयों को विदेशी मेले में प्रतिभाग पर स्टॉल किराए पर व्यय धनराशि का 75 प्रतिशत, अधिकतम 2 लाख रु. एवं व्यक्ति के लिए इकोनॉमी क्लास में की गयी यात्रा पर हुए व्यय का 75 प्रतिशत, अधिकतम 1 लाख रु. तक वित्तीय सहायता अनमुन्य की जाएगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के घरेलू मेले में जाने पर स्टॉल किराये पर किये गये व्यय का 75 प्रतिशत, व इकोनॉमी क्लास के एयर फेयर का 75 प्रतिशत वित्तीय सहायता दी जाएगी।

लोकभवन में आयोजित प्रेसवार्ता में केबिनेट बैठक में लिए गए फैसलों की जानकारी देखते वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और अन्य मंत्री।

बीमा, बाजार विस्तार, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर विशेष बल

- नई नीति में 2020-25 की निर्यात नीति में सुधार करते हुए डिजिटल तकनीकी, अवसंरचना विकास, वित्तीय सहायता, निर्यात ऋण और बीमा, बाजार विस्तार, प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। नीति का लक्ष्य वर्ष 2030 तक पंजीकृत निर्यातकों की संख्या में 50 प्रतिशत वृद्धि करना और सभी जिलों को निर्यात गतिविधियों से जोड़कर क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करना है। इससे प्रदेश को एक सशक्त ग्लोबल एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा

- इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए बनी नई नीति के तहत डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल, मल्टीलेयर पीसीबी जैसे 11 प्रमुख कंपोनेंट्स के निर्माण को प्रोत्साहन मिलेगा।

दिव्यांगजनों सशक्तिकरण के लिए नया केंद्र

- दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए वाराणसी के परगना रामनगर में स्थित 3 एकड़ जमीन को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग को सौंपे जाने का प्रस्ताव मंजूर हो गया है। इस जमीन पर समेकित क्षेत्रीय केंद्र बनाया जाएगा। यह सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के तहत काम करेगा। इसकी जानकारी नगर विकास मंत्री ने दी।

शाहजहांपुर में बनेगा स्वामी शुकदेवानंद विवि

- कैबिनेट ने शाहजहांपुर में स्वामी शुकदेवानंद विवि . की स्थापना के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। इसके लिए मुमुक्ष आश्रम ट्रस्ट की शैक्षणिक इकाइयों को उच्चीकृत किया जाएगा। वर्तमान में ट्रस्ट के अंतर्गत 5 संस्थान संचालित हैं—स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज, स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय, श्री दैवी सम्पद ब्रह्मचर्य संस्कृत महाविद्यालय, श्री धर्मानन्द सरस्वती इंटर कॉलेज और श्री शंकर मुमुक्ष विद्यापीठ। विश्वविद्यालय बनने के बाद इनका संचालन विश्वविद्यालय करेगा। ट्रस्ट के पास कुल 21 .01 एकड़ भूमि है, जिसमें से लगभग 20 एकड़ जमीन विश्वविद्यालय को मिलेगी।

नायब तहसीलदारों को प्रभार देकर वाद निस्तारित कराने की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : राजस्व वादों को निस्तारित कराने के लिए राजस्व परिषद तहसीलदारों की कमी के मद्देनजर अब नायब तहसीलदारों को प्रभार देकर वाद निस्तारित कराने जा रहा है। दरअसल, उप्र. में 766 तहसीलदार के पद स्वीकृत हैं, लेकिन 328 ही तैनात हैं और 16 प्रतिनियुक्ति पर दूसरे विभागों में हैं। इसलिए नायब तहसीलदारों को प्रभारी तहसीलदार बनाकर मुकदमे निपटाए जाएंगे।

आयुक्त एवं सचिव राजस्व परिषद एसवीएस रंगाराव ने इस बाबत मंगलवार को मंडलायुक्तों और जिलाधिकारियों को निर्देश भेज दिया है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान में 422 तहसीलदार के पद खाली हैं। इसलिए प्रत्येक तहसील में न्यूनतम एक तहसीलदार की तैनाती नहीं हो पा रही है। राज्य के तहसीलदार प्रशासनिक और तहसीलदार न्यायिक के पदों पर शत-प्रतिशत तैनाती न हो पाने के करण सामान्य प्रशासन व न्यायिक काम सुचारू नहीं हो रहे हैं।

1607 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मिली मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- शाहजहांपुर सहित चार कम्पनियों को जल्द ही जारी किए जाएंगे लेटर ऑफ कम्फर्ट

अमृत विचार: कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को देवरिया, गौतमबुद्ध नगर, फर्रुखाबाद एवं शाहजहांपुर में 1607 करोड़ रूपए के निवेश प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई। जिसके आधार पर जल्द ही सभी कम्पनियों को लेटर ऑफ कम्फर्ट जारी किया जाएगा।

औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने बताया कि चार प्रस्तावों पर विचार हुआ है। जिनमें मेसर्स फॉरएवर डिस्टिलरी प्राइवेट लिमिटेड-उसका बाजार औद्योगिक क्षेत्र (यूपीसीडा) के 250.12 करोड़, वाईटीटी इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र शाहजहांपुर के 277.86 करोड़, मेसर्स ओकासगंगा एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड दादरी (गौतमबुद्धनगर) के 510.20 करोड़ एवं वुडपेकर ग्रीनएग्री न्यूट्रिएंट्स प्राइवेट लिमिटेड फर्रुखाबाद के 570 करोड़ के निवेश प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

निवेश प्रस्तावों को मंजूरी के बाद जल्द ही लेटर ऑफ कंफर्ट जारी किया जाएगा। मंत्री नन्दी ने कहा कि इन निवेश से प्रदेश को वन ट्रिलियन डालर की इकोनामी की ओर ले जाने में सहायता मिलेगी और वृहद रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

आईआईटी, आईआईएम करेंगे वैश्विक बाजार का अध्ययन

- लखनऊ : सरकार ने नीति में पहली बार मार्केट रिचर्स के लिए आइआइटी व आइआइएम जैसे संस्थानों में निर्यात चेयर की स्थापना का भी प्रविधान किया है। इनके जरिए दुनियाभर के बाजारों का अध्ययन करके उसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपी जाएगी। पांच वर्षों में इस कार्य पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। नीति में निर्यात प्रधान जिलों में मर्चेडाइज्ड ट्रेड फैसिलिटेशन केंद्र (एमटीएफसी) की स्थापना की जाएगी। इन केंद्रों की स्थापना पर 7 .5 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। साथ गी गौतमबुद्ध नगर में सर्विसेस ट्रेड फैसिलिटेशन केंद्र की स्थापना पर 2 .5 करोड़ रुपये खर्च करने का प्रविधान है।

स्टाम्प, रजिस्ट्रेशन अब सेवारत विभाग में शामिल

- मंत्रिपरिषद बैठक में सरकार ने फैसला लेते हुए स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग को उत्तर प्रदेश सरकार के सेवारत विभाग में सम्मिलित कर दिया गया है। स्टाम्प एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने बताया कि स्टाम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग प्रदेश का एक अत्यंत महत्वपूर्ण विभाग है, जो हर वर्ष लगभग 40 लाख विलेखों का पंजीकरण करता है और जिसके माध्यम से दो करोड़ से अधिक लोग प्रत्यक्ष रूप से सेवाएं प्राप्त करते हैं। विभाग किसी प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधि नहीं करता, बल्कि सरकार का संवैधानिक दायित्व निभाता है। इसे सेवारत विभाग का दर्जा मिलने से विभागीय कार्यालयों के लिए सरकार की अन्य सेवा विभागों की भांति निःशुल्क भूमि उपलब्ध हो सकेगी।

महिला निवेशकों की भागीदारी से औद्योगिक परिदृश्य सशक्त

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यूपीसीडा के आयोजित मेगा ई-नीलामी में औद्योगिक निवेश को नई गति मिली

अमृत विचार: उप्र. राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) के आयोजित मेगा ई-नीलामी में 15 महिला उद्यमियों, निवेशकों ने भागीदारी रही। विभिन्न जिलों के औद्योगिक क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा की गई यह निवेश पहल, राज्य में नारी शक्ति मिशन के प्रभाव और आर्थिक सशक्तिकरण का प्रत्यक्ष उदाहरण है। यह दर्शाता है कि महिलाएं अब राज्य के औद्योगिक परिदृश्य में निर्णायक भूमिका निभा रही हैं।

दरअसल, यूपीसीडा द्वारा 29 अगस्त को आयोजित मेगा ई-नीलामी में औद्योगिक निवेश को एक नई गति मिली। इस मेगा ई-नीलामी के अंतर्गत कुल 46 औद्योगिक भूखंड 14 जिलों में आवंटित किए गए हैं। इन जिलों में हाथरस (1), बरेली (2), फिरोजाबाद (1), गाजियाबाद (1), हरदोई (2), अमेठी (4), कानपुर नगर (1), कानपुर देहात (1), हमीरपुर (5), मैनपुरी (3), मथुरा (20), फतेहपुर (2), बांदा (1) तथा झांसी (2) शामिल हैं।

इस नीलामी के माध्यम से राज्य को प्रस्तावित निवेश प्राप्त होगा, जिससे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में नए उद्योग स्थापित होंगे और राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में हजारों लोगों के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होंगे। यह परिणाम दर्शाता है कि उत्तर प्रदेश का औद्योगिक माहौल निवेशकों के लिए लगातार आकर्षण का केंद्र बन रहा है।

सिटी ब्रीफ

धामी ने गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी गोलीकांड की 31वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में मंगलवार को शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए कृतसंकल्प होकर कार्य कर रही है।

बरावफात पर दो दिन बंद रहेगा हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट एवं उसकी लखनऊ पीठ में दिनांक 05 सितम्बर, 2025 (शुक्रवार) को बरावफात के उपलक्ष्य में अवकाश घोषित किया गया है। यह अवकाश पूर्व में 06 सितम्बर, 2025 (शनिवार) के लिए निर्धारित था। न्यायालय प्रशासन के अनुसार 6 सितम्बर को रजिस्ट्री के कार्यालय सामान्य रूप से खुले रहेंगे। इसके स्थान पर 15 नवम्बर, 2025 को न्यायालयीय कार्यदिवस रहेगा।

बागपत में युवक-युवती ने ट्रेन से कटकर दी जान

बागपत, एजेंसी : बागपत जनपद के थाना कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत अहेड़ा हाल्ट पर मंगलवार सुबह एक युवक और एक युवती ने कथित तौर पर चलती ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस अधीक्षक सूरज कुमार राय ने बताया कि सुबह सहारनपुर से दिल्ली जा रही जनता एक्सप्रेस ट्रेन के अहेड़ा हाल्ट पर पहुंचते समय करीब 21-22 साल के युवक-युवती अचानक पटरी पर ट्रेन के सामने आ गए जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई।

पुलिस कांस्टेबल का शव फंदे से लटका मिला

मुजफ्फरनगर, एजेंसी : जिले के निकट एक गांव में 32 वर्षीय पुलिस कांस्टेबल ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि मृतक की पहचान झिंझाना थाना क्षेत्र के रजकनगर गांव निवासी नरेंद्र कुमार के रूप में हुई है। थाना प्रभारी (एसएचओ) जितेंद्र शर्मा के अनुसार शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और जांच जारी है। नरेंद्र कुमार 2015 में उत्तर प्रदेश पुलिस में भर्ती हुए थे और नोएडा में तैनात थे।

तीन महीने पहले प्रेम विवाह अब साथ लगाई फांसी

कानपुर में नवविवाहित दंपती एक ही फंदे पर झूलते मिले

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- मछरिया बूढ़पुर में दिल दुखाने वाली घटना, परिजनों में मची चीख-पुकार
- शव पोस्टमार्टम भेजने पर परिजन भड़के, पुलिस ने समझाकर शांत कराया

अमृत विचार: नौबस्ता में मंगलवार शाम बाजार से घूमकर घर लौटे नवविवाहित दंपती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों के शव चौखट से दुपट्टे के सहारे एक ही फंदे पर लटके मिले। घटना की खबर पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल की। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए।

शव पोस्टमार्टम भेजने पर परिजन भड़क गए। इस पर पुलिस को करीब ढाई घंटे मशक्कत करनी पड़ी। परिजनों को किसी तरह समझाकर शवों को पोस्टमार्टम भेजा गया। परिजनों के अनुसार आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं है। मछरिया बूढ़पुर निवासी मो. सईद का 20 वर्षीय बेटा साजिद खुद का आटो चलाता था। पिता के अनुसार बेटे का क्षेत्र की रहने वाली 20 वर्षीय सूफिया से प्रेम प्रसंग था। इसकी जानकारी परिजनों को होने पर बीती 17 जून को उनका निकाह करा दिया गया। सईद ने बताया कि उनके छह बेटों में साजिद चौथे नंबर पर था। शारिक, ताज, आसिफ, साजिद, सैफ, सूफियान व बेटी सबा बूढ़पुर मछरिया में उमेश सिंह चौहान के दो मंजिला मकान में रहते हैं। है। दो बेटे सैफ व सूफियान अलग रहते हैं। उन्होंने बताया कि साजिद बूढ़पुर में चार माह से रह रहा था। मंगलवार दोपहर करीब दो बजे साजिद पत्नी के साथ बाजार जाने की बात कहकर घर से निकला था, लेकिन 15 मिनट में ही दोनों घूमकर वापस आ गए और कमरे में चले गए थे। करीब चार बजे वह पानी पीने के लिए कमरे से बाहर निकले तो दोनों का शव लोहे की चौखट से लटकते देखा। उनकी चीख निकल गई। आवाज सुनकर परिवार के अन्य लोग कमरों से बाहर आए। इसके बाद पुलिस और सूफिया के परिजनों को घटना की जानकारी दी गई। नौबस्ता थाना प्रभारी शरद तिलारा ने बताया कि दोनों के आत्महत्या करने की वजह स्पष्ट नहीं है। परिजनों से पूछताछ कर जानकारी करने का प्रयास किया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हापुड़ में कार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत

- पुलिस कर रही है आरोपी कार चालक की तलाश

हापुड़, एजेंसी: जिले के पिलखुवा क्षेत्र में एक कार की चपेट में आने से तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पिलखुवा क्षेत्र के सरस्वती मेडिकल कॉलेज के पास एक तेज रफ्तार कार ने सोमवार देर शाम एक स्कूटी और मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी।

इस घटना में स्कूटी सवार आलिम और मोटरसाइकिल सवार सचिन व उमेश नामक युवकों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंच शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कार चालक की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि आरोपी कार चालक की तलाश की जा रही है।

दुधवा में भटक रहे शावक, बाघिन के आक्रामक होने का बढ़ा खतरा

धर्मवीर गुप्ता, बांकेगंज

- पगचिह्न देखकर विशेषज्ञ शावक के 12 से 15 माह के होने का लगा रहे अनुमान

अमृत विचार : बाघिन को पकड़ कर दुधवा टाइगर रिजर्व के बनकटी क्षेत्र में छोड़े जाने से एक तरफ माता की छत्रछाया से दूर हो चुके शावक दर दर भटकने को विवश हो चुके हैं। वहीं दूसरी तरफ बाघिन के आक्रामक होने का खतरा बढ़ गया है।

गोला पश्चिमी बीट के देवीपुर गांव से 28 अगस्त को अल सुबह बाघिन के पकड़े जाने के बाद शावक दर-दर भटक रहे हैं। देवीपुर गांव के आसपास शावकों को कई बार देखा जा चुका है। ग्रामीणों ने घटना के दिन देर शाम को शावकों को पहली बार देखने का दावा किया था, जो गन्ने से बाहर आकर आवाज निकाल रहे थे। कुछ लोग शावकों के होने के कारण बाघिन को पकड़ने की घटना को गलत कह रहे थे, तो कुछ लोग इसे सही ठहरा रहे थे। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने शावकों के पगचिह्न देखने का दावा किया। वनकर्मी पहुंचते। इससे पहले हुई बारिश से पगचिह्न मिट गए। वन विभाग ने देवीपुर में कैमरा भी लगवा दिया, परन्तु सोमवार को भी शावक कैमरे में नहीं आए। मंगलवार की सुबह एक बार फिर शावकों के पगचिह्न दिखाई दिए। कई लोग उन पग चिन्हों को देखने के लिए गए। वन महकमे को विश्वास दिलाने के लिए फोटो भी खींचे। ग्रामीण बताते हैं कि शावक बहुत छोटे नहीं हैं और न ही बाघ की तरह बड़े हैं। वे एक या डेढ़ वर्ष के हो सकते हैं। ग्रामीण बताते हैं कि वनकर्मी जब भी आते हैं हम लोग स्वयं साथ जाकर उन्हें पग चिह्न दिखाते हैं। खेतों में गन्ने बड़े हो चुके हैं शावक उन्हीं गन्नों में जाकर छिप जाते हैं। जब लोगों की चहलकदमी कम हो जाती है तब वह मार्ग के किनारे के खेतों में आ जाते हैं।

देवीपुर गांव के पास शावकों के बने पगचिह्न।

> गांव देवीपुर में शावकों के होने की सूचना मिल रही है। परंतु हमारे स्टाफ को वह दिखाई नहीं दिए हैं। निगरानी के लिए वहां कैमरे भी लगवा दिए गए हैं।
> – संजीव कुमार तिवारी, वन क्षेत्राधिकारी गोला

फर्जी वसीयत से जमीन हड़पने के आरोप में पूर्व एसडीएम समेत 17 के खिलाफ प्राथमिकी

एटा, एजेंसी

- दबंगों ने सांठगांठ से महिला की संपत्ति हड़पने की कोशिश की थी

अमृत विचार: जिले के अवागढ़ क्षेत्र में एक महिला की पुश्तैनी जमीन पर कब्जे के मामले में करीब नौ वर्ष बाद अदालत के आदेश पर पूर्व उपजिलाधिकारी (एसडीएम), तत्कालीन तहसीलदार और राजस्व विभाग के कर्मचारियों समेत 17 लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अवागढ़ थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अखिलेश दीक्षित ने कहा कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत के आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की गई है और जांच के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी।

पीड़िता ने आरोप लगाया था कि दबंगों ने राजस्व विभाग के अधिकारियों की सांठगांठ से उसकी पुश्तैनी संपत्ति हड़पने की कोशिश की थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार खटोटा गांव निवासी कंठश्री ने अदालत में याचिका दाखिल कर कहा था कि उसके पिता बनारसी लाल ने एक वैध वसीयत के माध्यम से कृषि भूमि और एक मकान उसे दिया था, लेकिन आरोपियों ने राजस्व अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी वसीयत तैयार कर कृषि भूमि और मकान अपने नाम करा लिए। मामले के 17 आरोपियों में तत्कालीन एसडीएम महिपाल सिंह, तहसीलदार बीके छत्रपति, एक लेखपाल, एक राजस्व निरीक्षक, शिवराज, सत्यभान सिंह, प्रेमवती, प्रदीप यादव और अन्य शामिल थे।

नाबालिग छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में प्रधानाचार्य गिरफ्तार

अलीगढ़, एजेंसी: जिले के एक सरकारी जूनियर हाई स्कूल के प्रधानाचार्य को सातवीं कक्षा की एक छात्रा के यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस ने मंगलवार को बताया कि तालिबनगर गांव के सरकारी स्कूल की छात्रा ने प्रधानाचार्य शकील अहमद पर शादी का झांसा देकर अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया है।

पुलिस क्षेत्राधिकारी राजीव द्विवेदी ने कहा कि पुलिस ने शनिवार को लड़की के परिवार से शिकायत मिलने के बाद तुरंत कार्रवाई की और उसी दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) राकेश कुमार ने कहा कि गिरफ्तारी के बाद अहमद को तत्काल प्रभाव से सेवा से निलंबित कर दिया गया है।

पुलिस का गैरकानूनी इस्तेमाल कर रही सरकार

- अखिलेश से उलेमा-ए-इकराम के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव से मंगलवार को पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ में विभिन्न जिलों आए उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। उलेमा-ए-इकराम ने अखिलेश यादव को दोबारा मुख्यमंत्री बनने की दुआ की।

इस मौके पर उलमा-ए-इकराम में एक स्वर में कहा कि हम सभी लोग पूरी ताकत से सपा के साथ है। अखिलेश ने सभी का आभार प्रकट करते हुए कहा कि सपा का सभी से एक भावनात्मक रिश्ता है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार अपने राजनीतिक फायदे के लिए पुलिस का गैरकानूनी इस्तेमाल कर रही है। अखिलेश ने कहा कि लोकसभा चुनाव की तरह विधानसभा चुनाव में भी सपा के नेताओं, कार्यकर्ताओं की बड़ी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र, संविधान और वोट का अधिकार बचाने के लिए भाजपा से सावधान रहना होगा। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और तेजेंदर विर्क मौजूद रहे।

सपा प्रदेश कार्यालय में उलेमा-ए-इकराम के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ सपा प्रमुख अखिलेश। ● अमृत विचार

कांग्रेस-आरजेडी ने किया लोकतंत्र को भी कलंकित: बेबी रानी

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री व बाल विकास पुष्टाहार एवं महिला कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस की तथाकथित वोट अधिकार यात्रा में बिहार के दरभंगा में जिस तरह से कांग्रेस-आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत पूज्य माताजी को गाली दी गई, वह घोर निंदनीय और भर्त्सनीय है। हमारे लोकतंत्र को भी कलंकित करने वाला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की राजनीति अपने निम्न स्तर पर आ पहुंची है। यह अभद्रता की सारी सीमा लांघ चुके दो शहजादों का बिहार की धरती से बिहार की संस्कृति का अनादर भी है।

नेपाल में राम मंदिर के भूमि पूजन को मोदी आमंत्रित

अयोध्या/गोसाईगंज

अमृत विचार: श्री राम सेना अंतर्राष्ट्रीय ट्रस्ट ने हिंदू राष्ट्र नेपाल के पोखरा, नोडांडा में प्रस्तावित श्री राम जानकी मंदिर एवं माता सीता की भव्य प्रतिमा (स्टैचू ऑफ माता सीता) के भूमि पूजन के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भगवान राम लला के चित्र के साथ औपचारिक निमंत्रण पत्र भेजा है। ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने अयोध्या के डीएम निखिल टीकाराम फुंडे को प्रधानमंत्री को संबोधित पत्र सौंपा। ट्रस्ट ने डीएम को रामलला की फोटो देकर सम्मानित भी किया।

ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश सिंह ने बताया कि सामाजिक कार्यक्रम में पोखरा जाने के दौरान नेपाल गंडकी प्रदेश के मुख्यमंत्री सुरेंद्र राज पांडेय और गंडकी प्रदेश सभा सदस्य गणेश मन गरूड़ से मुलाकात और चर्चा में जानकारी हुई को पोखरा से माता सीता की तमाम स्मृतियां लोक कहावतों में संरक्षित है। श्री राम जानकी मंदिर एवं स्टैच्यू ऑफ माता सीता एवं प्रभु श्री राम के लिए भूमि उपलब्ध कराई है। इसकी छाया प्रति भी लगाई है। नेपाली नेताओं ने एक साल के अंदर भूमि पूजन और पांच से 10 साल में मंदिर निर्माण को अनुरोध किया है। दोनों नेपाली नेताओं ने भूमि पूजन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेपाल पधारने का अनुरोध किया है।

रिश्वत : महोबा के जिला आबकारी अधिकारी सस्पेंड

लखनऊ : आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत सख्त कदम उठाते हुए महोबा के जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा को मंगलवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। वर्मा द्वारा रिश्वत लिए जाने से संबंधित वीडियो 26 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने महोबा के जिलाधिकारी से जांच कराई। इसमें महोबा के जिला आबकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा प्रथम दृष्टया दोषी पाए गए हैं। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने निलंबित किए जाने की पुष्टि करते हुए बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्य कर रही है।

नैनीताल: नैना देवी मेले में उमड़ी भक्तों की भीड़

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल नैना देवी मेले के महोत्सव के तहत दशमी के मौके पर नैना मंदिर में ब्रह्म मुहूर्त में देवी पूजन का आयोजन किया गया। बारिश भी भक्तों की आस्था को डिगा नहीं सकी। 24 घंटे से नैनीताल में हो रही बारिश के बावजूद भी भक्तों के मंदिर आने का क्रम जारी रहा।

दोपहर में नैना देवी मंदिर में सुंदरकांड का आयोजन किया गया। वहीं, देर शाम नंदा सुनंदा की पांच आरती कार्यक्रम का आयोजन हुआ। देर रात देवी पूजन और मां नंदा सुनंदा को भोग लगाया गया। इस दौरान हजारों की संख्या में भक्ति मां नंदा-सुनंदा के दर्शन करने मंदिर पहुंचे। वही, जो लोग बारिश के चलते मां नंदा-सुनंदा के दर्शन करने मंदिर नहीं पहुंच सके, उन्होंने यूट्यूब और स्थानीय लोकल चैनल के माध्यम से मां के दर्शन किए। नंदा महोत्सव मेले में दूर-दराज से व्यापार करने आए व्यापारियों को खराब मौसम की मार झेलनी पड़ रही है। दो दिन से हो रही लगातार बारिश से मेला स्थल डीएसए मैदान में पानी भरने से कारोबार चौपट है। मंगलवार सुबह से मेला स्थल में सन्नाटा पसरा रहा। उत्तर प्रदेश के कपड़ा व्यापारी आकिल हुसैन और काशीपुर के व्यापारी अनस अंसारी ने बताया कि अच्छी बिक्री की उम्मीद से दुकान लगाई, पर बारिश ने सब खत्म कर दिया।

देवी नंदा-सुनंदा।

तलाक के मामले में कोर्ट ने कहा-पति का गुजारा भत्ता देने का दायित्व खत्म नहीं होगा

विधि संवाददाता, प्रयागराज

- परिवार न्यायालय, पीलीभीत ने भरण-पोषण की मांग खारिज की थी

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तलाक से जुड़े एक मामले में स्पष्ट किया कि तलाक की कार्यवाही पर रोक लगने या उसके अपीलीय/पुनरीक्षण स्तर पर लंबित रहने के बावजूद हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 24 के तहत पति का पत्नी को भरण-पोषण देने का दायित्व समाप्त नहीं होता। भले ही अभियोजन के अभाव में कार्यवाही खारिज कर दी गई हो और उसकी बहाली लंबित हो, तब भी आदेश प्रभावी रहेगा, जब तक उसे वापस नहीं लिया जाता या रद्द नहीं किया जाता। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की एकलपीठ ने अंकित सुमन की याचिका खारिज करते हुए पारित किया, जिसने वर्ष 2018 में तलाक की अर्जी दाखिल की थी। पत्नी ने धारा 24 के तहत भरण-पोषण की मांग की, जिसे परिवार न्यायालय, पीलीभीत द्वारा खारिज कर दिया गया था। हालांकि पत्नी की अपील पर हाईकोर्ट ने नवंबर 2021 में आवेदन को अनुमति देते हुए पत्नी को दस हजार रुपए प्रति माह और नाबालिग बेटी को भी समान बकाया राशि और मुकदमे की लागत के लिए तीस हजार रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया, जिसे पति ने सुप्रीम कोर्ट के समक्ष चुनौती दी तो आदेश को संशोधित कर पत्नी को दस हजार प्रतिमाह और बेटी को पांच हजार रुपए प्रतिमाह का भुगतान करने का निर्देश दिया गया। जब राशि का भुगतान नहीं किया गया तो पत्नी ने निष्पादन का मामला दाखिल किया।

इसके बाद सितंबर 2024 में पति के विरुद्ध वसूली वारंट जारी कर परिवार न्यायालय द्वारा याची के विरुद्ध वसूली आदेश पारित किया गया। उपरोक्त आदेश को चुनौती देते हुए याची ने वर्तमान याचिका में कोर्ट के समक्ष तर्क दिया कि अधिनियम, 1955 की धारा 24 के अनुसार भरण-पोषण केवल कार्यवाही के लंबित रहने के दौरान ही दिया जा सकता है, परंतु हाईकोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि केवल कार्यवाही पर रोक लगने से पति की जिम्मेदारी खत्म नहीं होती। भरण-पोषण के आदेश को न तो वापस लिया गया है और न ही उसे रद्द किया गया है, इसलिए आदेश के अनुसार पति का भुगतान करने का दायित्व जारी है।

आफत रामनगर में दो हाथी बहे, कार पर गिरा बोल्डर, राज्य में 398 मार्ग बाधित, मुख्यमंत्री ट्रैक्टर से पहुंचे लक्सर के आपदा प्रभावित क्षेत्र

उत्तराखंड में भारी बारिश का रेड अलर्ट, नैनीताल व चम्पावत में स्कूल बंद

मुख्य संवाददाता, देहरादून/ हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड में भारी बारिश का कहर जारी है। मंगलवार को पूरे राज्य में जमकर बादल बरसे। नदी-नाले उफान पर हैं। मौसम विभाग के जारी अलर्ट को देखते हुए नैनीताल और चम्पावत जिले में कक्षा 12 तक के विद्यालय और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। वहीं, मुख्यमंत्री धामी ने मंगलवार को भारी बारिश के बीच कठिन परिस्थितियों को दरकिनार करते हुए हरिद्वार के लक्सर में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में ट्रैक्टर से ग्रामीण और जलमग्न क्षेत्रों तक पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण किया और राहत कार्यों को गति देने के निर्देश दिए।

बारिश और भूस्खलन के चलते हल्द्वानी-नैनीताल मार्ग पर मंगलवार सुबह एक भारी बोल्डर कार के बोनट पर आ गिरा। गनीमत रही कि कार में सवार तीन लोग बाल-बाल बच गए। बोल्डर गिरने से कार का बोनट बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। रुद्रप्रयाग के सोनप्रयाग में भूस्खलन से शटल पार्किंग धंसने से दो वाहन इसके चपेट में आ गए जिन्हें जेसीबी से निकाला गया। रामनगर में तीन दिन से उफान पर आई कोसी नदी चुकुमवासियों के लिए कहर बनकर टूटी है। मंगलवार को दो मकान कोसी में जमींदोज हो गए तो दो मकानों में कटाव चल रहा है। वहीं, रामनगर के मोहान और कुमेरिया के बीच उफनती कोसी नदी में दो हाथियों की जद्दोजहद का वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुआ। तेज बहाव के बीच बहते नजर आते इन हाथियों ने काफी दूर जाकर नदी को पार कर लिया।

उधर, नैनीताल जिले में लगातार दूसरे दिन भी बारिश का रेड अलर्ट रहा। बारिश की वजह से कई जगह भूस्खलन, मलबा आने और बोल्डर गिरने की घटना हुई। नैनीताल रोड पर एक कार के आगे के हिस्से पर बोल्डर गिर गया। हल्द्वानी-चोरगलिया मार्ग लगातार दूसरे दिन भी बंद रहा। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में कई जगह सड़कें बंद हैं।

मंगलवार को लगातार बारिश के बीच गौला नदी उफान पर रही। नदी का जलस्तर 48,282 क्यूसेक तक पहुंच गया, जो सामान्य स्तर से काफी अधिक है।

उफान पर आई गौला नदी के रौद्र रूप से नदी के किनारे भू कटाव की स्थिति बनी हुई है। खतरे के निशान से ऊपर बह रही गौला नदी के इस उफान को देखने के लिए मंगलवार को गौला पुल पर दिनभर लोगों का जमावड़ा लगा रहा। ● अमृत विचार

तीन दिन बाद कर्मियों को सुरंग से निकाला

पिथौरागढ़ में धौलीगंगा पावर स्टेशन की टनल में पास हुए भूस्खलन के तीन दिनों बाद मंगलवार सुबह एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने ज्वाइंट ऑपरेशन में सुरंग के मुहाने से मलबा हटाकर इमरजेंसी ऑपरेशन में तैनात 11 कर्मियों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं, राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र, देहरादून की रिपोर्ट के अनुसार, पूरे राज्य में 398 से ज्यादा मार्ग बाधित चल रहे हैं इनमें राष्ट्रीय, राज्य, मुख्य जिला, बॉर्डर और ग्रामीण मार्ग शामिल हैं जिन्हें खोलने का काम युद्ध स्तर पर चल रहा था।

भारी वर्षा और बाढ़ के खतरे की आशंका

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चम्पावत, देहरादून, नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जनपदों के लिए चौबीस घंटों का रेड/ऑरेन्ज अलर्ट जारी कर भारी वर्षा तथा बाढ़ के खतरे का अनुमान जताया है। इन जिलों के अंतर्गत यह चेतावनी बुधवार सुबह 10:19 बजे तक के लिए है। इनमें हल्द्वानी, रुद्रपुर, बाजपुर, काशीपुर, लोहाघाट, रामनगर, खटीमा, डोईवाला, चकराता, मसूरी और रायवाला तथा इनके आसपास वाले क्षेत्रों मे कुछ स्थान शामिल हैं।

केदारनाथ व हेमकुंड साहिब में रोपवे के विकास पर करार

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- श्रद्धालुओं के लिए आसान होगी इन दोनों प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा

अमृत विचार : पर्वतमाला परियोजना के अन्तर्गत, केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में रोपवे के लिए सरकार और नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के बीच मंगलवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में सचिवालय में समझौता हुआ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन रोपवे से श्रद्धालुओं को केदारनाथ और हेमकुंड साहिब के दर्शन में काफी सुगमता होगी। यह समझौता प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने के साथ ही पर्यटन, रोजगार, के क्षेत्र में नई संभावनाएं खोलेगा।

उन्होंने कहा कि सोनप्रयाग से केदारनाथ के बीच लगभग 4100 करोड़ रुपये की लागत से 12.9 किमी लंबी तथा गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब के बीच 2700 करोड़ से अधिक की लागत की 12.4 किमी लंबी रोपवे निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई है।

ट्रिपल कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार

सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में रेल, रोड और रोपवे कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है। विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से कनेक्टिविटी को बढ़ाने की दिशा में कार्य हो रहे हैं। रेल कनेक्टिविटी के विस्तार पर भी तेजी से कार्य हो रहे हैं। इस दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्यमंत्री अजय टम्टा व राज्य के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने भी विचार रखे।

अमृत विचार

बरेली , बुधवार,3 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

डिग्री कालेज के छात्र दो दिन में करा लें अपनी सीट लॉक

आंवला, अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया राजकीय महाविद्यालय प्राचार्य ने बताया कि सत्र 2025-26 के नवप्रवेशित, स्नातक एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राएं जिन्होंने सीट लॉक प्रक्रिया पूर्ण नहीं कराई है। वह 3 और 4 सितम्बर को अपनी सीट अनिवार्य रूप से लॉक करा लें। उक्त तिथि के पश्चात उनकी सीट लॉक हेतु कोई विचार नहीं किया जाएगा।

सरसों तेल के 60 पीपे चोरी, रिपोर्ट दर्ज

बिथरीचैनपुर अमृत विचार : दीवार कूद कर फैक्ट्री मे घुसे अज्ञात चोर फैक्ट्री मे रखे सरसों के तेल के 60 पीपे व कैमरे का डीबीआर चुरा ले गए ।मालिक की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात चोरो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। विपुल अग्रवाल निवासी रामपुर गार्डन की रजऊ परसपुर में तेल फैक्ट्री है। सोमवार रात अज्ञात चोर फैक्ट्री के पीछे की दीवार कूद कर फैक्ट्री में घुस गए और 60 पीपे और कैमरे का एन वी आर चुरा ले गए। सुबह चौकीदार ने मामले की सूचना विपुल अग्रवाल को सूचना दी। मौके पर पहुंचे विपुल ने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ला ने बताया रिपोर्ट दर्ज कर ली गयी है। चोरो की तलाश की जा रही है।

हाईवे पर होटल मालिक को हॉकी से पीटा, रिपोर्ट

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : गांव जगतपुर काशीराम निवासी नरेन्द्र सिंह की हाइवे के किनारे होटल है। सोमवार देर रात कार सवार पांच लोग अचानक होटल पर आए और चाय बनाने का आर्डर दिया। वह जैसे ही उठे उन पांचो लोगों ने लाठी डंडों, हॉकी, लोहे की रॉड से उनके ऊपर हमला कर उन्हें बेसुध कर भाग गये। आसपास के दुकानदारों ने नरेंद्र को उठाया। हमले से उनका सिर फट गया, शरीर पर भी काफी चोटें आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

पूर्व प्रधान के बेटे ने महिला प्रधान को धमकाया

देवरनियां, अमृत विचार : गिरघरपुर ग्राम पंचायत की ग्राम प्रधान अफीका हुसैन का आरोप है, कि 29 अगस्त को वह एक मैरिज हाल से भाई के साथ निकल रही थी। तभी सामने से पूर्व ग्राम प्रधान शफीक अहमद का पुत्र सद्दाम दिखाई पड़ा। उसने देखते ही प्रधान और उसके भाई को गालियां देना शुरु कर दिया। गाली देने से मना किया तो उसने तमंचा निकाला और लहराते हुए मुझे जान से मारने की धमकी दी। भीड़ को देखकर वह तमंचा लेकर भाग गया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

शोभायात्रा निकाली

आंवला, अमृत विचार : मोहल्ला गौसिया चौक में गणेश चतुर्थी के उपरांत भक्तों ने मंगलवार को कस्बे में भगवान गणेश जी की शोभायात्रा यात्रा निकाली। उसके उपरांत भक्त कछला गंगा घाट के लिए विसर्जन हेतु रवाना हुए।

नवाबगंज में कैलाश नदी के किनारे वर्षों बाद आए पानी से किनारे पर बनाए गए घरों को खतरा पैदा हो गया है। ● अमृत विचार

देवहा नदी से हो रहे कटान का जायजा लेते विधायक डा. एमपी आर्या । ● अमृत विचार

उफनाई नदियों ने शुरू की तबाही, फसलें नदी में समाईं

बहेड़ी, नवाबगंज, फरीदपुर और शेरगढ़ के तमाम गांवों में तबाही मचनी शुरू, किच्छा, नदियों का जलस्तर बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत

बहेड़ी में बाढ़ जैसे हालात, एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव ने किया दौरा। ● अमृत विचार

किच्छा नदी में बढ़े जलस्तर तथा हालातों का जायजा लेते तहसीलदार बहेड़ी ।

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: जिले में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। रामगंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। किच्छा, देवहा समेत नदियां उफान पर है। खेतों का तेजी से कटान जारी है। बहेड़ी, मीरगंज, नवाबगंज और फरीदपुर तहसील के सैकड़ों किसानों की हजारों एकड़ फसल नदी में समा चुकी है। गांवों में भी पानी भरना शुरू हो चुका है। प्रशासन की तरफ से गांवों में संपर्क कर लोगों को अलर्ट रहने के लिए कहा जा रहा है। रामगंगा ने भी 160 मीटर का स्तर पार करने का बाद तांडव शुरू कर दिया है। बाढ़ चौकियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है।

शेरगढ़ में किच्छा नदी में जल स्तर बढ़ने से भू-कटान शुरू होने पर किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच आई हैं। किसानों की सैकड़ो बीघा गन्ना की फसल नदी में समा चुकी है। तहसीलदारभानु प्रताप सिंह ने कमालपुर, लखीमपुर, मोहम्मदपुर, कस्बापुर, धर्मपुरा आदि समेत गांवों के लोग खासे चिंतित हैं। नगरिया कलां के रंगीन कुमार, नरायन दास, बाबूराम गंगवार, मिढ़ई लाल गंगवार, रघुवर दयाल आदि किसानों का कहना है कि उनकी सैकड़ों बीघा जमीन नदी में समा चुकी है। वहीं खेतों लगी पापुलर, यूकेलिप्टस, शीशम आदि जैसी कीमती लकड़ी नदी की भेंट चढ़ रही है।

देवहा नदी में मची तबाही तो जिम्मेदारों को याद आई

बरेली/क्योलड़िया, अमृत विचार : नानक सागर डैम से 44 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद देवहा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। उफनाई देवहा नदी ने कटान शुरू कर दिया है। सिलरा, नवदिया समेत कई गांवों में कई बीघा खेत गन्ना, धान की फसलों के साथ नदी में समा गए हैं। 200 बीघा जमीन नदी में समा चुकी है। जलस्तर बढ़ने से गांव बहीर जागीर, सिलरा, नवदिया, नौगवा भगवंतपुर, सिठौरा आदि गांवों में दहशत का माहौल है। उनका कहना है कि देवहा नदी के तबाही मचाने के बाद जिम्मेदारों ने सुध ली। मंगलवार को विधायक डा. एमपी आर्य ने एसडीएम उदित पवार, तहसीलदार दुष्यंत कुमार आदि के साथ गांव अमीर नगर का दौरा किया। उन्होंने नदी किनारे रह रहे लोगों के अपील कीकि वह अपने सामान सहित सुरक्षित जगह पर चले जाएं क्योंकि देवहा नदी दोनों गांव से के बीच से दक्षिण दिशा को निकल तेजी से कटान कर रही है। इधर, बाढ़ खंड विभाग के जेई आशुतोष शर्मा, एसडीओ चंद्रपाल सिंह ने अमीर नगर गांव में डेरा डाल दिया है। लेबर को लगाकर पेड़ों की डाल कटवा कर नदी में लगवा रहे हैं। अमीर नगर और गुलड़ाई के किसान मेवाराम ओमपाल, रमेश चंद्र, महेश कुमार, रामकृष्ण आदि किसानों की लगभग 200 बीघा जमीन देवहा नदी में समा चुकी है। बिहारीपुर, सिलरा नवदिया मोतीराम, सिठौरा समेत कई गांवों में सड़कों के ऊपर पानी बह रहा है।

शाम तक पार हो सकता है खतरे का निशान

बताया जा रहा है कि रामगंगा नदि के पानी की गति यही रही तो देर रात तक रामगंगा खतरे का निशान पर पहुंच सकती है। इससे शहर के आस-पास भी बाढ़ की संभावना बढ़ सकती है। फिलहाल तीन तहसीलों के करीब 500 गांव पर खतरा मंडरा ही रहा है।

बहेड़ी में बाढ़ जैसे हालात, किया दौरा

बहेड़ी : नरायन नगला में किच्छा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से कई गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति हो गई है। प्रशासन ने ग्रामीणों को अलर्ट कर दिया है। नदी किनारे बसे गांव हरहरपुर, लक्ष्मी पुर, रजपुरा, नारायण नगला, धमीपुर, इटौआधुरा आदि गांव में दहशत का माहौल है। मंगलवार को एसडीएम बहेड़ी रत्निका श्रीवास्तव ने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नदी से सटे गांवों का निरीक्षण किया। इस दौरा ग्रामीणों को नदी के पास न जाने की हिदायत दी। प्रशासन ने लोगों से अपील की वे सावधानी बरतें और अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलें।

● 160 मीटर का स्तर पार करने के बाद रामगंगा ने भी शुरू किया तांडव

मंगलवार को लेखपाल शुभम राजपूत के साथ गांव पनबड़िया, कस्बापुर और नगरिया कलां गांवों का दौरा किया। तटवर्ती गांवों के लोगों से सतर्कता बरतने को कहा। किच्छा नदी में जलस्तर बढ़ने से गांव नगरिया कलां, कबरा किशनपुर, बैरमनगर, रजपुरा,

फरीदपुर में कई गांवों का संपर्क मार्ग कटा

फरीदपुर,अमृत विचार : लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के चलते फरीदपुर तहसील के ब्लॉक भुता (कुआं डांडा) से मेहतपुर तेज सिंह होते हुए मेवा सरफापुर मार्ग पर भगवंतापुर गांव के बाहर बह रही गोंदईया नहर के पानी के बढ़ते जलस्तर से कटान से गांवों का संपर्क मार्ग कट जाने से दर्जनों गांव का संपर्क टूट गया है जिसमें बिसीपुरा कल्याणपुर नौसना वडरा कासिमपुर सहित दर्जनों गांव का संपर्क मार्ग कटा हुआ है यह मार्ग शाहजहांपुर के खुदागंज जाने का शार्टकट रास्ता है। ग्राम प्रधान भगवंतापुर हफीजुर रहमान ने बताया मार्ग काटने की जानकारी राजस्व अधिकारियों के अलावा जनप्रतिनिधियों को दे दी गई है

यहां भी खतरा, नदी किनारे बने हैं घर

नवाबगंज: कैलाश नदी का जल स्तर लगातार बढ़ने से नाला पार नई बस्ती में पानी घुस गया है। नदी किनारे बसी आबादी भी खतरे में पड़ गई है। लोगों ने नदी के किनारे ही घर बना लिए। जिन पर अब जल स्तर बढ़ने के कारण कटान का खतरा मंडराने लगा है।

अलर्ट न करने से हुआ ज्यादा नुकसान

शेरगढ़: जिन किसानों के खेत किच्छा नदी में बह गए, उनके परिवारों में मातम का माहौल है। किसानों का आरोप है कि बाढ़ विभाग की ओर से पहले से कोई अलर्ट जारी नहीं किया गया कि नदी में अचानक इतना पानी आ जाएगा। वे लोग निश्चिंत थे, इसी कारण ज्यादा नुकसान हो गया।

शोभायात्रा निकालकर विसर्जित किये गणपति

संवाददाता, सेंथल

गणपति विसर्जन के दौरान रामगंगा पर एकत्र सचिव कॉलोनी के लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार : सुदामा मन्दिर से भगवान गणेश की सात दिवसीय पूजा अर्चना के बाद शिव शक्ति ग्रुप के सौजन्य से गणपति बप्पा मौर्या के उद्घोष के साथ शोभयात्रा निकाली गई। भगवान गणेश की प्रतिमा को रामगंगा बरेली में विसर्जित किया गया। इससे पूर्व प्रतिदिन सुबह शाम पूजा अर्चना, कीर्तन हुआ। यात्रा में अविनाश मिश्रा, उमाकांत जोशी, अभिषेक देवल, लेखराज मौर्य, बबलू सैनी, राजेन्द्र कश्यप, गुड्डू कश्यप, अजय गुप्ता, अनुरोध शर्मा, मुनीष जोशी, कमल शर्मा, मौर्या, कढ़ेराम मौर्य, सत्यपाल यादव आदि भक्त उपस्थित रहे।

रामगंगा में हुआ विसर्जन, दुनका: शाही थाना क्षेत्र के गांव दुनका में मंगलवार को गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर आयोजकों में डब्बू गंगवार मेवाराम गुप्ता, कपिल देव गंगवार, हर्षित रस्तोगी, सौरव रस्तोगी, अमृत रस्तोगी समेत बड़ी संख्या में महिलाओं और बच्चों ने भी भाग लिया। भक्तों ने गणेश उत्सव का आनंद भजन कीर्तनों की आनंद लिया।

नम आंखों से किया गणपति का रामगंगा में किया विसर्जन

कैंट : बदायूं रोड स्थित सचिव कॉलोनी वेलफेयर सोसाइटी में विराजे गणपति को मंगलवार को अबीर गुलाल उड़ा कर ढोल नगाड़ों के साथ रामगंगा में विसर्जित किया गया। इस अवसर पर डॉ सुबोध अस्थाना, अखिलेश शंखधार, डॉ अवनीश, प्रदीप गुप्ता, राहुल शर्मा, वैभव अस्थाना, गोलू, शिवा, यश यादव, ऋतु शंखधार, शिल्पी सिंह, रुचि अस्थाना, प्रतीक्षा मिश्रा, महिमा अस्थाना, निखिल, आदर्श, अभय, निहारिका, सोनी आदि रहे।

फरीदपुर में तीन बच्चों के बाप ने 6 साल की बच्ची से किया दुष्कर्म

संवाददाता, फरीदपुर

आरोपी द्रोण पाल।

अमृत विचार : फरीदपुर थाना क्षेत्र के गांव में 6 साल की बच्ची से तीन बच्चों के बाप ने अपने ही घर में दरवाजा बंद करके दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची को सीएचसी भेजा। जहां हालत गंभीर होने पर बच्ची को जिला अस्पताल भेज दिया गया। सूचना मिलते ही एसपी ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस आरोपी को तलाश कर रही लेकिन वह फरार हो गया है।

फरीदपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी द्रोणपाल पाल पानीपत में रहकर राजमिस्त्री का काम करता था। मंगलवार की रात लगभग नौ बजे पड़ोस की 6 साल की बच्ची को वह फुसलाकर अपने घर ले गया। बच्ची का पिता भी मजदूरी करता है। घर में अकेली बच्ची बाहर खेल रही थी। तभी द्रोण पाल बच्ची को अपने घर ले गया और दरवाजा बंद कर घटना को अंजाम दिया। देर रात तक बच्ची के न मिलने से परिजन उसे तलाश करने लगे। तभी किसी ने द्रोण पाल के साथ होने की बात कही तो उसके घर का दरवाजा खटखटाया गया। काफी देर दरवाजा पीटने के बाद जब दरवाजा खुला। ग्रामीण जब कमरे में पहुंचे तो देखा कि बच्ची खून से लथपथ थी। बच्ची की हालत को देखकर उन्होंने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया लेकिन वह मौका देखकर फरार हो गया।

दुष्कर्म के आरोपी द्रोण पाल के तीन बच्चे हैं जिसमें बड़ी बेटी 20 साल की है वही पीड़ित परिवार में बच्चों की मां कुछ दिनों पहले दो बच्चों को लेकर कहीं चली गई है। वह 6 साल की अबोध बच्ची की पिता के पास छोड़ गई थी।

दो पक्षों में चले लाठी-डंडे और ईंटे

आंवला। जगह को लेकर दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे और ईंटे चलीं। जिसमें 5 लोग चोटिल हो गये। पीडित ने 11 दिन बाद 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

घुंसी गांव निवासी इतवारी लाल ने बताया कि बीती 22 अगस्त को गांव के ही मानसिंह, हरपाल, नन्हीं, सुनीता , अनेकपाल और कमलेश गांव से भगाने पर आमादा हैं। उक्त लोगों ने उसके खेत में ईंटों की पांच फिट ऊंची नींव और मिट्टी का कच्चा घर गिरा दिया। तोडफ़ोड़ करने से रोकने पर उक्त लोगों ने उसे, उसकी पत्नी मनकोरा, गंगा देवी पत्नी प्रेमपाल, कुन्तावती पत्नी राकेश, जावित्री पत्नी सोमपाल को लाठी ईंटों से बुरी तरह से पीटा। शिकायत पर पुलिस ने छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कीहै।

न्यूज डायरी

सोरहा में तीन मकानों की छत गिरी

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : सोरहा में तीन मकान की छत गिर गई ।गनीमत रही किसी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई। तीन दिन से लगातार हो रही बारिश से गांव सोरहा में मंगलवार सुबह गांव निवासी रंजीत के पुराना लिंटर का आधा हिस्सा अचानक गिर गया। परिजन बाल बाल बच गए। लालसिंह और शौकत अली के कच्चे मकान की छत भर भराकर गिर गई। ग्राम प्रधान शाकिर हुसैन की सूचना पर राजस्व टीम ने जांच करके रिपोर्ट एसडीएम को सौंपी है।

देवरनियां उपकेन्द्र पर भरा पानी

देवरनियां, अमृत विचार : लगातार हो रही बारिश के चलते विद्युत उपकेन्द्र व उपखंड देवरनियाँ के कार्यालय में जलभराव हो गया है। हालत यह हो गई है कि अफसर और कर्मचारी हाथ में चप्पल लेकर कार्यालय में प्रवेश कर रहे हैं। काफी पुराना उपकेन्द्र होने से यहां चहारदीवारी भी नहीं है और न ही जल निकासी की कोई सुविधा है। लगातार बारिश और जलनिकासी की सुविधा नहीं होने से मशीनों तक पानी पहुंच सकता है। इससे काफी बड़े क्षेत्र में सप्लाई बाधित हो सकती है।

अलीगंज से निकला चादर का जुलूस

अलीगंज, अमृत विचार : सकलेन मियां के उर्स पर मंगलवार को कस्बे से चादर का जुलूस निकाला गया। दर्जनों जायरीन पैदल चलते हुए हाथों में चादर उठाए रवाना हुए। कस्बे में जगह-जगह जुलूस का फूल-मालाओं से स्वागत किया गया और विभिन्न स्थानों पर लंगर हुए। इस मौके पर प्रधान शाकिर खान, हाजी खुशमूद सकलेनी, फहीम इदरीसी, मतलब अली, साबिर रजा खान, साबिर आदि रहे।

एसीएमओ ने किया निरीक्षण

मीरगंज, अमृत विचार : मंगलवार को एसीएमओ डॉ अमित कुमार ने सिंधौली गांव का निरीक्षण किया ।सिंधौली में मलेरिया धनात्मक मरीज के घर जाकर मरीज का हाल जाना। गांव में उन्हें सफाई व्यवस्था ठीक नहीं मिली। पियर एजूकेटर को प्रमाण पत्र बांटे। इस दौरान डॉ वैभव राठौर, डॉक्टर रोहन दिवाकर, सूरज यादव साथ में रहे ।

दूसरे समुदाय के युवक के साथ गई युवती बरामद

नवाबगंज, अमृत विचार: बदायूं में नौकरी कर रही युवती को दूसरे समुदाय का युवक बहलाकर भगा ले गया। युवती के पिता की तहरीर पर दर्ज रिपोर्ट के बाद पुलिस ने मंगलवार को युवती को बरामद कर वन स्टाप सेंटर भेजा वहीं प्रेमी को जेल भेज दिया है। नगर की एक युवती बदायूं के सांडी में किराए पर रहकर प्राइवेट नौकरी कर रही थी । आरोप है कि बीती 24 जून को सहसवान के मोहल्ला काजी वासी नदीम का पुत्र अदीब उसे प्रेमजाल में फांस कर ले गया । युवती के पिता द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने पर सांड़ी पुलिस ने युवती को बरामद उसके परिजनो को सौंप दिया और वह नगर में अपने परिवार के साथ रह रही थी ।बरामदगी के तीन दिन बाद ही बीती 28 मई को युवती पुनः गायब हो गई । युवती के परिजनों का आरोप है कि पुनः अदीब ही उसे फुसला कर ले गया था । युवती के परिजनों ने धर्म परिवर्तन कराए जाने की आशंका व्यक्त करते हुए दो दिन पूर्व कोतवाली नवाबगंज में आरोपी के विरुद्ध रिपोर्टे दर्ज कराई थी । जिस पर पुलिस ने प्रेमी - प्रेमिका को बरामद कर अदीब को जेल भेजने के साथ ही युवती को वन स्टाप सेन्टर भेज दिया । थानाध्यक्ष ने बताया कि मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान कराने के बाद ही अग्रिम कार्यवाही की जाएगी ।

बहेड़ी में जलसा करने की अनुमति मिली

बहेड़ी, अमृत विचार: अंजुमन खुद्दामुल औलिया को शिमला जनरल स्टोर के सामने बारावफात के जलसे की अनुमति मिल गई है। कुछ दिनों पहले बारावफात पर पीस कमेटी की मीटिंग में नैनीताल रोड पर जलसा करने पर रोक लगा दी गई थी । लेकिन अंजुमनों के प्रयासों के बाद अब अनुमति मिल गई है।

अंजुमन खुद्दामुल औलिया के हाफिज अनवार अहमद कादरी ने जलसों की परमीशन मिलने पर डीएम अवनीश कुमार , एसडीएम रत्निका श्रीवास्तव , सीओ मुकेश कुमार सिंह और प्रभारी निरीक्षक संजय तोमर का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि यह अनुमति मिलने से मुस्लिम समुदाय में खुशी की लहर है । अंजुमन बोस्ताने मदार, अंजुमन गुलामाने रसूल और अंजुमन खुद्दामे आलिया के कार्यकर्ताओं ने डीएम को ज्ञापन देकर जलसा करने की अनुमति मांगी थी। इस दौरान 20 से ज्यादा अंजुमन जुलूस निकालती चली आ रही हैं।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

सूचना

मैंने अपने पुत्र अनस को मेरी मर्जी के विरूद्ध दो बच्चों की मां श्रीमती समरीन के साथ रहने, घर में रखे रूपये निकालने एवं गलत संगत एवं गलत आचरण से तंग आकर सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा।
बब्लू पुत्र मो. रजी नि. मोहन तालाब जगतपुर थाना बारादरी, बरेली

सूचना

मैंने अपना नाम सय्यद मोहसिन अली से बदलकर मोहसिन अली रख लिया है। भविष्य में मुझे मोहसिन अली पुत्र श्री अफसर अली, नि.मो. ऊपरपारा रजा कालोनी, बदायूं उ.प्र. 243601 के नाम से जाना जाए।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मो0 जाहिद व उसकी पत्नी नाजिश को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल- अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **खान बहादुर पुत्र स्व0 मरहूम बाबू निवासी एम.आर. पब्लिक स्कूल के सामने, बिथौलिया थाना सी.बी. गंज तह. व जिला बरेली। मो. 9045917632**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जाँच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
8077344353
समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

न्यूज ब्रीफ

मलबे में दबकर हजारों का घरेलू सामान नष्ट

मीरगंज, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव सैंजना निवासी मजदूरी पेशा व्यक्ति छोटे लाल कश्यप का पुराना जर्जर मकान खपरैल समेत गिर कर धराशाई हो गया। जिसके मलबे में बक्से में रखे कपड़े आदि सामान व अनाज और बर्तन व अन्य छत के नीचे फैला हजारों का सामान दबकर नष्ट हो गया। ग्राम प्रधान सोमपाल गंगवार समेत ग्रामीणों ने शासन एवं प्रशासन से मुआवजा दिए जाने की गुहार लगाई है।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

कैंट, अमृत विचार : लालफाटक तथा कैंट स्टेशन के बीच मंगलवार तड़के ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची कैंट पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। शाहजहांपुर के थाना कटरा के बड़े गांव खिरिया निवासी सुखदेव (26) पुत्र महेंद्र पाल अपनी मां को दवा दिलाने रविवार को बरेली आया था। वह मां के साथ थाना कैंट के चनेहटी स्थित अपनी बहन अनीता के यहां रुका था। सुखपाल सोमवार दोपहर करीब 1 बजे बहन के घर से अचानक लापता हो गया। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। लेकिन कहीं उसका पता नहीं लग सका। मंगलवार सुबह कैंट रेलवे स्टेशन के पास घूमने निकले लोगों ने रेलवे ट्रैक के किनारे शव पड़ा देखा। शव की शिनाख्त सुखदेव के रूप में हुई।

रिठौरा के युवक की हाथरस में मौत

रिठौरा, अमृत विचार : चार दिनों से लापता युवक घायल अवस्था में ट्रेन में मिला जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। युवक चार दिनों से घर से बिना बताए कहीं चला गया था। रिठौरा के मोहल्ला इंद्रपुरी निवासी वीरु भास्कर (24) घर से बिना बताए चला गया था। मां कमला देवी बताया उनका बेटा कुछ दिमाग से कमजोर था। मंगलवार सुबह हाथरस ट्रेन में वीरू मिला तो उसकी हालत खराब थी। जीआरपी ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती करवाया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों को वीरू की मौत की जानकारी हुई कोहराम मच गया। परिवार के लोग शव लेने के लिए रवाना हो गए हैं।

सीएम ग्रिड योजना : दर्द दे रहे दुकानों के आगे खोद कर छोड़े गड्ढे

डेलापीर चौराहे के पास सीएम ग्रिड के तहत बनाई जा रही सड़क, लेकिन व्यवस्था बदहाल, हादसा होने का डर, राहगीरों के साथ-साथ निवासी भी परेशान

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट (सीएम ग्रिड योजना) के तहत डीडीपुरम, मॉडल टाउन व डेलापीर क्षेत्र में सड़क व फुटपाथ निर्माण का कार्य लंबे समय से चल रहा है। भविष्य में शहरवासियों को इस योजना से सुगम और सुरक्षित सफर का लाभ मिल सकेगा, लेकिन वर्तमान में सीएम ग्रिड योजना में लापरवाही से काम हो रहा है। इससे व्यापारी और आम नागरिक बेहाल हैं। दुकानों, हॉस्पिटल के आगे गड्ढे खोदकर छोड़ दिए हैं, जिससे वहां से निकलने में मरीजों, व्यापारियों और लोगों को दिक्कतें हो रही हैं।

शहर के डेलापीर चौराहे से डीडीपुरम की ओर से चल रहे इस कार्य में कई अनियमितताएं देखने को मिल रही हैं। शहर का व्यस्ततम बाजार होने के चलते कारोबारियों के दुकानों के आगे ही बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए गए हैं, जिससे कारोबार प्रभावित होने के साथ ही हादसों का भी डर बना हुआ है। कारोबारियों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी की ओर से बेतरतीब ढंग से कार्य किया जा रहा है। कई बार तो कारोबारियों ने दुकानों के आगे हो रहे कार्य को हंगामा कर रुकवा दिया है, लेकिन फिर स्थिति जस की तस बन गई। दुकानों में आने वाले ग्राहकों की संख्या में भारी कमी आई है। स्थानीय ग्राहक शहर के दूसरे बाजारों में कूच कर रहे हैं।

व्यापारी गौरव अरोड़ा का कहना है कि सीएम ग्रिड योजना में जो कार्य डीडी पुरम में हो रहा है वह अत्यंत कष्टदायक बन गया है, निर्माण कार्य शुरू हुए लंबा समय बीत जाने के बाद भी स्थिति जस की तस है। इसका गंभीर असर व्यापार पर पड़ रहा है।

डेलापीर रोड पर हो रहे सीएम ग्रिड योजना के तहत सड़क किनारे खोदा गया गड्ढा। ● अमृत विचार

हाईलाइटर्स

- 14 अक्टूबर 2024 में महापौर ने किया था आरंभ
- जनवरी 2026 तक कार्य करना है पूर्ण
- अभी तक 60 फीसदी कार्य ही पूर्ण

- सड़क किनारे नगर निगम ने सीवर लाइन के लिए खुदाई की
- दुकानों के सामने खुले पड़े सीवर डिप, चौपट हो रहा कारोबार

"एकता नगर व डीडी पुरम का व्यवसाय एक वर्ष के लिए प्रभावित है। दुकानों का किराया बहुत महंगा है। स्टाफ की सैलरी और पूंजी के ब्याज ने व्यापारियों की कमर तोड़ दी है। कई व्यापार घाटे की वजह से सिमटने को तैयार हैं।

– विपिन कोहली।

"दुकानों के आगे बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए हैं, ग्राहक को तलाशने पर भी दुकान तक आने का रास्ता नहीं मिल रहा है। बीते दिनों व्यापारियों ने बेतरतीब ढंग से किए जा रहे कार्य का निगम अफसरों के सामने विरोध किया था, लेकिन स्थिति जस की तस है।

– नवीन अग्रवाल

"डेलापीर से डीडीपुरम के आगे तक सैकड़ों की संख्या में बड़ी और छोटी दुकानें हैं। विकास का कोई भी बड़ा कार्य कराने से पहले हर वर्ग की राय और सुझाव मांगे जाने चाहिए। सीएम ग्रिड के कार्य से व्यापारियों का कारोबार दिनों दिन प्रभावित हो रहा है।

– अनिल गंगवार

खुले पड़े डिप, जलभराव भी समस्या

कारोबारियों ने बताया कि पूरी सड़क के किनारे जगह-जगह गड्ढे करके छोड़ दिए गए हैं। बीते दिनों से हो रही बारिश से जलभराव की समस्या हो रही है। सर्वाधिक परेशानी ये है कि सीवर का कार्य किया जा रहा है इसके डिप खोल कर छोड़ दिए हैं जिससे रात में वाहनों के गिरने की संभावना बनी हुई है।

जानलेवा गड्ढा

बारिश ने सड़कों को छलनी कर दिया है। शहर के बीचोबीच स्मार्ट सिटी के सिविल लाइंस में बड़ा हनुमान मंदिर के नजदीक ऐसी हालत है कि यदि उस गड्ढे में दोपहिया वाहन, ई-रिक्शा या अन्य वाहन घुस गया तो पलटने से बड़ा हादसा हो सकता है। इस जगह भीषण गड्ढा हो गया है। कुछ माह पहले यहां पर सीवर लाइन धंस गयी थी। जल निगम ने रास्ता बंद कर सीवर लाइन को ठीक कर दिया लेकिन उस जगह को सीमेंट से ठीक नहीं कराया। उस जगह पर हल्की रोड डाली जो धीरे-धीरे बारिश में ऐसी उखड़ी कि बड़ा गड्ढा बन गया। मंगलवार को गड्ढा और बड़ा हो गया।

● हरदीप सिंह टोनी फोटो एवं विवरण, अमृत विचार

संगोष्ठी में स्वच्छता रखने पर दिया बल

शेरगढ़ ,अमृत विचार: ग्राम पंचायत नगरिया कलां स्थित सचिवालय में हुई स्वच्छता संगोष्ठी में ग्रामीणों से स्वच्छता अपनाने का आह्वान किया गया।

ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाकर साफ-सफाई के लिए प्रेरित किया गया। मंगलवार को ग्राम प्रधान नाजमा मंसूरी की अध्यक्षता में हुई संगोष्ठी में इस्राइल मंसूरी ने लोगों को स्वच्छता संबंधी जानकारी दी। ऐसे में गांव को स्वच्छ बनाने में सभी सहयोगी बनें। पंचायत सहायक श्रद्धा श्रीवास्तव ने स्वच्छता के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर कामेश गंगवार, छवि लाल, चौधरी राजपाल सिंह, बहीद खां, शौकत शाह, रईस उद्दीन, बुंदा शाह, शौकीन, साबिर, रोहित कुमार, संतोष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

साथी की मौत से बाजार में आक्रोश रोजगार पर संकट से बढ़ी चिंता

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार: न्यू मॉडल कॉलोनी रेलवे कैंटीन बाजार में साथी दुकानदार कमलेश की सोमवार को मौत से व्यापारियों के बीच गहरी निराशा और आक्रोश है। पूरे बाजार में मातम और असुरक्षा का माहौल है। दुकानदारों ने डीआरएम से जल्द निर्णय लेकर उन्हें राहत देने की गुहार लगाई है। उनका कहना है कि रोजगार पर मंडरा रहा संकट परिवारों को आर्थिक और मानसिक तौर पर तोड़ रहा है।

मृतक दुकानदार पिछले कुछ समय से तनाव में थे। साथियों का कहना है कि प्रशासनिक अनिश्चितता और रोजगार छिनने के भय ने उनकी स्थिति बिगड़ गई थी। अब बाकी दुकानदार भी चिंता में डूबे हैं। किसी को बेटी की शादी करनी है, किसी को बीमार परिजन का इलाज कराना है, तो किसी पर परिवार की पढ़ाई-लिखाई की जिम्मेदारी है।

मेरी पत्नी लंबे समय से बीमार हैं। इलाज के लिए हर महीने काफी खर्च करना पड़ता है। दुकान बंद हुई तो घर चलाना मुश्किल हो जाएगा।

–नवीन कुमार

हम लोग यही सोचकर दिन-रात परेशान हैं कि यदि दुकानें बंद हो गईं तो परिवार का खर्च कैसे चलेगा। साथी की मौत ने हमें अंदर तक हिला दिया है।

–गुड्डू

- न्यू मॉडल रेलवे कॉलोनी बाजार में साथी दुकानदार की मौत पर व्यापारियों में असुरक्षा का माहौल

हम लोग यही सोचकर दिन-रात परेशान हैं कि यदि दुकानें बंद हो गईं तो परिवार का खर्च कैसे चलेगा। साथी की मौत ने हमें अंदर तक हिला दिया है।

–दलजीत सिंह

मेरी बेटी की अगले महीने शादी तय है। ऐसे माहौल में डर लग रहा है कि कहीं कारोबार बंद होने से पूरी व्यवस्था बिगड़ न जाए।

–रिजवान

पोर्च को गोदाम बता निकाली 1.42 लाख स्टांप शुल्क की कमी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने सहायक महानिरीक्षक निबंधन की आख्या की निरस्त
- आदेश में कहा, एआईजी स्टांप ने मकान का अंदर से नहीं किया स्थलीय निरीक्षण

अमृत विचार: अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) कोर्ट संतोष कुमार सिंह ने सहायक महानिरीक्षक निबंधन की उस आख्या को निरस्त कर दिया, जिसमें मोहल्ला कटरा चांद खां में खरीदी आवासीय भूमि का कुछ हिस्सा व्यावसायिक भूमि बताते हुए क्रेता पर 1.42 लाख रुपये का जुर्माना लगाया था। तहसीलदार सदर की आख्या से स्पष्ट हुआ कि व्यावसायिक भूमि का कोई हिस्सा नहीं है। जिसे गोदाम दर्शाया गया, वह मकान का पोर्च है, उसमें गाड़ियां खड़ी होती हैं। कोर्ट ने आख्या निरस्त कर कमी स्टांप का नोटिस भी वापस ले लिया।

अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने आदेश में लिखा है कि सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने 30 जून को आख्या भेज बताया कि 97.32 लाख रुपये कीमत का बैनामा अनिल कुमार गुप्ता निवासी नवादा शेखान निकट मौर्य मंदिर, दिनेश निवासी कालीबाड़ी, ऊषा गुप्ता निवासी कालीबाड़ी के पक्ष में 11 अप्रैल को पंजीकृत हुआ। यह मोहल्ला कटरा चांद खां में 209.03 वर्ग मीटर का आवासीय मकान है, 10,500 रुपये प्रति वर्ग मीटर से संपत्ति की कीमत 97.32 लाख रुपये पर 6,72,000 रुपये का स्टाम्प शुल्क एवं 97,320 रुपये का निबंधन शुल्क अदा किया। विलेख की अंतरित संपत्ति स्थल का 9 जून को निरीक्षण करने संपत्ति में भूतल पर 65.03 वर्ग मीटर में गोदाम और शेष भाग आवासीय मकान मिला। बेची भूमि का व्यावसायिक भूमि रकबा 65.03 वर्ग मीटर का मूल्यांकन निर्धारित व्यवसायिक भूमि की दर 37000 रुपये प्रति वर्ग मीटर से होना चाहिए था। इस आधार पर विलेख पर 1,25,590 रुपये का स्टाम्प शुल्क एवं 18,050 रुपये का निबंधन शुल्क कम अदा किया। नोटिस के जवाब ने क्रेता 6 अगस्त को आपत्ति दाखिल कर बताया कि 65.03 वर्ग मीटर में पोर्च है। आपत्ति पर तहसीलदार सदर से स्थलीय निरीक्षण कराया। तहसीलदार सदर ने बताया कि 65.06 वर्ग मीटर एरिया व्यावसायिक प्रयोजन का नहीं है। पूर्व से मकान का पोर्च है। एडीएम फाइनेंस ने क्रेता को सुना और आदेश में लिखा कि तथ्यों एवं साक्ष्यों से स्पष्ट है कि सहायक महानिरीक्षक निबंधन ने मकान का अंदर से स्थलीय निरीक्षण नहीं किया। 30 जून को भेजी गयी आख्या स्थल व तथ्यों के विपरीत होने के कारण निरस्त कर क्रेता को कमी स्टाम्प का दिया नोटिस वापस लिया जाता है।

पत्थर का रोड़ा डालकर पुल के गड्ढे पाटे

पुल के गड्ढो में पत्थर डालकर अस्थाई समाधानकिया ● अमृत विचार

नवाबगंज, अमृत विचार: नगर से सटकर गुजर रही पनधैली नदी के पुल पर हुए गहरे खड्डों का मामला सुर्खियों में आने के बाद विभाग ने आनन फानन पत्थर का रोड़ा डालकर गड्ढे पटवा दिए । विभाग ने अस्थाई तौर पर गड्ढे पाट कर राहगीरों को आंशिक राहत प्रदान कीहै।

पुल पर हुए गहरे गड्ढों से यातायात तो बाधित हो ही रहा था रोजाना टुकटुक व बाइक फिसलने से लोग घायल हो रहे थे । पुल के जर्जर होते हालात को अमृत विचार लगातार प्रकाशित कर रहा था। इसके बाद चौकन्ने हुए लोक निर्माण विभाग ने पुल पर हुए गड्ढों को अस्थाई तौर पर पाटते हुए इसमें पत्थर डाले हैं। इससे मंगलवार को किसी वाहन के पलटने की घटना नहीं हुई।

बीएलओ सत्यापन के बाद किसी का नाम जोड़ें या काटें: डीएम

बरेली, अमृत विचार: जिलाधिकारी अविनाश ने मंगलवार को आंवला में त्रिस्तरीय सामान्य पंचायत निर्वाचन-2026 के लिए निर्वाचक नामावली वृहद पुनरीक्षण कार्यक्रम की समीक्षा की। बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया।

एक गेस्ट हाउस में हुए कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी बीएलओ गांव-गांव जाकर डोर टू डोर सर्वे करें। जिससे वोटर लिस्ट सही बने। तरह-तरह की भ्रांतियां न फैलें। वोटर लिस्ट में जितने लोग हैं, उनका शत-प्रतिशत सत्यापन करें, वोटर लिस्ट पुनरीक्षण कार्य में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। बीएलओ सत्यापन के बाद किसी का नाम जोड़े या काटें। प्रशिक्षण में बताया कि सर्वाधिक ई-बीएलओ मोबाइल ऐप का प्रयोग करने वाले बीएलओ को प्रोत्साहन धनराशि दी जाएगी। सामान्य मानदेय के अतिरिक्त प्रोत्साहन भत्ता भी मिलेगा। 8 बीएलओ को अधिकतम मतदाता इंट्री करने व ई-बीएलओ मोबाइल ऐप का प्रयोग करने पर प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की जायेगी। प्रथम पुरस्कार में 10000 रुपये, द्वितीय प्रोत्साहन पुरस्कार 8000 रुपये, तृतीय प्रोत्साहन पुरस्कार 6000 रुपये, सांत्वना प्रोत्साहन में पांच बीएलओ को तीन-तीन हजार रुपये मिलेंगे। एडीएम वित्त एवं राजस्व संतोष कुमार सिंह ने कहा कि 29 सितंबर तक घर-घर जाकर फार्म 11 पर सूचनाएं एकत्रित कर तहसील कार्यालय में एक प्रति अवश्य जमा करें। एसडीएम आंवला विदुषी सिंह, खंड विकास अधिकारी, बीएलओ सुपरवाइजर उपस्थित रहे।

आंवला में बीएलओ को पुनरीक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षण देते डीएम अविनाश सिंह।

मोबाइल हैक करके खाते से निकाले 90288 रुपये

बदायूं, अमृत विचार : कोतवाली बिसौली क्षेत्र नगर निवासी एक युवक के पास व्हाट्सएप आई थी। इसके बाद मोबाइल हैक हो गया और उनके खाते से ऑनलाइन रुपये ट्रांसफर किए गए। पीड़ित ने रात में ही नेट बैंकिंग व 1930 साइबर क्राइम के टोल फ्री नंबर पर शिकायत दर्ज कराई।

नगर बिसौली के पिंदारा मार्ग स्थित मोहल्ला रामबाग के वार्ड दो निवासी सोनदीप ने प्रभारी निरीक्षक को तहरीर देकर बताया कि वह अपने क्रेडिट कार्ड का फोटो मोबाइल में रखते हैं। एक सितंबर रात लगभग नौ बजे उनके पास व्हाट्सएप कॉल आई थी। जिसके बाद उनका मोबाइल नंबर हैक कर लिया गया था। उनके क्रेडिट कार्ड से पहली बार 25692 रुपये और दूसरी बार 65596 रुपये का ट्रांजेक्शन कर लिया। उन्होंने रात में ही शिकायत ऑनलाइन की। उनके मोबाइल नंबर पर अभी भी ओटीपी आ रहे हैं। प्रार्थना पत्र देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की।

नशे में परिवार कर रहे बर्बाद, पत्नियां-मां लगा रहीं नशा छुड़ाने की गुहार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

- जिला अस्पताल में ओएसटी केंद्र पर अब तक पहुंचे 40 मरीज, 17 मरीजों की उम्र 25 से 35 साल
- लत छुड़ाने के लिए पत्नी और मां नशेड़ियों को लेकर पहुंच रही केंद्र, स्टाफ की कर रहीं मिन्नतें

अमृत विचार : डॉक्टर साहब ... मेरे बेटे की नशे की लत ने जिंदगी तबाह कर दी है, हर प्रकार से समझा लिया लेकिन ये मान नहीं रहा है, अच्छी खासी नौकरी करता था, संग साथ ने लड़के को नशे की लत लगवा दी अब घर के बर्तन तक बेच कर नशा कर रहा है। इसकी लत छुड़वा दो... हम आपको कोई कहानी नहीं सुना रहे हैं बल्कि ये सच्ची दास्तां है जो कि हर रोज जिला अस्पताल स्थित ओएसटी केंद्र पर देखने को मिल रही है। यहां नशे की लत से बर्बाद हो रहे मरीजों के जीवन बचाने के लिए कभी कोई मां स्टाफ से मिन्नतें कर रही है तो कभी दूध मुंहे बच्चे को गोद में लिए पत्नियां अपना सुहाग बचाने को स्टाफ के हाथ-पैर जोड़ रही होती हैं।

बीते माह जिला अस्पताल में ओपीओईड सब्स्टीट्यूशन थेरेपी (ओएसटी) सेंटर का आरंभ हुआ है। तब से यहां पर 40 मरीजों का पंजीयन हो चुका है, लेकिन हैरत की बात ये है कि इन मरीजों में युवा अधिक हैं। इनकी उम्र 25 से 40 साल के बीच है।

जो कि सुई के माध्यम से नशा करने के आदी हैं और लंबे समय से इंजेक्शन के माध्यम से नशा कर रहे हैं। तमाम प्रयासों के बाद जब परिजन नशे से दूर नहीं कर पाए तो उन्होंने ओएसटी की शरण ली है।

ओएसटी में तैनात स्टाफ नर्स संजीव शर्मा ने बताया कि केंद्र पर आने वाले अधिकांश युवा इंजेक्टेबल ड्रग यूजर्स हैं। किसी न किसी कारण से इन्हें नशे की लत लगी। कुछ मरीज सालों पहले नौकरी पेशा करते हुए हंसी खुशी जीवन यापन कर रहे थे, लेकिन नशे की लत ने उन्हें पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है। हालांकि केंद्र पर ऐसे मरीजों को परिवार के साथ समय व्यतीत करने और नशे से उनके जीवन और परिवार को हो रहे नुकसान को भी बताया जाता है। इसके साथ ही दवा भी दी जा रही है। समय से फॉलोअप पर आएं इसके लिए टीम निगरानी भी कर रही है।

ओएसटी केन्द्र पर हंगामा करते मरीजों को समझाते परिजन । ● अमृत विचार

इस तरह से की जाती है काउंसिलिंग

नशे के आदी लोगों में एचआईवी, हेपेटाइटिस बी, क्षय रोग समेत कई बीमारियां हो सकती हैं। तीन मरीज एचआईवी से ग्रसित भी मिल चुके हैं। उन्हें इस नशे से होने वाले संभावित खतरे, जीवन संकट, परिवार की स्थिति, आर्थिक नुकसान, सामाजिक उपेक्षा और जीवन यापन में तकलीफ के बारे में बताया जाता है, ताकि उनकी इच्छाशक्ति मजबूत हो और नशा छोड़ने को आगे आएं।

न्यूज ब्रीफ

देव दीपावली के भव्य आयोजन की तैयारी

अमृत विचार, लखनऊ : कैबिनेट मंत्री पर्यटन एवं संस्कृति जयवीर सिंह ने आगामी दीपोत्सव एवं देव दीपावली को आकर्षक एवं भव्य ढंग से आयोजित करने के लिए मंगलवार को पर्यटन निदेशालय के अधिकारियों के साथ समीक्षा की और प्रस्तुतिकरण का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि बीते साल की तरह इस वर्ष भी दीपोत्सव एवं देव दीपावली के आयोजन में संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की भूमिका खास होनी चाहिए। जयवीर सिंह ने कार्यक्रम के संबंध में विस्तार से समीक्षा की और पर्व की महत्ता को देखते हुए किसी प्रकार की कमी न रहे, यह अधिकारियों को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

नर्सिंग भर्ती के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा सात को

अमृत विचार, लखनऊ : लोहिया संस्थान में नर्सिंग की नियमित भर्ती के लिए स्क्रीनिंग परीक्षा सात सितंबर को होगी। स्क्रीनिंग में पास होने वाले अभ्यर्थी को मुख्य परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। लोहिया में नर्सिंग के 665 और 200 अन्य पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। नर्सिंग में देश भर से 48 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। अभ्यर्थियों की ज्यादा संख्या होने के कारण संस्थान प्रशासन पहले स्क्रीनिंग परीक्षा कराएगा। सात सितंबर को सुबह 9 से 11 बजे के बीच एक पाली में स्क्रीनिंग परीक्षा होगी।

गोमांस पकड़कर दबाया, पाकबड़ा थाना प्रभारी समेत 10 पुलिसकर्मी सस्पेंड

पुलिस वालों ने गाड़ी भी गायब की, एसपी ने की कड़ी कार्रवाई, विभागीय जांच बैठाई

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: पाकबड़ा थाना पुलिस की बड़ी करतूत उजागर हुई है। गोमांस से भरी गाड़ी पकड़ने के बाद मांस को मिट्टी में दबा दिया और गाड़ी कहीं छिपा दी। एसएसपी सतपाल अंतिल ने कड़ा एक्शन लेते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार, चौकी प्रभारी अनिल तोमर समेत 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित कर विभागीय जांच बैठा दी है।

थाना पाकबड़ा क्षेत्र के उमरी सब्जीपुर के जंगल में सोमवार रात करीब 1:45 बजे एक होंडा सिटी कार गुजर रही थी। संदिग्ध कार को देख यूपी डायल 112 पीआरवी पुलिस वहां पहुंची तो कार सवार वहां से भाग निकले। जिसके बाद पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों ने ग्रोथ सेंटर चौकी प्रभारी अनिल तोमर को मामले की जानकारी दी। चौकी प्रभारी अपनी टीम के साथ पहुंचे और एसएचओ मनोज कुमार को सूचना दी। एसएचओ भी टीम के साथ पहुंच गए। थाने की सेंकेड मोबाइल टीम भी आ गई। सभी ने कार को चेक किया तो उसमें गोमांस लदा था। नियमानुसार पुलिस को कार को मांस समेत कब्जे में लेकर अधिकारियों को सूचना देना था लेकिन पाकबड़ा पुलिस ने ऐसा नहीं किया। पुलिसकर्मियों ने चुपचाप गड्ढा खुदवा कर मांस को दबा दिया। बाद में कार को भी थाने की बजाय कहीं और खड़ा कर दिया।

- **सोमवार को होंडा सिटी में पकड़ा था गोमांस, थाना पुलिस ने नहीं दी अफसरों को जानकारी**

> थाना पाकबड़ा पुलिस द्वारा गोकशी के मामले में लापरवाही की सीओ से जांच कराई गई। जांच रिपोर्ट के आधार पर एसएचओ पाकबड़ा, ग्रोथ सेंटर चौकी प्रभारी समेत 10 पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है। किसी भी पुलिसकर्मी की लापरवाही और अनुशासनहीनता बर्दास्त नहीं की जाएगी। **–सतपाल अंतिल**, एसएसपी

आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में सौदेबाजी भी शुरू कर दी। मंगलवार दोपहर किसी ने इस मामले की जनकारी एसएसपी सतपाल अंतिल को दे दी।

मामला संज्ञान में आते ही एसएसपी ने सीओ सिविल लाइंस कुलदीप कुमार गुप्ता को तत्काल पाकबड़ा थाने पर पहुंच कर जांच रिपोर्ट देने का आदेश दिया। इसके बाद सीओ सिविल लाइंस कुलदीप कुमार गुप्ता, सीओ हाईवे राजेश कुमार व सीओ कटघर आशीष प्रताप सिंह के साथ एसओजी टीम पकाबड़ा थाने पहुंच गई। अधिकारियों ने पशु चिकित्सक को बुलाकर गड्ढे में दबे मांस को निकलवा कर जांच कराई। साथ ही रात में ड्यूटी पर तैनात रहे पुलिसकर्मियों से जानकारी जुटाई। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि पुलिसकर्मियों ने मनमाने तरीके से अधिकारियों को सूचना दिए बना मामले को खुद ही निपटाने और दबाने का प्रयास किया है।

मामले में थाना प्रभारी, चौकी प्रभारी समेत अन्य पुलिसकर्मियों की लापरवाही स्पष्ट रूप से सामने आई है। एसएसपी सतपाल अंतिल ने स्वेच्छाचारिता, अनुशासनहीनता और मनमानी करने के आरोप में एसएचओ मनोज कुमार, चौकी प्रभारी अनिल तोमर, थाने की सेंकेंड मोबाइल टीम और पीआरवी पर तैनात पुलिसकर्मियों समेत कुल 10 लोगों को निलंबित कर दिया है।

गोतस्करों की तलाश में एसओजी

पाकबड़ा में गोमांस लदी गाड़ी मिलने को एसएसपी सतपाल अंतिल ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने जांच कराई तो पता चला कि यह गोकशी अमरोहा के गजरौला क्षेत्र में कहीं हुई थी। वहां से गोमांस लेकर तस्कर कार से कुन्दरकी की ओर जा रहे थे। कार भी कुन्दरकी के मोहल्ला सादात निवासी किसी मोहम्मद शमी के नाम रजिस्टर्ड मिली है। इस मामले में एसएसपी ने एसओजी टीम को आरोपियों की तलाश के लिए लगा दिया है। थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।

नरौरा से फिर बढ़ा पानी, धंसने लगे बांध

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

दातागंज क्षेत्र में कटान करती गंगा। ● अमृत विचार

अमृत विचार : नरौरा से अब लगातार अधिक मात्रा में पानी छोड़ा जा रहा है। इससे तटवर्ती इलाकों में बाढ़ ने बिजली के खंभों को भी अपनी चपेट में ले लिया है और कटान तेजी से हो रहा है। रामगंगा का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है। इससे दातागंज क्षेत्र में स्थिति और चिंताजनक हो रही है। जिला प्रशासन और बाढ़ खंड के अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

मंगलवार को नरौरा बैराज से एक लाख 61 हजार 454 क्यूसेक पानी गंगा में डिस्चार्ज किया गया, जबकि सोमवार को करीब डेढ़ लाख क्यूसेक पानी गंगा में छोड़ा गया था। जो गंगा नदी में तबाही मचा रहा है। दातागंज क्षेत्र में बाढ़ के पानी ने बिजली के खंभों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। खंभे कटान से गिर चुके हैं उनके तार जमीन पर पड़े हैं जिससे ग्रामीणों को खतरा पैदा हो गया है। इसी तरह उसहैत इलाके के रैपुरा गांव में पानी और बढ़ गया। जिससे कच्चे मकान पानी में लगातार गिर रहे हैं। गांव के बाहर कई पेड़ कटान की जद में आ चुके हैं जो गंगा में बहते चले गए। जबकि कुछ पेड़ बाढ़ में फंसे हुए हैं।

जटा गांव में सोमवार की रात से पानी और बढ़ गया है। गंगा ने इस गांव के करीब आधा दर्जन मकान ढहा दिए हैं। कई ऊंचे टीले कटान की भेंट चढ़ चुके हैं। ग्रामीणों को तहसील प्रशासन ने पहले ही बाहर भेज दिया है। इस क्षेत्र में बांध भी धंसने लगा है। ग्रामीणों ने बताया कि कई जगहों पर बांध बैठ गया है। उसकी मिट्टी और पत्थर धंस रहा है जिससे बांध को खतरा पैदा हो गया है। पानी बढ़ जाने से बांध भी कमजोर पड़ रहा है। जिला प्रशासन ने बाढ़ खंड को निर्देशित किया है कि बांध की निगरानी बढ़ाई जाए और लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला जाए। इस क्षेत्र की कई सड़कें सैलाब में बह गयी हैं। सड़कों के कटने से लोगों को परेशानी हो रही है। जसवंत नगर की ओर गंगा ने और विकराल रूप ले लिया है। खाली जमीन पर पानी ही पानी दिख रहा है ।

स्वास्थ्य विभाग ने नहीं लगाया शिविर

बाढ़ का दंश झेल रहे हजारों ग्रामीण अब बीमारियों की चपेट में आने लगे हैं। बुखार और टाइफाइड के चलते लोगों को भारी परेशानी हो रही है। गांव छोड़ कर ऊपरी स्थानों पर शरण ले चुके ग्रामीणों को मच्छरों का शिकार होना पड़ रहा है। मच्छरों के कारण संक्रामक बीमारियां फैलने लगी हैं। स्वास्थ्य विभाग ने इस क्षेत्र में अभी तक कहीं भी शिविर नहीं लगाया है जिससे छोटे बच्चों को अधिक परेशानी हो रही है

कछला गंगा में और बढ़ा जलस्तर

सोमवार को छोड़ा गया नरौरा से डेढ़ लाख क्यूसेक पानी के यहां पहुंचते ही कछला गंगा का जलस्तर और ऊपर पहुंच गया है। मंगलवार को गंगा का जलस्तर 162, 57 मापा गया। जो खतरे के निशान से काफी ऊपर है। कछला गंगा अब स्थानीय लोगों को डराने लगी है। दुकानदारों को पहले ही गंगा किनारे से हटा दिया गया है। स्नान घाटों पर रोक लगा दी गयी है। किसी को वहां नहीं जाने दिया जा रहा है। हुसैनपुर और चंदनपुर में बाढ़ का कहर जारी है। लोगों ने गांव छोड़ दिए हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित करना है कि मैं प्रमोद कुमार S/o श्री स्व जंग बहादुर निवासी मो० नेहरू नगर पोस्ट/तहसील-ताण्डा जनपद-आंबेडकर नगर (उ०प्र०) का स्थाई निवासी हूँ। माह अप्रैल 2025, से एक फर्म D.P.A. दिवाकर सिंह उर्फ टोनी और प्रमोद कुमार तथा अरूण कुमार सिंह (तीनों लोग) द्वारा पार्टनरशिप में संचालित की जा रही है। फर्म का बैंक खाता का संचालन दिवाकर सिंह तथा प्रमोद कुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा था। मैं प्रमोद कुमार अब इस फर्म D.P.A. से त्याग पत्र दे रहा हूँ क्योंकि मैं बरेली से लगभग 500 किमी० दूर ताण्डा आम्बेडकर नगर (उ०प्र०) में रहता हूँ तथा अस्वास्थ्य भी रहता हूँ। मेरे द्वारा माह जून से इस फर्म में कोई भी काम नहीं किया गया है। मात्र एक चेक बुक मेरे द्वारा हस्ताक्षर करके श्री दिवाकर सिहं उर्फ टोनी को दे दिया गया था। श्री दिवाकर उक्त खाते का संचालन कर रहे थे। एक चेक बुक के अलावा मेरे द्वारा कोई अन्य चेक बुक पर हस्ताक्षर नहीं किये गए है। अब भविष्य में फर्म के किसी भी कार्य से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।

मैं प्रमोद कुमार S/o श्री स्व जंग बहादुर निवासी मो०-नेहरू नगर पोस्ट/तहसील-ताण्डा जनपद-आंबेडकर नगर (उ०प्र०)

नशा मुक्ति केंद्र में युवक की गला रेतकर हत्या

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रामगंगा बिहार केसरी कुंज कॉलोनी स्थित नशा मुक्ति केंद्र में मंगलवार की रात उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवक ने अपने ही साथी की गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद कॉलोनीवासियों में दहशत फैल गई और उन्होंने नशा मुक्ति केंद्र को कॉलोनी से हटाने की मांग की।

सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि हत्या आरोपी भानु प्रताप सिंह जिला अमरोहा का रहने वाला है और पिछले आठ महीने से उक्त नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती था। जबकि मृतक अरुण पटेल बरेली का रहने वाला था, जिसे 13 अगस्त को केंद्र में भर्ती किया गया था। मंगलवार को ही भानु प्रताप के पिता सत्यवीर सिंह मुलाकात करने आए थे और दवाइयां देकर लौट गए थे। रात लगभग 9 बजे भानु प्रताप ने अरुण पटेल को कमरे में बुलाया और दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। इसके बाद खिड़की का शीशा तोड़कर उसी से अरुण पटेल का गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

- **मृतक बरेली का रहने वाला, 13 अगस्त को ही केंद्र में भर्ती किया गया था**

सूचना मिलते ही सीओ कुलदीप कुमार गुप्ता पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

खुद को अमेरिका में डॉक्टर बताकर शिक्षिका से 94.78 लाख की ठगी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: थाना कटघर के लाजपतनगर चौकी क्षेत्र निवासी शिक्षिका ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 25 जुलाई को उसने शादी डॉट कॉम पर प्रोफाइल बनाई थी। उसी दिन उसके पास एक नंबर से व्हाट्सएप मैसेज आया। परिचय अमेरिका निवासी आरव सिंह के रूप में दिया। कहा कि भारत का हूं और शिक्षा अमेरिका में हुई है। बताया कि वह जनरल सर्जन है और 15 साल से अमेरिका के ही हास्पिटल में है।

दो दिन बाद शिक्षिका के पास मैसेज किया कि पार्सल भेजा है। उसके बाद उसके पास अलग-अलग नंबरों से व्हाट्सएप कॉल आई। जिसने खुद को दिल्ली से कस्टम अधिकारी बताया। उन्होंने शिक्षिका से कहा कि आरव सिंह के नाम से आपका पार्सल आया है, जिसमें काफी गोल्ड के साथ डायमंड रिंग और अमेरिकन करेंसी है। इसके बाद कहा कि पार्सल के लिए आपको 30 हजार रुपये का भुगतान करना होगा। शिक्षिका ने पार्सल आने की बात सच मान कर विश्वास करके सामने वाले के बताए नंबर पर 30 हजार रुपये भेज दिए। बाद में उन्हीं नंबरों से कॉल कर और डिमांड की जाने लगी। मना किया तो कॉल करने वालों ने डराना शुरू कर दिया। कहा कि भुगतान नहीं करने पर मनी लॉड्रिंग का केस लग जाएगा। डरकर रकम ट्रांसफर करती रही। आरोपियों ने शिक्षिका के तीन अलग-अलग बैंक खातों से 31 जुलाई से 18 अगस्त के बीच कुल 94 लाख 78 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। मना किया तो आरोपी आरव सिंह ने कहा कि यदि रुपये नहीं भेजे तो फोटो एडिट कर वायरल कर दूंगा।

- **शिक्षिका के नाम पार्सल आने के बात कहकर मांगी गई रकम**

जिसके बाद शिक्षिका ने साइबर थाना पुलिस में शिकायत की। एसपी क्राइम सुभाष चंद्र गंगवार ने बताया कि तहरीर के आधार पर साइबर थाना पुलिस ने धोखाधड़ी कर रकम हड़पने और आईटी एक्ट का केस दर्ज किया है।

मृत महिला की जगह दूसरी को दिखा मकान हड़पने की कोशिश

संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार: थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के आशियाना कॉलोनी निवासी विवेक गुप्ता तहसील सदर में लेखपाल हैं। उनकी माता मंजू गुप्ता (60) ने 5 मार्च 2022 को पंजीकृत बैनामे द्वारा ईडब्ल्यूएस श्रेणी का मकान दीनदयाल नगर फेस-1 में अभय कुमार मेहरोत्रा व प्रॉपर्टी डीलर विशाल सिंह से खरीदा था।

विवेक ने बताया कि 12 मार्च 2025 को उनकी मां का निधन हो गया। 18 अगस्त को जानकारी मिली कि कुछ लोग मकान बेचने के लिए खरीदार तलाश रहे हैं। जांच में पता चला कि दीक्षित शर्मा निवासी ननहेड़ा जिला अमरोहा ने फर्जी महिला खड़ी कर 14 जुलाई 2022 को एक उपहार पत्र (गिफ्ट डीड) तैयार करा लिया। इस डीड में गवाह के रूप में सुनील कुमार निवासी करमल्लीपुर थाना गजरौला अमरोहा व उमेश शर्मा निवासी हरथला सोनकपुर थाना सिविल लाइंस शामिल है। जबकि फोटो व अंगूठा निशान उनकी मां से पूरी तरह भिन्न हैं। कब्जा परिवर्तन की बात लिखी गई है, जबकि वर्तमान में संपत्ति उनके कब्जे में ही है। बिजली का बिल भी आज तक उनकी मां के नाम पर आ रहा है, जिसका भुगतान वे नियमित रूप से कर रहे हैं। इस संबंध में थाना सिविल लाइंस प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने बताया कि तहरीर के आधार पर दीक्षित शर्मा, उमेश शर्मा, सुनील तथा एक अज्ञात महिला के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

- **लेखपाल ने बताया फोटो और अंगूठा निशान दूसरे का है**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी., पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएँ आमंत्रित करते हैं :

क्रम सं. : 1, ई-प्रापण निविदा संख्या : NER-GKP-RSP-2025-17, **कार्य का नाम :** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोण्डा–बाराबंकी खंड में एल.सी. संख्या 317/ए और एल.सी. संख्या 306/ए के स्थान पर दो एंड–टू–एंड लाइट रोड ओवर ब्रिज (एलआरओबी) का निर्माण, जिसमें पहुँच मार्गों में आरई वॉल/कम्पोजिट गर्डर और रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग शामिल है, **अनुमानित निविदा मूल्य :** रु. 47,29,27,466.48, **बयाना राशि :** रु. 25,14,600.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु. 0.00 शून्य, **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 24 महीने।

• बिड प्रारम्भ करने की तिथि - **दिनांक 11.09.2025** • उपरोक्त ई-निविदा सबमिशन की अन्तिम तिथि - **दिनांक 25.09.2025, 15:00 बजे तक** • उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि - **दिनांक 25.09.2025, 15:00 बजे** • निविदा सूचना, योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **http://ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। • निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

अधिशासी अभियन्ता/निर्माण/आर.एस.पी.
मुजाधि/डब्ल्यू-242 पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/आर.एस.पी, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है।, **क्रम सं.:– 1., ई– प्रापण निविदा संख्या:**–NER-GKP-RSP-2025-18, **कार्य का नाम:**– पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के गोरखपुर–गोंडा – बाराबंकी खंड में एल.सी. संख्या 215/सी और एल. सी. संख्या 310/सी के स्थान पर दो एंड–टू– एंड लाइट रोड ओवर ब्रिज (एलआरओबी) का निर्माण, जिसमें पहुंच मार्गों में आरई वॉल/कम्पोजिट गर्डर और रेलवे हिस्से में आरडीएसओ के कैमल बैक ट्रस प्रकार के गर्डर का उपयोग शामिल है।, **अनुमानित निविदा मूल्य:**–471169333.12, **बयाना राशि:**–2505900.00, **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू०):**– 0.00 शून्य, **कार्य पूर्ण करने की अवधि:**– 24 महीने, • बिड प्रारम्भ करने की तिथि–दिनांक 16.09.2025, • उपरोक्त ई–निविदा सबमिसन की अन्तिम तिथि–दिनांक 30.09.2025, 15:00 बजे तक, • उपरोक्त ई–निविदा खुलने की तिथि–दिनांक 30.09.2025, 15:00 बजे, • निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं शर्ते वेबसाइट **http://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।, • निविदा सूचना में यदि हिंदी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

अधिशासी अभियन्सी/निर्माण/आर.एस.पी
मुजाधि/डब्लू–241 गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

गुरु जम्भेश्वर सहित 3 विवि में 948 पदों को मंजूरी

लखनऊ, अमृत विचार: राज्य सरकार ने तीन नवगठित विश्वविद्यालयों गुरु जम्भेश्वर विवि मुरादाबाद, मां विंध्यवासिनी विवि मिर्जापुर और मां पाटेश्वरी विवि बलरामपुर में कुल 948 नए पदों के सृजन को मंजूरी दी है। इसमें 468 अस्थायी शिक्षणेतर और 480 आउटसोर्सिंग पद हैं। इन पदों पर नियुक्ति होते ही इन विश्वविद्यालयों की प्रशासनिक और कार्यात्मक व्यवस्था मजबूत होगी। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि प्रत्येक विवि में 156 अस्थायी शिक्षणेतर पद सृजित किए गए हैं, जो 28 फरवरी 2026 तक प्रभावी रहेंगे।

एसएस कॉलेज के विश्वविद्यालय बनने से खुलेंगे उच्च शिक्षा के द्वार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

एसएस कॉलेज गेट पर विवि बनने की खुशी मनाती छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश सरकार ने शाहजहांपुर के लिए ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज को राज्य विश्वविद्यालय बनाने की मंजूरी दे दी। कैबिनेट की हरी झंडी मिलने के बाद अब यह कॉलेज स्वामी शुकदेवानंद विश्वविद्यालय के रूप में जाना जाएगा। इस फैसले से न सिर्फ जिले बल्कि आसपास के क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा।

विश्वविद्यालय बनने के बाद यहां पर स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के साथ-साथ शोध व प्रोफेशनल कोर्स बड़े स्तर पर शुरू किए जाएंगे। इससे छात्रों को उच्च शिक्षा शाहजहांपुर में मिलेगी। अब छात्रों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के लिए लखनऊ, कानपुर या अन्य बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

विश्वविद्यालय के रूप में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या बढ़ने से शिक्षकों, शोधार्थियों और कर्मचारियों के लिए रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। यहां रिसर्च लैब, पुस्तकालय और डिजिटल संसाधनों का विस्तार होगा, जिससे छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के अवसर मिलेंगे। विवि बनने से जिले में शैक्षिक माहौल के साथ-साथ आर्थिक गतिविधियों में भी इजाफा होगा। बाहर से आने वाले छात्रों और स्टाफ के कारण शहर की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी। शाहजहांपुर को शिक्षा का हब बनाने की दिशा में यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। एक राज्य विश्वविद्यालय की स्थापना से न केवल शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि जिले के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में ही उन्नति का अवसर मिलेगा।

प्रेमिका से मिलने गए युवक पर किया जानलेवा हमला

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : ग्राम शरीफनगर निवासी युवक अपनी प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। प्रेमिका के पति ने उसे पकड़ लिया और मार पीटकर गंभीर रूप से घायल कर घर के बाहर सड़क पर फेंक दिया ।

घायल युवक को आसपास के लोगों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। गंभीर हालत देख चिकित्सकों के भी हाथ पैर फूल गए । उसकी गर्दन में धारदार हथियार से हमला किया गया था। एक हाथ की नसें भी काटी थीं । चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद फायर सेंटर रेफर कर दिया । परिजन काशीपुर निजी चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां से उसे ऋषिकेश एम्स भेज दिया ।ठाकुरद्वारा के ग्राम शरीफनगर निवासी शहनवाज पुत्र शमसुल हक नगर के एक अस्पताल में कंपाउंडर है। उसका नगर के मोहल्ला जमुना वाला में एक विवाहिता से काफी समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था । महिला का पति सऊदी अरब में काम करता है । इसी दौरान वह महिला से मिलता रहता था। एक-दो दिन पहले ही पति सऊदी अरब से घर आया है। पति को प्रेम प्रसंग की जानकारी हुई तो उसने बहाने से पत्नी से युवक को घर बुलवाया। जैसे ही शहनवाज पहुंचा उस पर प्राण घातक हमला कर दिया। धारदार हथियार से मारपीट में वह गंभीर घायल हो गया।

- **गर्दन पर धारदार हथियार से हमला , हाथ की नसें भी काटीं**
- **युवक के पिता ने महिला, उसके पति व परिवार के खिलाफ दी तहरीर**

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना
सं. 40/2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी०) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **क्र.सं. 1. कार्य का विवरण:** मैण्डू बैलास्ट डिपो पर अद्यतन संशोधित पर्ची सहित, आर.डी.एस.ओ. के लेटेस्ट बैलास्ट स्पेशीफिकेशन के अनुसार मशीन से तोड़ी गई 65 एम.एम. साइज ट्रैक पत्थर गिट्टी (75,000 घन मी.) की आपूर्ति एवं चट्टा लगाई तथा उपरोक्त को सभी तरह के रेलवे वैगनों में लदाई। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹9,60,74,250/-; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,30,400/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 10 माह। **क्र.सं. 2. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन के अन्तर्गत ऑटो कोरिनेटर्स के लिए ए.एम.सी. एवं सोडियम हाइपोक्लोराइड की आपूर्ति (इज्जतनगर, बरेली सिटी, बदायूँ, कासगंज, मथुरा, पीलीभीत, काठगोदाम, फतेहगढ़ एवं कन्नौज में 3 वर्षों के लिए कुल 43 पम्पिंग स्टेशन)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹1,07,02,553.20; **बयाना राशि (₹में):** ₹2,03,500/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 36 माह। **क्र.सं. 3. कार्य का विवरण:** इज्जतनगर डिवीजन में स.मइं/लाइन/इन. के अनुभाग के अन्तर्गत मीडियम लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म एवं रेल लेवल प्लेटफॉर्म को हाई लेवल प्लेटफॉर्म तक उठाने का कार्य। (घटपुरी, मकरन्दपुर, वितरोइ, सोरो एवं बदायूँ स्टेशनों का)। **अनुमानित लागत (₹ में):** ₹10,27,49,601.62; **बयाना राशि (₹में):** ₹6,63,800/-; **निविदा प्रपत्र का मूल्य:** शून्य; **स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि:** 10 माह। **1.** क्रम सं. 1 व 2 की ई–निविदा दिनांक 22.09.2025 को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **2.** क्रम सं. 3 की ई–निविदा दिनांक 24.09.2025 को 15:00 बजे तक आन लाइन जमा कर सकेंगे। **3.** ई–निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर देखें।

मण्डल रेल प्रबंधक/(इंजी०)
मुजाधि/डब्ल्यू–243 इज्जतनगर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर

पत्रांक : 3122/ई0–टेण्डर/4ए दिनांक: 27.08.2025

ऑन–लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1– महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, शाहजहॉपुर के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन लाइन ई–निविदा दिनांक 04.09.2025 से दिनांक 16.09.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 16.09.2025 को ही अपरान्ह 12:30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:–

क्रम सं0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	निविदा की जमानत धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (टेण्डर फीस + स्टेशनरी चार्ज+जी0एस0टी0	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों का आवश्यक पंजीकरण
		3	6	7	8	9
1	एम0डी0आर0–104सी के किमी0–13 से गढ़िया रंगीन (अन्य जिला मार्ग) मार्ग पर रोड सेफ्टी का कार्य।	32.30	3.24	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (रोड सेफ्टी कार्य हेतु)
2	एन0एच0–24 वाया ढकिया परवेजपुर हिसमाह, किशुरिहाई मार्ग से एस0एच0–29 तक (अन्य जिला मार्ग) मार्ग पर रोड सेफ्टी का कार्य।	24.40	2.44	944.00	60 दिन	ए, बी, सी, एवं डी, (रोड सेफ्टी कार्य हेतु)

2– निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.inपर लॉग ऑन किया जा सकता है।

अधिशासी अभियन्ता
निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0
शाहजहॉपुर

UP – 237380 **दिनांक:** 01/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

ई–खसरा पड़ताल | खरीफ सर्वे के लिए 5 .49 करोड़ गाटे लंबित, चार दिन शेष, सर्वे से लेखपालों को मुक्त करने से कार्य प्रभावित

65,286 गांवों में अभी शुरू नहीं हुआ क्रॉप सर्वे

प्रशांत सक्सेना, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में डिजिटल क्रॉप सर्वे से मुक्त किए गए लेखपालों की कमी से खरीफ फसलों का आकलन संकट में पड़ गया है। ज्यादातर जिलों में कृषि विभाग के कर्मी, पंचायत सहायक व ग्राम रोजगार सेवकों के लिए सर्वे करना मुश्किल बना हुआ है। खासकर ग्राम रोजगार सेवकों ने पहले का बकाया भुगतान, पुराने मोबाइल, राजस्व की जानकारी न होना समेत तमाम समस्याएं बताकर हाथ खड़े कर दिए हैं।

ई-खसरा पड़ताल के तहत 15 अगस्त से शुरू हुए सर्वे में 6 सितंबर तक कुल 92,237 राजस्व ग्रामों के मैप 6,08,68,989 गाटा (प्लाट) में खड़ी फसलों का डिजिटल सर्वे होना है। इसके सापेक्ष 2 सितंबर तक 2,6951 ग्रामों में सर्वे शुरू हुआ है और 2,059 में सर्वे पूर्ण हो पाया है। 65,286 ग्रामों में कर्मियों ने सर्वे शुरू तक नहीं किया है। गाटों की बात करें तो 58,90,515 का सर्वे पूर्ण हुआ है। अभी भी 5,49,78,474 गाटे सर्वे करने के लिए लंबित हैं और चार दिन शेष बचे हैं। कुल प्रगति 2.23 फीसदी है।

मिर्जापुर, औरैया, बरेली टॉप पर, बलिया सबसे पीछे

- किसी भी जिले में 100 फीसदी क्रॉप सर्वे पूर्ण नहीं हो पाया है। सबसे खराब प्रगति गाजीपुर 8 .34 फीसद, बस्ती 7 .70 फीसदी, हाथरस 6 .98 फीसद और बलिया की 6 .94 फीसदी है। फिर भी इन हालात में मिर्जापुर 91 .22 फीसदी प्रगति से पहले स्थान पर, अंबेडकनगर 90 .74 फीसदी से दूसरे स्थान, औरैया 85 .70 फीसद से तीसरे, बरेली 72 .25 फीसद से चौथे व भदोही 71 .75 फीसदी प्रगति से पांचवें स्थान पर है। लखनऊ 16 .67 फीसदी प्रगति से 53वें स्थान पर है।

डिजिटल सर्वे ये मुख्य फायदे

- फसल का एरिया पता चलेगा, कौन–कौन सी फसलें होती हैं उसी आधार पर किसान क्रेडिट कार्ड बनेंगे और उसी अनुपात में फसली ऋण दिया जाएगा। बोई गई वास्तविक फसल का बीमा होगा। इसी आधार पर क्षतिपूर्ति मिलेगी। कोई योजना लांच करना, रिसर्ज करना या एफपीओ गठित करने में सही स्थिति का पता चलेगा।

नेशनल ब्रीफ

घूसखोरी के मामले में दो अधिकारी गिरफ्तार

हैदराबाद। सीबीआई ने हैदराबाद में जीएसटी/सीमा शुल्क विभाग के एक वरिष्ठ लेखा अधिकारी और एक वरिष्ठ सहायक को घूस मांगने और स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया। मामले की जांच जारी है। सीबीआई के अनुसार विभाग के एक रिटायर्ड सहायक आयुक्त द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर आरोपियों और अन्य के खिलाफ उसी दिन मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने वेतन समानता बिल से संबंधित बकाया राशि जारी करने के लिए 30,000 रुपये का घूस मांगा था, जो बाद में 25,000 रुपये लेने पर राजी हो गया।

जासूसी मामला: ज्योति मल्होत्रा की हिरासत बढ़ी

हिसार। हरियाणा में हिसार की एक अदालत ने जासूसी के संदेह में मई में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा की न्यायिक हिरासत मंगलवार को 10 सितंबर तक बढ़ा दी। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि मल्होत्रा को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट सुनील कुमार के समक्ष पेश किया गया, जिसके बाद अदालत ने उनकी न्यायिक हिरासत 10 सितंबर तक बढ़ा दी। इससे पहले, 25 अगस्त को यूट्यूबर की हिरासत दो सितंबर तक बढ़ाई गई थी। हिसार की रहने वाली ज्योति मल्होत्रा 'ट्रेवल विद जेओ' नाम से यूट्यूब चैनल चलाती थी। उन्हें 16 मई को हिसार पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

मोदी पर व्यंग्य, माफी पर अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस) पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के साथ अशोभनीय व्यंग्यचित्र बनाने के आरोपी इंदौर निवासी हेमंत मालवीय की अग्रिम जमानत याचिका को मंगलवार को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने आरोपी याचिकाकर्ता की ओर से अपने फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट पर माफी मांगने के तथ्य पर गौर करते हुए उसे यह राहत दी।

असम : 24 बांग्लादेशी घुसपैठिये वापस भेजे

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत मंगलवार को 24 घुसपैठियों को वापस भेज दिया गया। शर्मा ने व्यंग्यात्मक लहजे में घुसपैठियों को सुखद यात्रा की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने बांग्लादेशियों की तस्वीर 'एक्स' पर साझा की और तंज कसते हुए कहा, बेचारे लोग भटक गए थे। हमने उन्हें रास्ता दिखाया और घर भेज दिया।

एससी/एसटी कानून : गिरफ्तारी से पहले आरोपी की जमानत अवैध

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-कमजोर वर्ग की स्थिति में सुधार के लिए है ये कानून, मुंबई हाईकोर्ट का फैसला रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम को कमजोर वर्ग की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उद्देश्य से लाया गया था और यह आरोपी को गिरफ्तारी से पूर्व जमानत देने पर रोक लगाता है।

सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने एक फैसले में यह टिप्पणी की। पीठ ने जातिगत अत्याचार के आरोपों का सामना कर रहे एक आरोपी को अग्रिम जमानत देने संबंधी मुंबई हाईकोर्ट के आदेश को खारिज कर दिया। पीठ ने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 18 का हवाला दिया और कहा कि यह स्पष्ट रूप से दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 438 (अग्रिम जमानत प्रदान करना) को लागू नहीं करने का प्रावधान करता है।

कोर्ट ने कहा, धारा 18 के प्रावधान और उसके तहत निर्धारित किये गए प्रतिबंध को उस उद्देश्य और प्रयोजन के संदर्भ में देखा जाना चाहिए जिसके साथ संसद ने एससी/एसटी अधिनियम, 1989 को अधिनियमित किया था। पीठ ने कहा, यह कानून अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के उपायों को लागू करने के उद्देश्य से लागू किया गया था। न्यायालय ने कहा, अंतर्निहित विचार यह सुनिश्चित करना है कि इन वर्गों से संबंधित लोगों को उनके नागरिक अधिकारों से वंचित न किया जाए, उन्हें अपमान का सामना न करना पड़े और उन्हें अपमान और उत्पीड़न से बचाया जाए।

पीठ ने कहा कि यह एक सख्त प्रावधान प्रतीत होता है और यह सामाजिक न्याय प्राप्त करने और अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति समुदाय के लोगों के लिए समाज के अन्य वर्गों के समान दर्जा सुनिश्चित करने के संवैधानिक विचार को रेखांकित करता है। पीठ ने शिकायतकर्ता किरण की हाईकोर्ट के 29 अप्रैल के आदेश के विरुद्ध दायर अपील को स्वीकार कर लिया।

बीसीआई के शुल्क के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अखिल भारतीय बार परीक्षा (एआईबीई) के आयोजन के लिए भारतीय विधिज्ञ परिषद द्वारा लिये जाने वाले 3,500 रुपये के शुल्क को चुनौती देने वाली याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि बीसीआई को परीक्षा आयोजित करने में भारी खर्च करना पड़ता है और यह शुल्क लेना संविधान के किसी भी प्रावधान का उल्लंघन नहीं है। शीर्ष अदालत ने इससे पहले अधिवक्ता संयम गांधी की एक याचिका पर बीसीआई को नोटिस जारी किया था।

सजा में छूट संवेधानिक और वैधानिक अधिकार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिगों से सामूहिक बलात्कार के मामलों में शेष जीवन के लिये आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों के सजा में छूट मांगने के अधिकार को मंगलवार को रेखांकित करते हुए कहा कि यह न केवल संवैधानिक, बल्कि वैधानिक अधिकार भी है। न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 376डीए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। धारा 376डीए 16 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार की सजा से संबंधित है। मामले में पक्षकार बनाए जाने का अनुरोध कर रहे एक याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि धारा 376डीए के अनुसार सत्र अदालत के पास आजीवन कारावास देने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है, जिसका अर्थ है कि उस व्यक्ति के शेष जीवन के लिए जेल की सजा।

हर बच्चे को मां और बाप दोनों के प्यार का अधिकार

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए टिप्पणी की कि प्रत्येक बच्चे को माता-पिता दोनों का स्नेह पाने का अधिकार है और भले ही वे अलग या दो देशों में रहते हों, बच्चे के लिए उनके साथ संबंध बनाए रखना महत्वपूर्ण है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक व्यक्ति द्वारा दायर याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें उसने अपने नौ वर्षीय बेटे के साथ वीडियो चैट पर बातचीत करने की अनुमति देने का अनुरोध किया था। याचिकाकर्ता का बेटा अपनी मां के साथ आयरलैंड में रह रहा है। याचिकाकर्ता ने दलील दी है कि संपर्क से इनकार करने से बच्चा पिता के प्यार, मार्गदर्शन और भावनात्मक समर्थन से वंचित हो जाएगा।

उत्तर भारत के कई राज्यों में बाढ़ का कहर पंजाब में 30 की मौत, 3.5 लाख विस्थापित

पंजाब के सभी 23 जिले आपदा से प्रभावित, राज्यों ने केंद्र से की सहायता की मांग

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने फिरोजपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

पंजाब में दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ के कारण अब तक 30 लोगों की जान जा चुकी है और 3.5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और मुख्यमंत्री भगवंत मान तथा कई मंत्रियों ने मंगलवार को प्रभावित इलाकों का दौरा किया।

राज्य के अधिकारियों द्वारा एक अगस्त से एक सितंबर तक की स्थिति पर जारी बुलेटिन के अनुसार, शुरूआत में 12 जिले बाढ़ की चपेट में थे। मंगलवार को जारी बुलेटिन के अनुसार, राज्य के सभी 23 जिलों को बाढ़ प्रभावित घोषित किया गया है। कुल 1,400 गांवों को प्रभावित घोषित किया गया, जिससे अब तक 3,54,626 लोग प्रभावित हुए हैं। बुलेटिन के मुताबिक, 12 जिलों में बाढ़ के कारण 30 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, पठानकोट में सबसे ज्यादा छह लोगों की मौत हुई है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित इलाकों में 818 चिकित्सा दल तैनात किए गए हैं, जिनमें 458 त्वरित प्रतिक्रिया दल और 360 आवश्यक दवाओं से लैस मोबाइल चिकित्सा दल शामिल हैं। पंजाब 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है।

खराब मौसम: चंडीगढ़ के सभी स्कूल आज बंद

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में खराब मौसम के कारण तीन सितंबर को सभी स्कूल बंद रहेंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में मंगलवार को यह जानकारी दी दी गयी। पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में रविवार से अब तक 140 मिमी से अधिक बारिश हो चुकी है। विज्ञप्ति में कहा गया, ''क्षेत्र में मौजूदा खराब मौसम की स्थिति को देखते हुए, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के सभी स्कूल तीन सितंबर को बंद रहेंगे।

हिमाचल: भारी बारिश में मकान ढहने से दो लोगों की मौत, शिमला में स्कूल बंद

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मंगलवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ से एक मकान ढह गया, जिससे दो महिलाओं की मौत हो गयी जबकि चार राष्ट्रीय राजमार्गों समेत 1,311 सड़कों पर यातायात बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। स्थानीय मौसम विभाग ने बुधवार के लिए कांगड़ा, मंडी, सिरमौर और किन्नौर जिलों के अलग-अलग इलाकों में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया जबकि ऊना व बिलासपुर जिलों में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया गया। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य को आपदा प्रभावित घोषित कर दिया गया है।

दिल्ली के बाढ़ प्रभावित इलाके में हैंडपंप से पीने का पानी भरती एक युवती।

दिल्ली: घरों में घुसा यमुना का पानी, हजारों लोग हुए बेघर

नई दिल्ली। हथिनीकुंड, वजीराबाद और ओखला बैराज से छोड़े गए पानी ने नदी को और विकराल रूप दे दिया है। यमुना पार के इलाकों में रात भर हुई बारिश के बाद घरों में पानी घुस गया। बाढ़ की वजह से अपने घरों को छोड़ने को मजबूर लोग यथासंभव अपने सामान लेकर सुरक्षित स्थानों पर जा रहे हैं क्योंकि नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है, और अपने पीछे अनिश्चितता का एक निशान छोड़ रहा है।

अगले पेराई सत्र के लिए गन्ना सट्टा और आपूर्ति नीति जारी, कई बदलाव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- लघु महिला किसानों को राज्य सरकार ने प्राथमिकता दी
- किसानों को मिलेंगी कई सहूलियत,मिलों को निर्देश जारी

अमृत विचार। पेराई सत्र-2025-26 के लिए मंगलवार को गन्ना विकास विभाग ने गन्ना सट्टा एवं आपूर्ति नीति जारी कर दी। इसमें गन्ना आपूर्ति नीति के संदर्भ में प्रदेश के गन्ना कृषकों को गन्ने की पर्चियों के निर्गमन समेत आपूर्ति के लिए विस्तृत निर्देश चीनी मिलों को दिये गये हैं। सट्टा एवं आपूर्ति नीति में कृषक हितों को ध्यान रखते हुए कई बदलाव किये गये हैं। लघु महिला किसानों को प्राथमिकता दी गई है।

गन्ना एवं चीनी आयुक्त प्रमोद कुमार उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश की चीनी मिलों की पेराई क्षमता, किसानों की गन्ना आपूर्ति में सुविधा, लघु महिला किसानों को विशेष प्राथमिकता, गन्ना उत्पादन व चीनी मिलों को गन्ने की उपलब्धता में संतुलन बनाये जाने की आवश्यकता है। इससे चीनी मिलों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पेराई के लिए गन्ना उपलब्धता के साथ किसानों का सभी पेराई योग्य गन्ने की आपूर्ति हो सकेगी। उन्होंने बताया कि इस पेराई सत्र के लिए निर्गत नीति में पहली बार गन्ना समिति के नये कृषक सदस्यो का सट्टा पेराई सत्र 2024-25 में सम्बन्धित चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति या सम्बन्धित जिले की गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत, इनमें से जो भी अधिक हो, की सीमा तक गन्ना सट्टा का लाभ दिया जाएगा।

13.12 लाख छोटे कृषक लाभान्वित होंगे

गन्ना आयुक्त ने बताया कि नई नीति से प्रदेश के कुल 13 .12 लाख छोटे गन्ना कृषक लाभान्वित होंगे। पहली बार अति लघु गन्ना किसानों (36 कुंतल या 4 पर्ची बेसिक मोड) और लघु महिला गन्ना किसान (81 कुंतल या 9 पर्ची बेसिक मोड) को पेड़ी पौधा को 52 :48 के अनुपात से मुक्त रखते हुए अति लघु गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ने की पर्चियां प्रथम पक्ष में, पौधे गन्ने की पर्चियां सातवें पक्ष में और लघु महिला गन्ना किसानों को शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ने की पर्चियां 1 से 3 पक्ष में व पौधे गन्ना की पर्चियां 7 से 9 पक्ष में जारी की जाएंगी। इससे लगभग 3 .75 लाख अति लघु गन्ना कृषक व 6268 लघु महिला किसान लाभान्वित होंगी।

- नई नीति से चीनी मिलों के परता में वृद्धि होगी। इससे कृषकों को शीघ्र गन्ना मूल्य भुगतान सुनिश्चित किया जा सकेगा। ऐसे नए सदस्य जिनके पास पेड़ी या शरदकालीन पौधा है, उनकी पर्चियां पहली बार 5वें पक्ष से 12वें पक्ष में लगाने की सुविधा दी गई है।

नए सदस्यों को मिलेगा ज्यादा लाभ

गन्ना आयुक्त ने बताया कि पहली बार नये सदस्यों को पेराई सत्र 2025-26 में चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति अथवा संबंधित जिले की गन्ना उत्पादकता का 70 प्रतिशत, जो भी अधिक हो . की सीमा तक गन्ना सट्टा का लाभ दिया जाएगा। प्रदेश में प्रति वर्ष लगभग 2 लाख गन्ना किसान समितियों के नये सदस्य बनते हैं और इसका लाभ उठाते हैं। गन्ना शोध परिषद की ओर से जारी गन्ना किस्म को 15,023 की परिपक्वता के दृष्टिगत अति शीघ्र मानते हुए गन्ने की कैलेंडरिंग में प्राथमिकता दी गई है।

कन्हैया लाल हत्याकांड के आरोपी की जमानत के खिलाफ याचिकाएं खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने 2022 में उदयपुर के दर्जी कन्हैया लाल तेली की नृशंस हत्या के आरोपी मोहम्मद जावेद की जमानत के खिलाफ दायर राष्ट्रीय जांच एजेंसी और मृतक के पुत्र यश तेली की याचिकाएं मंगलवार को खारिज कर दीं।

न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया था कि हत्या देश भर में सांप्रदायिक रूप से उत्तेजित माहौल में की गयी थी। गौरतलब है कि कन्हैया लाल की 28 जून, 2022 को उदयपुर के व्यस्त हाथीपोल इलाके में उनकी दुकान पर कर दी गई थी। आरोप है कि दो लोगों ने तेज धार हथियार से हत्या को अंजाम दिया था।

महाकाल मंदिर गर्भगृह में वीआईपी प्रवेश प्रशासन के विवेक पर निर्भर

इंदौर, एजेंसी

- इंदौर उच्च न्यायालय ने इस मामले में दखल देने से किया इन्कार

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर पीठ ने अपने एक आदेश में कहा है कि उज्जैन के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग के गर्भगृह में प्रवेश के लिए अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों (वीआईपी) को अनुमति देना प्रशासन के विवेक पर पूरी तरह निर्भर है।

हाईकोर्ट ने इस मामले में दखल देने से इनकार करते हुए कहा कि 'वीआईपी' की परिभाषा किसी भी कानून-कायदे में नहीं दी गई है। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति विवेक रुसिया और न्यायमूर्ति बिनोद कुमार द्विवेदी ने इंदौर के निवासी दर्पण अवस्थी की जनहित याचिका खारिज करते हुए यह टिप्पणी की। याचिका में आरोप लगाया गया था कि महाकालेश्वर मंदिर के प्रशासक द्वारा 'भेदभावपूर्ण और मनमाने तरीके' से कुछ तथाकथित 'वीआईपी' को ज्योतिर्लिंग के गर्भगृह में प्रवेश की मंजूरी देकर भगवान शिव को जल अर्पित करने की सुविधा दी जा रही है, जबकि आम श्रद्धालुओं को गर्भगृह के अंदर दाखिल होने की अनुमति नहीं है।

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा,मंदिर की प्रबंध समिति की कार्यवाही से पता चलता है कि गर्भगृह में प्रवेश के संबंध में कोई खास मनाही नहीं है। जिलाधिकारी और मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक की अनुमति से ही वीआईपी गर्भगृह में प्रवेश कर सकते हैं इसलिए तय नहीं किया जा सकता कि दोनों सक्षम प्राधिकारियों की राय में कौन वीआईपी है और कौन नहीं।

तेजा दशमी उत्सव

राजस्थान के ब्यावर में मंगलवार को तेजा दशमी उत्सव के दौरान फेरिस व्हील की सवारी करते लोग।

त्रिपुरा में विधायक ने राज्यपाल के बेटे के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

अगरतला। त्रिपुरा में टिपरा मोथा पार्टी के विधायक फिलिप कुमार रियांग ने तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा के पुत्र प्रतीक देव पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। इस वजह से भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में तनाव बढ़ गया है।

रियांग ने मंगलवार को चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई। उन्होंने आरोप लगाया कि सोमवार देर रात शराब के नशे में धुत होकर प्रतीक ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी। न्यू कैपिटल कॉम्प्लेक्स थाने में दर्ज कराई शिकायत में रियांग ने अपने सरकारी क्वार्टर में एक पारिवारिक चर्चा के दौरान हुई इस घटना का का विवरण दिया। उन्होंने बताया कि तीन लोग उनके घर में घुस आए, उन्हें जबरन रोक लिया और उनके मामलों में बदतमीजी करने लगे। रियांग ने आरोप लगाया, मैंने उनसे जाने और मुझे थोड़ी निजता देने के लिए कहा, लेकिन उनका गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने धमकियां देनी शुरू कर दीं और कहा कि वे मेरा गला काट देंगे और मुझे मार डालेंगे। यह भी दावा किया कि वे मुझे और मेरे परिवार को खत्म करने के लिए सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं को इकट्ठा कर सकते हैं।

दुष्कर्म के आरोपी आप विधायक गोलीबारी के बीच हिरासत से भागे

पटियाला, एजेंसी

- करनाल के गांव में रिश्तेदार के घर छिपे हुए थे पठानमाजरा

हरियाणा के करनाल में मंगलवार को उस समय नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला जब पंजाब से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा बलात्कार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद अपने समर्थकों द्वारा गोलीबारी और पथराव किये जाने के बीच पुलिस हिरासत से फरार हो गए।

पठानमाजरा हरियाणा में करनाल जिले के डाबरी गांव में एक रिश्तेदार के घर पर थे जहां पंजाब पुलिस का एक दल उन्हें गिरफ्तार करने पहुंचा था। पटियाला अपराध जांच एजेंसी (सीआईए) के प्रभारी प्रदीप बाजवा ने कहा, हमने हरियाणा में पठानमाजरा के रिश्तेदार के आवास पर छापा मारा। उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन ग्रामीणों के एक समूह और कुछ शरारती तत्वों ने पुलिस टीम पर पथराव किया और गोलियां चलाईं। उन्होंने बताया कि सनौर के विधायक पठानमाजरा गोलियों और पथराव की आड़ में फरार हो गए। अधिकारियों के अनुसार, पठानमाजरा और उनके समर्थक एक स्कॉर्पियो और दूसरी फॉर्च्यूनर से भाग गए। उन्होंने बताया कि वाहन को रोकने की कोशिश कर रहे एक पुलिसकर्मी को एक वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। सीआईए प्रभारी बाजवा ने बताया कि विधायक के साथी बलविंदर सिंह को तीन हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है।

नासिक में 6,000 जिलेटिन छड़ें, 22 सौ डेटोनेटर बरामद

नासिक। महाराष्ट्र के नासिक जिले के एक गांव में बिना अनुमति रखी गई 6,000 से ज्यादा जिलेटिन की छड़ें और 2,200 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर पुलिस ने जब्त किए तथा सात लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि सोमवार को वाडीवरहे सरुल शिवर गांव में छापेमारी के बाद यह जब्ती की गई। पुलिस ने एक सितंबर को छापेमारी कर 49 डिब्बे बरामद किए जिनमें 6,125 जिलेटिन छड़ें, 2,200 डेटोनेटर, 150 मीटर डीएफ वायर थे। आरोपियों के घरों और उनके पीछे टिनशेड में जिलेटिन की छड़ें, अमोनियम नाइट्रेट व डेटोनेटर लापरवाही से रखे हुए पाए गए। पुलिस ने बताया कि इस मामले में सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

चिंताजनक | **केंद्रीय जल आयोग ने की कड़ी निगरानी की सिफारिश**

हिमालय की 400 से अधिक हिमनद झीलों का हो रहा विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने अपनी नवीनतम निगरानी रिपोर्ट में खुलासा किया है कि भारत में 400 से अधिक हिमनद झीलें अपने विस्तार के चिंताजनक रुझान दिखा रही हैं और आपदा के मद्देनजर इनकी गहन निगरानी की आवश्यकता है।

हाल ही में सार्वजनिक की गई जून 2025 के लिए हिमनद झीलों और जल निकायों की मासिक निगरानी रिपोर्ट में, सीडब्ल्यूसी ने कहा कि लद्दाख, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश में फैली 432 हिमनद झीलों को अचानक और विनाशकारी बाढ़ लाने की क्षमता के कारण गहन निगरानी के लिए चिह्नित किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है, ग्लेशियल लेक एटलस-2023 के अनुसार, भारत में स्थित 432 हिमनद झीलें (681 में से) जून 2025 के महीने के दौरान जल विस्तार क्षेत्र में वृद्धि प्रदर्शित करती हैं और इसलिए आपदा उद्देश्यों के लिए गहन निगरानी की आवश्यकता है।

सीडब्ल्यूसी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हिमनद झीलों का कुल क्षेत्रफल वर्ष 2011 में 1,917 हेक्टेयर था जो वर्ष 2025 में बढ़कर 2,508 हेक्टेयर हो गया। यह आंकड़ा क्षेत्रफल में 30.83 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, इस व्याख्या के लिए 100 हिमनद झीलों में से केवल 55 हिमनद झीलों पर विचार किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अरुणाचल प्रदेश में सबसे अधिक विस्तारित झीलें (197) हैं, इसके बाद लद्दाख (120), जम्मू और कश्मीर (57), सिक्किम (47), हिमाचल प्रदेश (6) और उत्तराखंड (5) का स्थान है। कुल मिलाकर, जून 2025 में हिमालयी क्षेत्र में 1,435 हिमनद झीलों का विस्तार हुआ।

ये निष्कर्ष देश भर में व्यापक बाढ़ की पृष्ठभूमि में सामने आए हैं। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भारी वर्षा के कारण हुए भूस्खलन में सात लोगों की मौत हो गई, जबकि पंजाब में सोमवार को फिर मूसलाधार बारिश हुई जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया और सभी स्कूल-कॉलेज बंद करने पड़े। जम्मू-कश्मीर के कटरा में लगातार बारिश के बीच, माता वैष्णो देवी तीर्थयात्रा लगातार सातवें दिन स्थगित रही, क्योंकि पिछले मंगलवार को यात्रा मार्ग पर हुए भूस्खलन में 34 लोगों की मौत हो गई थी।

उपग्रह आधारित अलर्ट सिस्टम स्थापित किया जाए

रिपोर्ट में कहा गया है, जून 2025 के दौरान निगरानी की गई 2843 हिमनद झीलों में से 1435 के क्षेत्रफल में वृद्धि, 1008 के क्षेत्रफल में कमी, 108 के क्षेत्रफल में कोई परिवर्तन नहीं होने का पता चला। जबकि 292 का रिमोट सेंसिंग डेटा से विश्लेषण नहीं किया जा सका। तत्काल तैयारी की आवश्यकता पर बल देते हुए सीडब्ल्यूसी ने निचले इलाकों के समुदायों के लिए वास्तविक समय पर आधारित निगरानी प्रणाली, उपग्रह-आधारित अलर्ट और पूर्व-चेतावनी तंत्र स्थापित करने की सिफारिश की। रिपोर्ट में कहा गया है, हिमालयी क्षेत्र जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से निपटने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। पर्वतीय हिमनद का सिकुड़ना और हिमनद झीलों में विस्तार होना, वातावरण की जलवायु के गर्म होने के सबसे पहचानने योग्य और गतिशील दुष्प्रभावों में शामिल है।

अमृत विचार

बुधवार, 3 सितंबर 2025

दुनिया जैसी है वैसी ही है। जो लोग कुछ नहीं हैं, जो खुद को कुछ नहीं बनने देते, उनके लिए इसमें कोई जगह नहीं है।

–वीएस नायपॉल, ब्रिटिश लेखक

मारक बनता मानसून

मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिनों में सूबे के दर्जन भर से अधिक जिले अतिवृष्टि की चपेट में आएंगे। मानसून बीते तीन महीनों में सामान्य से पांच फीसदी अधिक बरस चुका है। ऐसे में यह घोषणा चिंताजनक है। सितंबर में पूरे देश में वर्षा का औसत आंकड़ा लगभग 168 मिलीमीटर होता है, पर इस बार इसके 109 फीसदी बढ़ जाने का अनुमान है। सामान्य परिस्थितियों में मानसून एक सुखद अनुभूति है, लेकिन वर्तमान विषम परिस्थितियों में इसकी अचानक बढ़त भयावह है। जलजमाव, खेती-किसानी की बर्बादी, भूस्खलन, फ्लैश फ्लड, बाढ़, जलजनित बीमारियां, सर्पदंश, मनुष्यों और मवेशियों की मौतें, दुर्घटनाएं, साथ ही भारी अवसंरचनात्मक और आर्थिक नुकसान, ये सब अतिवृष्टि की लगभग अनिवार्य परिणतियां हैं। प्रधानमंत्री ने इस पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि इस मानसून सीजन ने देश की कठिन परीक्षा ली है, पर भारत एकजुट होकर इसका सामना करेगा। प्रश्न यह है, कैसे? दशकों से देश इसी तरह जूझता आ रहा है, पर संघर्ष के साधन वही पुराने हैं। मानसून को रोका नहीं जा सकता। अतिवृष्टि, क्लाउड बर्स्ट या फ्लैश फ्लड की बहुत पहले सूचना और नियंत्रण संभव नहीं। तो क्या हम इनके दुष्परिणामों को कम करने के उपलब्ध उपायों को ईमानदारी और तत्परता से लागू कर रहे हैं? यदि हां, तो हर बार यह प्राकृतिक आपदा गंभीर रूप में क्यों लौट आती है? और यदि नहीं, तो बचाव के उपाय अब कब लागू होंगे?

सभी नगर निगमों को 'स्टॉर्म वाटर मैनेजमेंट मास्टर प्लान' बनाना था। कब बनेगा? हर मकान और अपार्टमेंट में रूफटॉप रेनवॉटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य करना था। यह कब तक पूरी तरह लागू होगा? स्मार्ट सिटी परियोजना में ड्रेन मैपिंग और उनका डिजिटलीकरण होना था। भूमिगत नालों और जल निकासी प्रणाली को जीआईएस तकनीक पर मैप करना था, ताकि उनका अतिक्रमण रोका जा सके और समय रहते उनकी मरम्मत हो सके। प्रगति कहां तक पहुंची? नई कॉलोनियों में भूमिगत जलाशय बनाकर वर्षा जल को संचित करने, जलजमाव रोकने की योजना सराहनीय थी, पर उसका क्या हुआ? शहरों में नालों पर स्मार्ट सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स आधारित निगरानी से खतरे की पूर्व चेतावनी मिलती। इस दिशा में कितना काम हुआ? शहरीकरण और सड़कों के जाल से सीमेंटेड सतह बढ़ जाने से वर्षा जल जमीन में नहीं जाता। ग्रीन बेल्ट, पार्क और छिद्रयुक्त सड़कों का विकास आवश्यक है। हमने इस पर कितना ध्यान दिया?

पहले नगरों में तालाब, बावड़ी, पोखर और नहरें हुआ करती थीं, ये सभी जलस्रोत ही नहीं बल्कि बाढ़-नियंत्रण और भूजल पुनर्भरण के साधन भी थीं। आज उनकी सबसे अधिक आवश्यकता महसूस की जाती है, वे लगभग गायब ही हो गई हैं। उन्हें फिर से नहीं लाया जा सकता, लेकिन विकल्पों पर कितना काम हुआ है? कंप्यूटर मॉडलिंग और डिजिटल हाइड्रोलॉजी तकनीक से जल जमाव का पूर्वानुमान लगाने का काम किस हद तक हो रहा है? यह भी स्पष्ट नहीं है। हम इन साधनों का उपयोग कर तो रहे हैं, सवाल यह है कि क्या यह पर्याप्त हैं? अतिवृष्टि सालाना समस्या बन चुकी है, जिसके दुष्परिणाम हर वर्ष और भी पीड़ादायक होते जा रहे हैं। अब इसका स्थायी समाधान तलाशना जरूरी हो गया है।

तियानजिन में भारत का संदेश और सफलता

विवेक सक्सेना

अयोध्या

शंघाई शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर भारत ने जिस मजबूती के साथ पक्ष रखा और सफलता पाई, उससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है।

चीनी बंदरगाह वाला शहर तियानजिन में आयोजित दो दिवसीय शंघाई शिखर सम्मेलन (एससीओ) में आतंकवाद पर भारत को बड़ी कूटनीतिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है। आतंकवाद पर भारत के रुख का कूटनीतिक विरोध करने वालों को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गौर से सुनना ही नहीं पड़ा, बल्कि शंघाई सहयोग संगठन ने आतंकवाद पर भारत के रुख का समर्थन करते हुए प्रस्ताव भी पारित किया। शंघाई शिखर सम्मेलन भारत के लिए आपदा में अवसर जैसा रहा, हालांकि इसके खतरे भी कई हैं, लेकिन खतरों की चिंता न करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कूटनीतिक मुद्दे के रूप में इसे मजबूती के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश की।

यह अवसर अमेरिकी ट्रंप प्रशासन से भारत पर किए गए टैरिफ हमले से उत्पन्न हुआ। शंघाई शिखर सम्मेलन के नजरिए से देखा जाए तो फौरी तौर पर ही सही, लेकिन वैश्विक स्तर पर इन दिनों अमेरिका थोड़ा अलग पड़ गया है। सम्मेलन में वैश्विक नेताओं के साथ चीन, रूस और भारत का एक साथ खड़ा होना अमेरिका के खिलाफ एक नए मोर्चे जैसा है। वैश्विक स्तर पर यह नया ध्रुव भी हो सकता है, जो वैश्विक परिस्थितियों को अपने हिसाब से साध सकता है। यह तीनों देश किसी न किसी रूप में महाशक्तियां हैं। सबकी अपनी क्षमताएं हैं, लेकिन इसके लिए इन तीनों को अपने व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठना होगा, हालांकि यह बहुत आसान नहीं है।

शंघाई शिखर सम्मेलन में जो एकजुटकता दिखी, इसका जवाब अमेरिका देगा, विशेषज्ञ इसकी उम्मीद करते हैं। कब, कहां और कैसे देगा? इस पर अभी मंथन कर रहे हैं। इसके लिए भी इन तीनों प्रमुख देशों को तैयार रहना होगा। नई परिस्थिति में ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से भी झटका लगा है। उनकी भारत से नोबेल पुरस्कार के लिए सहयोग की अपेक्षा खटाई में पड़ गई। वह नोबेल पुरस्कार के लिए पीएम मोदी से समर्थन की उम्मीद रखते थे।

ट्रंप के टैरिफ हमले के बाद भारत के पास दो विकल्प थे। पहला वह अमेरिका का पिछलग्गू बनकर टैरिफ हटवाने के लिए रूस से तेल न लेने की बात मान लेता, दूसरा वह विश्व को अपनी संप्रभुता का अहसास कराए। मोदी शासन ने दूसरा विकल्प चुना। परिस्थितियां किसी हद तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी सरकार के कार्यकाल की याद दिलाती है, जब मिसाइल मैन डॉ. एपीजे कलाम की अगुवाई में पोखरण परमाणु विस्फोट के बाद अमेरिकी प्रशासन ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंध लगा दिया था। अंतर केवल इतना है कि उस समय अमेरिकी प्रशासन ने भारत को झुकाने के लिए विस्फोट के बाद प्रतिबंध लगाया था। इस बार व्यापारिक मुद्दे पर एक बार फिर तेजी से वैश्विक स्तर पर उभर रहे भारत को झुकाने के लिए अमेरिकी प्रशासन ने पहले टैरिफ हमला कर दिया, लेकिन भारत अटल नीति की नक्शे कदम पर आगे बढ़ने लगा। झुकेंगे नहीं, 140 करोड़ का देश जवाब देगा। अमेरिकी के टैरिफ हमले ने भारत को वैश्विक स्तर पर खुलकर कूटनीतिक चालें चलने का मौका जरूर दे दिया। अब भारत ने मित्रता, अर्थव्यवस्था से लेकर आतंकवाद पर कूटनीतिक चालें चलनी शुरू कर दी हैं। शंघाई उसका पहला पड़ाव रहा, जिसका भारत ने लाभ उठाया। टैरिफ हमले के बाद साफ हो गया कि भारत और मित्र देश रूस के साथ रिश्ते पहले जैसे हैं। शंघाई में इसे और मजबूती मिली। इससे पहले भारत को अमेरिका के बहुत करीब देखा जाने लगा था। भारत ने साफ कर दिया कि ऐसा नहीं है। रूस पहले भी सबसे करीबी मित्र था और अब भी है।

चीन पर भारतीय आसानी से विश्वास नहीं कर सकते है। दिल्ली भी यह बात समझती जरूर होगी। चीन जब भी भारत के करीब आता है, वह भारत पर पीछे से छिपा वार करने से नहीं चूकता। उदाहरण के तौर पर वर्ष 2020 में गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुआ द्वंद्व है। कई उदाहरण और भी हैं। वर्ष 2020 के पहले भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार भारत-चीन के रिश्ते मधुर बनाने की कोशिश की थी। इसके लिए देश में कई स्तरों पर पीएम मोदी को आलोचना झेलनी पड़ी थी। परिस्थितियों ने चीन को शंघाई में भारत के साथ खड़े होने के लिए मजबूर किया। इसमें चीन के अपने निजी स्वार्थ भी हैं। अमेरिकी व्यापार नीति के साथ एशिया में बढ़ती अमेरिकी सैन्य शक्ति दूसरा कारण है।

यह वही चीन है, जो आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या पर संयुक्त राष्ट्र संघ में भारत के प्रस्ताव का विरोध करता रहा है। भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने बगैर मौका गंवाएं, शंघाई शिखर सम्मेलन में जम्मू कश्मीर के पहलगाम हमले के जरिए आतंकवाद पर चीन के साथ पाकिस्तान को घेरने की कूटनीतिक चाल चली। उनके घर में ही एक बार फिर उनके किए का अहसास कराने की कोशिश की। शंघाई में करीब आने के बावजूद भी चीन के प्रति भारतीय रूख को संजीदा रहने की जरूरत इसलिए भी है कि चीन का आंतकवाद पर रूख ठीक नहीं रहा।

चीन 25वें शंघाई शिखर सम्मेलन में साथ रहे देशों के प्रस्ताव पर अमल करेगा और वैश्विक आतंकवाद को रोकने में साथ देगा, परिस्थितिजन्य तो हो सकता है, लेकिन जब तक आतंकवाद पर आगे उसकी रणनीति साफ न हो जाए, विश्वास करना कठिन है। फिलहाल नई परिस्थिति में शंघाई शिखर सम्मेलन में आतंकवाद पर भारत ने जिस मजबूती के साथ पक्ष रखा और सफलता पाई, उससे वैश्विक स्तर पर भारत की साख बढ़ी है। भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर अमेरिका को भी अहसास करा दिया है कि वह अकेले भी अपने मुद्दों पर विश्व का ध्यान ही नहीं खींच सकता, चीन और पाकिस्तान जैसे देशों को उनकी पिच पर बोल्ड करने की कूवत भी रखता है।

आमने

विपक्ष ने सिर्फ मेरी मां को नहीं, बल्कि इस देश की करोड़ों माताओं को गाली दी है। उन्हें छठी मैया से माफी मांगनी चाहिए। मैं लोगों से अपील करता हूं कि वे इंडिया गठबंधन के नेताओं का जहां भी दिखें, विरोध करें।

–नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

सामने

हम गांधी के अनुयायी हैं और इसलिए हिंसा का किसी भी रूप में समर्थन नहीं कर सकते हैं, जिस तरह की शाब्दिक हिंसा हुई है, उसका हम विरोध करते हैं। इस मुद्दे पर राजनीतिक लाभ उठाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए। राजनीति में शालीनता जरूरी है।

–राजेश राम

अध्यक्ष, बिहार कांग्रेस

आपदाओं से बढ़ती जीडीपी नहीं होती कल्याणकारी

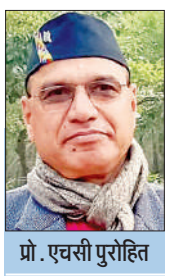

प्रो. एचसी पुरोहित

समन्वयक, हिंदू अध्ययन केंद्र, दून विश्वविद्यालय

केरल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में भारी निवेश हुआ। इससे निर्माण क्षेत्र और मजदूरी की मांग बढ़ी। आपदाओं से जीडीपी बढ़ सकती है, लेकिन यह वृद्धि विकास नहीं होती।

आज से लगभग 90 वर्ष पूर्व 1934 में अर्थशास्त्री साइमन कुजनेट्स ने 1930 की विश्वव्यापी मंदी के बाद आर्थिक विकास की गणना के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तकनीकी को विकसित करते समय माना था कि जीडीपी को कभी भी विकास का सीधा माप नहीं मानना चाहिए, क्योंकि यह मानव कल्याण की दशा को व्यक्त नहीं करता। जॉन मेनार्ड केंस ने जीडीपी की उपयोगिता को बढ़ाने में अपना योगदान दिया।

पॉल क्रुगमैन ने जीडीपी के बारे में कहा कि यह आर्थिक गतिविधियों एवं उत्पादन को समझने का एक प्रमुख साधन है, लेकिन इसके अंतर्गत कल्याण और जीवन की गुणवत्ता का सीधा माप नहीं किया जाता, औद्योगिकीकरण से जन्मे बाजारवाद और उपभोक्तावाद के युग में उपभोक्ता की संप्रभुता बाजार को नियंत्रित कर रही है, जिसका प्रभाव न सिर्फ आर्थिक स्तर पर दिख रहा है, बल्कि यह सामाजिक मूल्यों को भी प्रभावित कर रहा है। आज समाज में समृद्धि का मापन उपभोक्ता की खर्च करने की क्षमता से आंका जाता है, जिसके कारण पूरे विश्व के उपभोक्ताओं में उपभोग की प्रतिस्पर्धा हो रही है और उपभोग पर खर्च करने की यह प्रवृत्ति जीडीपी को बढ़ाने में सहायक होती है।

अर्थशास्त्री रॉबिंस ने माना कि वस्तुओं के उपभोग के अलावा आध्यात्मिक शांति और प्राकृतिक सौंदर्य से आनंद लेना भी मनुष्य की आवश्यकता है। उपभोग के लिए बाजार में उपलब्ध वस्तुओं के अलावा मनुष्य की आवश्यकताएं प्रकृति द्वारा निःशुल्क प्रदत्त हैं, इसलिए इनका संरक्षण करने में ही शांति और आनंद प्राप्त होगा। विश्व की आर्थिक शक्तियां जीडीपी के साथ-साथ इकोलॉजी सेवाओं के मूल्यांकन से ही कल्याणकारी समाज की स्थापना कर सकती हैं। अमेरिका 30 ट्रिलियन से अधिक डॉलर के साथ विश्व की सर्वाधिक जीडीपी वाली अर्थव्यवस्था बन गया है और कार्बन उत्सर्जन में विश्व में दूसरे स्थान पर है। विश्व का लगभग 11 से 12 प्रतिशत उत्सर्जन अमेरिका के द्वारा हो रहा है। जनसंख्या की दृष्टि से प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अनुपात में अमेरिका प्रथम स्थान पर है।

चीन 19 ट्रिलियन से अधिक डॉलर के साथ दूसरे स्थान की आर्थिक शक्ति है और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार यह विश्व का लगभग 30 प्रतिशत कार्बन उत्सर्जक देश है। हालांकि प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अमेरिका से कम है। जीडीपी के आधार पर जर्मनी तीसरे और भारत चौथे स्थान पर है। कार्बन उत्सर्जन में भारत विश्व में तीसरे स्थान पर है, परंतु प्रति व्यक्ति उत्सर्जन की दृष्टि से इसका स्थान काफी पीछे है। विश्व के सभी देश इस दिशा में प्रगतिशील हैं कि उनकी जीडीपी कैसे बढ़े, क्योंकि आज अर्थव्यवस्थाएं पूंजीवादी रेखीय मॉडल पर आधारित हैं, जिसके अंतर्गत प्राकृतिक संसाधनों का अधिकतम दोहन कर उन्हें विभिन्न वस्तुओं में परिवर्तित एवं निर्मित करना है, जिससे वे उपभोक्ताओं के उपभोग के लिए उपलब्ध हों और उपयोग के पश्चात नष्ट कर दिए जाएं।

प्रदूषण और बीमारियों से स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी जीडीपी में वृद्धि माना जाता है। आपदा के बाद पुनर्वास और राहत कार्यों की गतिविधियां भी जीडीपी को बढ़ा रही हैं। इसे अर्थशास्त्र में 'क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन' या 'रिबिल्डिंग इफेक्ट' कहा जाता है, क्योंकि आपदा के बाद सड़कों, पुलों, मकानों, बिजली और संचार जैसी अधोसंरचनाओं का बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण होता है। इसमें सरकार, निजी क्षेत्र और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियां भारी निवेश करती हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां तेज हो जाती हैं। पुनर्निर्माण कार्यों के लिए मजदूर, इंजीनियर और तकनीशियनों की मांग बढ़ जाती है। इससे निर्माण क्षेत्र और उससे जुड़े उद्योग (सीमेंट, ईंट, लकड़ी, स्टील, कांच उपकरण) को बढ़ावा मिलता है।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मदद, बीमा कंपनियों का भुगतान और सरकारी राहत पैकेज अर्थव्यवस्था में नए पूंजी प्रवाह की तरह काम करते हैं। इस रेखीय आर्थिक मॉडल से उत्पादन क्षमता और उत्पादकता भी बढ़ सकती है, लेकिन जीडीपी बढ़ने का यह मतलब नहीं कि सब ठीक है। जापान में भूकंप और सुनामी के बाद बड़े पैमाने पर पुनर्निर्माण से जीडीपी में अस्थायी बढ़ोतरी देखी गई। केरल में 2018 की बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण में भारी निवेश हुआ, जिससे निर्माण क्षेत्र और मजदूरी की मांग बढ़ी। आपदाओं से जीडीपी बढ़ सकती है, लेकिन यह वृद्धि 'विकास' नहीं होती, बल्कि नुकसान की भरपाई के लिए अस्थायी उछाल होती है। आपदाओं से जनित इस वृद्धि को कल्याणकारी नहीं माना जा सकता।

आपदा से निपटने के लिए हर देश द्वारा हर वर्ष करोड़ों रुपये व्यय किए जाते हैं, परंतु आपदाओं से जो मानसिक आघात पहुंचता है और जो जान-माल की क्षति होती है, उसकी प्रतिपूर्ति शायद ही कभी हो पाए। इसलिए आवश्यकता है कि प्राकृतिक आपदाओं पर नियंत्रण के लिए मानव समाज को संवेदनशीलता के साथ सामूहिक प्रयासों से नियंत्रित करना होगा। तभी आपदाओं के नियंत्रण का दीर्घकालीन समाधान संभव होगा और इसके लिए आर्थिक विकास को रेखीय मॉडल के बजाय चक्रीय (सर्कुलर) मॉडल पर मापना होगा।

सोशल फोरम

घर की सांकल खुली छोड़ देने की रिवायत

जय भोले नाथ

फेसबुक

बचपन में हम देखते थे कि घर के पुरुषों के बाहर जाने पर महिलाएं कभी भी तुरंत ही दरवाजे की किवाड़ बंद नहीं करती थीं। वह हमेशा सांकल को खुली छोड़ देती थीं। कभी-कभी पुरुष कुछ दूर जाकर लौट आते थे, ये कहते हुए कि कुछ भूल गया हूं और मुस्कुरा देते थे दोनों एक दूसरे को देखकर। एक बार एक बच्चे ने अपनी मां से पूछ लिया कि मां पापा के जाने के बाद कुछ देर तक दरवाजा क्यों खुला रखती हो? उसे बंद क्यों नहीं कर देती हो। मैं बंद करने जाता हूं तो भी आप मना कर देती हो। आखिर इसकी वजह क्या है?

तब मां ने बच्चे को वो गूढ़ बात बताई, जो हमारी सांस्कृतिक विरासत है। उन्होंने बच्चे से कहा कि किवाड़ की खुली सांकल किसी के लौटने की एक उम्मीद होती है। अगर कोई अपना हमसे दूर जा रहा है, तो हमें उसके लौटने की उम्मीद नहीं छोड़नी चाहिए। उसका इंतजार जीवन के आखिरी पल तक करना चाहिए।

आस और विश्वास से रिश्तों की दूरी मिट जाती है, इसीलिए मैं दिल की उम्मीद के साथ दरवाजे की सांकल भी खुली रखती हूं, वह जब भी वापस आएं तो उन्हें दरवाजा खटकाने की जरूरत न पड़े, वो खुद मन के घर में आ जाएं।

जीवन में कुछ बातें हमेशा हमें सीख देती हैं कि कोई रिश्तों से नाराज कितना भी हो, उसके लिए दिल के दरवाजे कभी भी बंद मत करो। जब कभी उसे आपकी याद आएगी, उसे आपके पास आना हो तो वो आते हुए हिचके नहीं, मस्ती में पूरे विश्वास से बिना कुंडी खटकाए दिल के अंदर सीधे आ जाए।

प्रसंगवश

देश में बढ़ रहे हैं मोटे लोग

सितंबर माह भारत में राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाता है और इस वर्ष के 8वें राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 79वें स्वतंत्रता दिवस का संदेश विशेष रूप से प्रासंगिक हो गया है। लाल किले से प्रधानमंत्री ने राजनीतिक बयानबाजी को दरकिनार करते हुए देश की एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती पर ध्यान केंद्रित किया। भारत में बढ़ती मोटापे की दर। प्रधानमंत्री की चेतावनी महज एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह कठोर वैज्ञानिक तथ्यों पर आधारित है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि बदलती जीवनशैली, उच्च कैलोरी वाले आहार और निष्क्रिय व्यवहार मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियों की एक खतरनाक लहर पैदा कर रहे हैं। इस चेतावनी की गंभीरता राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण-5 के आंकड़ों से स्पष्ट होती है, जिसके अनुसार 24 प्रतिशत भारतीय महिलाएं और 23 प्रतिशत पुरुष अब अधिक वजन या मोटापे से ग्रस्त हैं। ये आंकड़े पिछले सर्वेक्षण की तुलना में काफी बढ़े हुए हैं, जो दिखाता है कि यह समस्या तेजी से बढ़ रही है और इसका समाधान तत्काल आवश्यक है।

डॉ. सुनिधि मिश्रा

लेखिका

इस स्वास्थ्य संकट की व्यापकता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह वृद्धि केवल शहरी क्षेत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण मोटापे की दरें भी अब शहरी आंकड़ों के बराबर पहुंच रही हैं। यह दर्शाता है कि उच्च कैलोरी आहार और कम शारीरिक गतिविधि की समस्या पूरे देश में फैल गई है, जिससे भारत की पारंपरिक स्वस्थ जीवनशैली खतरे में पड़ गई है।

इस चिंताजनक स्थिति को और भी गंभीर बनाते हुए, आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन-2023 के अनुसार 10.1 करोड़ भारतीयों को मधुमेह है और 13.6 करोड़ लोगों को प्रीडायबिटीज है, जिसकी एक प्रमुख वजह शरीर का अतिरिक्त वजन है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि मधुमेह भारत में महामारी का रूप ले रहा है और इसकी जड़ें गलत खान-पान की आदतों में गहराई से जमी हुई हैं।

समस्या यहीं नहीं रुकती, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों को भी प्रभावित कर रही हैं। एम्स के विभिन्न अध्ययनों में स्कूली बच्चों में 5 से 14 प्रतिशत तक मोटापा देखा गया है, जो भविष्य के लिए एक गंभीर चेतावनी है और दिखाता है कि यह समस्या अगली पीढ़ी में और भी गंभीर रूप ले सकती है। इस संकट की गंभीरता को समझते हुए, प्रधानमंत्री ने एक अत्यंत व्यावहारिक और मापने योग्य समाधान प्रस्तुत किया है। घरेलू खाना पकाने के तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती। यह सुझाव इसलिए वैज्ञानिक रूप से सही है, क्योंकि पोषण विशेषज्ञ लंबे समय से अत्यधिक तेल के सेवन, विशेष रूप से संतृप्त और ट्रांस वसा से भरपूर रिफाइंड तेलों को वजन बढ़ने, कोलेस्ट्रॉल बढ़ने और हृदय संबंधी जोखिमों से जोड़ते रहे हैं। समस्या यहीं नहीं रुकती, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों को भी प्रभावित कर रही हैं।

इस राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम छोटे दैनिक बदलाव करेंगे जो दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ प्रदान करेंगे। तेल की खपत में 10 प्रतिशत की कटौती जैसे सरल कदम, यदि राष्ट्रव्यापी अपनाए जाएं, तो इसका अत्यधिक सकारात्मक सामूहिक प्रभाव हो सकता है। पारंपरिक भारतीय खाना पकाने के तरीकों को अपनाना, नियमित शारीरिक गतिविधि को अपने जीवन का हिस्सा बनाना, और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से दूर रहना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, जिनके लिए नाटकीय जीवनशैली परिवर्तन की आवश्यकता नहीं है।

सामयिकी

डिजिटल अरेस्ट: चार माह में 120 करोड़ की लूट

डिजिटल अरेस्ट के माध्यम से धोखाधड़ी के शिकंजे में आने की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही हैं। खास बात यह है कि इन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए कोई ठोस उपाय अमल में नहीं आ पा रहा है। वीडियो कॉल के माध्यम से किया जाने वाला यह छल दिन प्रतिदिन अपने पांव पसारता जा रहा है। चिंताजनक बात तो यह है कि अच्छे-अच्छे बुद्धिजीवी लोग भी बंधक बनने के उपरांत अपना विवेक खो देते हैं और बलपूर्वक किए जाने वाले भयादोहन के शिकार हो जाते हैं। ये घटनाएं कहीं न कहीं इस बात की ओर भी इशारा करती हैं कि अभी हमारा साइबर सुरक्षा तंत्र पूर्णतया विकसित एवं सुदृढ़ आकार नहीं ले सका है। डिजिटल अरेस्ट को अंजाम देने वाले अपराधी प्रायः पुलिस की पकड़ में नहीं आते और सफलतापूर्वक अपने इस कुकृत्य को अंजाम देने के बाद गायब हो जाते हैं।

शिशिर शुक्ला

लेखक

आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 2025 के आरंभिक चार महीनों में भारत में 120 करोड़ रुपये से भी अधिक की रकम केवल और केवल डिजिटल अरेस्ट के नाम पर लूटी जा चुकी है। जैसे-जैसे तकनीकी और इंटरनेट विकास के नए आयामों को स्पर्श कर रहे हैं, साइबर अपराध भी लगातार नए-नए रूपों को धारण करके लोगों को अपना शिकार बनाता जा रहा है। आंकड़े बताते हैं कि कुल वैश्विक डिजिटल लेनदेन का 46 फीसदी भारत में होता है। बीते हुए एक दशक में भारत में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या 25 करोड़ से बढ़कर 95 करोड़ तक हो चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास से जहां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में हमें सुविधाओं का भंडार मिला है, वहीं अपराधों के लिए भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक मील का पत्थर साबित हुई है।

कितनी चिंताजनक बात है कि भारत में प्रतिदिन साइबर अपराधों की लगभग सात हजार शिकायतें दर्ज की जाती हैं। इन अपराधों में डिजिटल अरेस्ट एक गंभीर एवं अहम मुद्दा है। कारण यह है कि साइबर अपराधियों के लिए डिजिटल अरेस्ट सबसे आसान पैंतरा साबित हुआ है। यह साइबर अपराधियों के द्वारा अपनाई जाने वाली एक ऐसी अभिनव तकनीक है, जो बड़ी आसानी से लोगों को अपना शिकार बना लेती है। यद्यपि एक बात का उल्लेख करना उचित होगा कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों में साइबर अपराधी कहीं न कहीं लोगों की कमजोर मानसिकता एवं दुर्बल आत्मविश्वास का भी लाभ उठाते हैं।

एक बार जब अपराधी अपने झूठे पैतरों के द्वारा व्यक्ति की मनोदशा पर हावी हो जाते हैं, तो फिर उसके बाद पीड़ित व्यक्ति उन्हीं के निर्देशों के अनुसार कदम उठाने को मजबूर हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि कई बार लोगों को अज्ञानता एवं महत्वपूर्ण जानकारी के अभाव में इस तरह की धोखाधड़ी का शिकार होने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि डिजिटल अरेस्ट की समस्या बेहद गंभीर रूप धारण कर चुकी है।

इससे निपटने के लिए किए जा रहे उपाय फिलहाल नाकाफी हैं। आवश्यकता है कि इस चुनौती से निपटने के लिए एक मजबूत साइबर सुरक्षा तंत्र विकसित किया जाए। इसके अतिरिक्त कुछ सावधानियां पीड़ित व्यक्तियों के द्वारा भी बरती जाएं, ताकि साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम देने में नाकाम रहें। पहला तो यह कि किसी भी तरह की अनजान वीडियो कॉल आने पर उसका कोई उत्तर न दिया जाए। फिर भी यदि किसी कारणवश कॉल उठा ली गई है तो सामने वाले की बात पर आंख बंदकर भरोसा न किया जाए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

बेजोड़ कारीगरी की नायाब धरोहर कांच का मंदिर

कानपुर के कमला टावर क्षेत्र में माहेश्वरी मोहाल में स्थित कांच का मंदिर स्थानीय के साथ बाहरी पर्यटकों के लिए आकर्षण का बड़ा केंद्र है। श्री धर्मनाथ स्वामी जैन श्वेतांबर मंदिर के नाम से जाना और पहचाना जाने वाला यह दर्शनीय स्थल 155 वर्ष पुराना होने के साथ जैन धर्म का प्रमुख केंद्र है। कांच से बने इस मंदिर को जो भी देखता है, मुग्ध सा रह जाता है। इस मंदिर में कांच की बेजोड़ कारीगरी अकल्पित है। मंदिर में 15 वें तीर्थंकर धर्मनाथ स्वामी और सातवें तीर्थंकर सुपार्श्वनाथ भगवान की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इस मंदिर को कानपुर की ऐतिहासिक, धार्मिक और पौराणिक धरोहर का दर्जा प्राप्त है।

कांच की दीवारों पर राजस्थानी और ईरानी शैली की अद्भुत कला

जैन कांच मंदिर वास्तुकला और स्थापत्य कला का इतिहास बयान करता है। पूरा मंदिर कांच से बना है। इसे आगरा से आए कारीगरों ने तैयार किया था। कांच की दीवारों पर राजस्थानी और ईरानी शैली की अद्भुत कला का संगम दिखाई देता है। दीवारों पर बिहार के सम्मेद शिखर (जहां 20 तीर्थंकर को मोक्ष प्राप्त हुआ) की कलाकृति को आकर्षक तरीके से उकेरा गया है। मंदिर का फर्श सफेद संगमरमर से बना है। वास्तु और शिल्प का नायाब उदाहरण यह मंदिर शांतिपूर्ण वातावरण में कांच के जटिल काम और रंगीन चित्रों को प्रदर्शित करता है। कांच के टुकड़ों को तराश कर की गई मनमोहक चित्रकारी देखने वाली है। इसे श्री धर्मनाथ भगवान का कांच का जिनालय भी कहा जाता है। कांच और मीनाकारी की रंगबिरंगी कला का यह अद्भूत नमूना हर किसी के लिए दर्शनीय है। दीवारों पर तीर्थ स्थलों, योग के आसनों आदि का चित्रण किया गया है।

प्रस्तुतिः मनोज त्रिपाठी

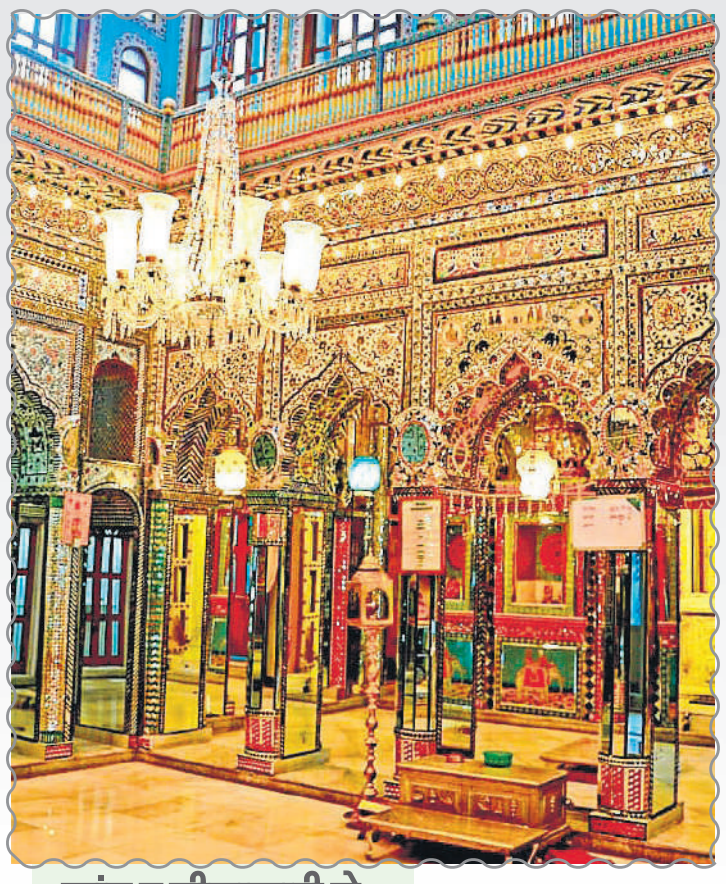

कांच व मीनाकारी से अलंकृत आभूषणों से की गई है सजावट

इस मंदिर का निर्माण प्राचीन और पारंपरिक संरचनात्मक शैली में किया गया है। मंदिर की दीवारों पर कांच और मीनाकारी से शानदार ढंग से अलंकृत व जटिल पैटर्न वाले आभूषण जड़े हुए हैं। मंदिर की पूरी संरचना कांच और मीनाकारी से निर्मित है, जो पारंपरिक स्थापत्य शैली का प्रतिनिधित्व करती है। मंदिर की दीवारें और छत उत्कृष्ट कलात्मक डिजाइनों में काटे गए दर्पणों से सुसज्जित हैं। दीवारों पर भित्ति चित्र रंगीन कांच से बने हैं। मंदिर में अलंकृत दर्पण कार्य के साथ भव्य शैली के मेहराब हैं।

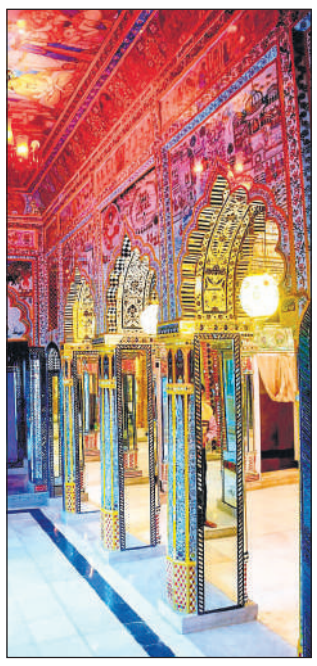

मंदिर प्रांगण में स्थित खूबसूरत बगीचा, संगमरमर की कृतियां

जैन कांच मंदिर जैन धर्मावलंबियों के लिए समर्पित है। इस मंदिर को देखने और दर्शन करने भगवान महावीर के अनुयायियों के साथ शेष 23 जैन तीर्थंकरों के अनुयायी बड़ी संख्या में आते हैं। मंदिर के सामने जहां एक धर्मशाला है, वहीं मंदिर के प्रांगण में खूबसूरत बगीचा पूरे स्थल को रमणीक बनाता है। बगीचे में संगमरमर को तराश कर कई कलाकृतियां स्थापित की गई हैं।

सुरमा बरेली वाला आंखों का है रखवाला

बरेली में सुरमा बनाने से लेकर बिकने की शुरुआत हाशमी परिवार ने की थी

'बरेली का सुरमा' किसी पहचान का मोहताज नहीं है। यह इस शहर का रिवाज और संस्कृति जैसा है, इसके चलते जो कोई बरेली आया, सुरमा साथ लेकर जरूर गया। यहां हाशमी परिवार से शुरू हुआ सुरमा बनाने का कारोबार अब पांचवी पीढ़ी संभाल रही है। बरेली में सुरमा लोगों को रेलवे स्टेशनों से लेकर बस अड्डों, बाजारों, गली-मोहल्लों की दुकानों तक पर आसानी से मिल जाता है। बड़ा बाजार, किला रोड, कुतुबखाना, पुराना शहर, सेटेलाइट हर कहीं सुरमा बिकता है। आला हजरत के उर्स में आने वाले देश-विदेश के जायरीन भी बरेली की निशानी के तौर पर सुरमा खरीदकर ले जाते हैं।-

-आसिफ अंसारी, बरेली

सुरमे का कारोबार

बरेली के सुरमा को ब्रांड बनाने वाले एम हसीन हाशमी का चार साल पहले निधन हो चुका है। एम हसीन हाशमी बरेली में सुरमा कारोबार को आगे बढ़ाने वाले हाशमी परिवार की चौथी पीढ़ी के सदस्य थे। उन्होंने 1971 में कारोबार संभालने के बाद इसे देश-विदेश तक शोहरत दिलाई। अब उनके बेटे हाजी शावेज हाशमी सुरमा का काम संभाल रहे हैं। बड़ा बाजार में सुरमा बेचने वाले व्यापारी मोहम्मद शमा हाशमी ने बताया कि सुरमा लगाने से आंखों की रोशनी बढ़ती है और सफाई भी हो जाती है। उनके पास दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरू समेत देश के कई हिस्सों से सुरमा की मांग आती है।

मीता! पंचलैट वालेः गोधन और मुनरी की प्रेमकथा

असमानता, विपन्नता और कमतर होने से उपजे एहसास को कम करने का सफल प्रयास जब अपने चरम पर जाता है तब उपजती है कहानी 'पंचलाइट' फणीश्वरनाथ रेणु द्वारा लिखी गई कालजयी कहानी को नई नजर से मंच पर लाने का प्रयास निर्देशक लव तोमर और उनकी टीम ने किया है। नाटक का नाम– "मीता! पंचलैट वाले"। तीसरी कसम कहानी से महुआ घटवारन का प्रसंग भी कथा का हिस्सा है। यह अपने होने का सिंबॉलिज्म गोधन और मुनरी की प्रेमकथा में खोजता है, लेकिन सफल प्रेम के संदर्भ में। रचनात्मक स्वतंत्रता का प्रयोग करते हुए नाटक में कुछ घटनाएं, चरित्र और भावों का प्रयोग किया गया है, जो मूल कहानियों का हिस्सा नहीं हैं।– *फीचर डेस्क बरेली*

फणीश्वर नाथ रेणु की एक कहानी है। इस आंचलिक कहानी का का नाम है पंचलाइट। इसका समय-काल पुराना है। उन दिनों का जब गैसबत्ती या पंचलाइट को रात में रोशनी के लिए जलाया जाता था। उसे जलाना भी कमाल था। इसी को आधार बनाकर रेणु ने एक प्रेम कथा की रचना की है। उन्हीं की एक कहानी है तीसरी कसम। इन दोनों रचनाओं को मिलाकर एक नाटक रचा गया। नाम है मीता पंचलैट। अस्तिता फाउंडेशन, ड्रामा ड्रॉप आउट्स और वेग्माइन सिटी मॉल ने बरेली नाट्य महोत्सव के तहत प्रभावे ऑडिटोरियम, अर्बन हाट, बरेली में मंचन किया। नाटक में फणीरेश्वर नाथ रेणु जी की दो कहानियों पंचलाइट और तीसरी कसम को मिलाकर एक नया सिंबोलिक खोजकर नाटक को गढ़ा गया। इसमें पंचलाइट जो समस्या है वह तो है ही। साथ ही उसमें गोधन और मुनरी की प्रेम कहानी को भी स्थापित किया है। नाटक के मंचन में एक समय पंचलाइट का अभाव और प्रेम कहानी एक दूसरे के पूरक बन जाते हैं।

फणीरेश्वर नाथ रेणु की कहानी तीसरी कसम की महुआ घटवारन का प्रसंग भी जोड़ा गया। गोधन और मुनरी की प्रेम कहानी दोहराई गई है। प्यारे लाल कहानी चल रही होती है पंचलाइट के अभाव की। यहां पर इनका प्रेम पूरा होता है, जिसका कारण पंचलाइट बनती है। गांव व टोले वालों की इज्जत बच जाती है। कहानी के अनुसार गोधन गांव में रहता है, लेकिन गोधन को पंचायत से बाहर रखा और अंत में वही आगे पंचलाइट जलाता है। नाटक में गोधन को शहर भेज दिया जाता है। जहां वह अच्छे से अपना व्यापार जमा लेता है। फिर वहां से साल-डेढ़ साल बाद आकर गोधन गांव के मेले में ही पंचलाइट की दुकान खोलता है, जो कि गांव व मेले की सबसे बड़ी पंचलाइट की दुकान होती है।

पंचलाइट की आंचलिक कहानी

पंचलाइट रेणु जी की आंचलिक कहानी है। कहानी में बिहार के एक पिछड़े गांव के परिवेश का सुंदर चित्रण प्रस्तुत किया गया है। रामनवमी के मेले में महतो टोली के पंचों ने एक पेट्रोमैक्स खरीदा, जिसको गांव वाले पंचलाइट कहकर पुकारते थे। पंचलाइट खरीदने के बाद दस रुपये बचे थे, जिससे पूजा की सामग्री भी खरीदी गई। उसी में कीर्तन का आयोजन किया गया उस टोली के सभी लोग पंचलाइट देखने के लिए आ गए, लेकिन प्रश्न उठा कि इसको जलाएगा कौन ? क्योंकि खरीदने के पहले यह बात तो दिमाग में आए ही नहीं लोगों ने यह निर्णय लिया की दूसरी टोली के लोगों से नहीं जलाया जाएगा भले ही वही पड़ा रहे। आज किसी ने अपने घर ढिबरी भी नहीं जलाई थी। पंचलाइट न जलने से सभी के चेहरे उतर गए वही राजपूत टोली के लोग कहने लगे सभी लोग कान पकड़कर दस बार उठे–बैठे पंचलैट जल जाएगा, लेकिन ऐसा मजाक को भी धैर्यपूर्वक सहना पड़ा। वहीं पर गुलरी काकी की बेटी मुनरी बैठी थी। वह जानती थी कि गोधन पंचलाइट जलाना जानता है, लेकिन पंचायत ने गोधन का हुक्का पानी बंद कर रखा था, क्योंकि वह सलीमा का गाना गलियों में गाता रहता था और लड़कियों को छेड़ता रहता था। मुनारी गोधन से प्रेम करती थी। इसलिए वह अपने न कहकर अपनी सहेली कनेली को बताई। कनेली सरदार तक यह बात पहुंचा दी कि गोधन पंचलाइट जलाना जानता है, लेकिन सभी लोग सोच में पड़ गए कि गोधन को बुलाया जाए कि नहीं बुलाया जाए। अंत में लोगों ने निर्णय लिया कि उसे बुलाया जाए। सरदार ने छड़ीदार को भेजा, लेकिन उसने आने से मनाकर दिया। अंत में गुलरी काकी झोपड़ी में गई और उसे मनाकर ले आई। गोधन ने पंचलाइट में तेल भरा और पूछा स्प्रिट कहां है, सभी लोग उदास हो गए लेकिन गोधन होशियारी से गाड़ी की तेल की सहायता से पंचलाइट जला देता है। पंचलाइट के जलने से लोगों के मन में प्रसन्नता आ गई। मुनरी ने हसरत की निगाहों से उसे देखा दोनों की नजरें चार हो गई। गुलरी काकी ने शाम को उसे खाने पर बुलाया पंच भी अति उत्साहित होकर गोधन को कह देते हैं – 'तुम्हारा सात खून माफ, खूब गाओ सलीमा का गाना'।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	80,157.88	24,579.60
गिरावट	206.61	45.45
प्रतिशत में	0.26	0.18

सोना- 1,07,100 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,25,500 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2600, राज श्री 1830, फ़ॉर्चून कि. 2210, रविन्द्रा 2650, फॉर्चुन 13kg 1940, जय जवान 1960, सचिन 2040, सूरज 1960, अवसर 1865, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1880, क्लासिक (किग्रा) 2095, मोर 2150, चक्र टिन 2345, ब्लू 2110, आशीर्वाद मस्टर्ड 2460, स्वास्तिक 2540

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-11100, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000, चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

जीएसटी सुधार से पारदर्शी बनेगी अर्थव्यवस्था

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं- सुधार से अनुपालन बोझ में और कमी आएगी एवं छोटे व्यवसायों को होगा लाभ

चेन्नई, एजेंसी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खुला एवं पारदर्शी बनाएंगे। इससे अनुपालन बोझ में और कमी आएगी एवं छोटे व्यवसायों को लाभ होगा। तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को केंद्रीय वितमंत्री ने संबोधित किया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य अतिथि के तौर पर मौजूद रहीं।

सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल के गठन की घोषणा की है। इसका स्पष्ट उद्देश्य नियमों को सरल बनाना, अनुपालन लागत कम करना तथा स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु व मझोले उद्यमों और उद्यमियों के लिए एक अधिक अनुकूल परिवेश का निर्माण करना है। इसके अतिरिक्त, अगले दो दिन होने वाली परिषद की बैठक के साथ अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधारों की योजनाबद्ध शुरुआत से आने वाले महीनों में अर्थव्यवस्था पूरी तरह से पारदर्शी होगी। अनुपालन बोझ में और कमी आएगी, जिससे छोटे व्यवसायों के लिए फलने-फूलना आसान हो जाएगा। स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़े सुधारों की

● तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को केंद्रीय वित मंत्री ने किया संबोधित

घोषणा की थी और नागरिकों के लिए दिवाली पर उपहारों का वादा किया था।

सीतारमण ने कहा कि देश के अपने विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण की ओर बढ़ते हुए बैंकों से न केवल ऋण का विस्तार करने बल्कि बुनियादी ढांचे के विकास को गति प्रदान करने, एमएसएमई के लिए समय पर और आवश्यकता-आधारित वित्तपोषण सुनिश्चित करने, बैंकिंग सेवाओं से वंचित लोगों को औपचारिक बैंकिंग के दायरे में लाने व विविध आवश्यकताओं को पूरा करने का आह्वान किया जाता है। इस लक्ष्य के लिए बैंकिंग क्षेत्र का समर्थन अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि इस परिवर्तन के मार्गदर्शक सिद्धांत विश्वास, प्रौद्योगिकी और पारदर्शिता होने चाहिए। 11 वर्ष में 56 करोड़ जन-धन खाते खोले गए हैं, जिनमें कुल जमा राशि 2.68 लाख करोड़ रुपये है। इनमें से अधिकतर महिलाएं हैं। सीतारमण ने बताया कि भारतीय अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों ने परिसंपत्ति गुणवत्ता में बड़ा सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने 18 वर्ष में पहली बार देश की दीर्घकालिक साख में सुधार किया है।

डिजिटल साक्षरता, वित्तीय जागरूकता को लेकर चुनौतियां अब भी बरकरार : मुर्मू

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को कहा कि बैंकिंग क्षेत्र में प्रगति के बावजूद, लोगों को अब भी डिजिटल साक्षरता और वित्तीय जागरूकता के संदर्भ में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रपति ने तमिलनाडु स्थित सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह में कहा कि किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का सशक्तीकरण बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैंक और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियां वंचित समुदायों के लिए उनके अनुकूल मोबाइल एप्लिकेशन और बीमा उत्पाद प्रदान कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भुगतान बैंक, डिजिटल वॉलेट और बैंकिंग प्रतिनिधियों ने वित्तीय सेवाओं को दूरदराज के गांवों के घर-घर पहुंचाया है। हालांकि, इस क्षेत्र में प्रगति के बावजूद, डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट पहुंच और वित्तीय जागरूकता के संदर्भ में कई चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि सभी पक्षों के संयुक्त प्रयासों से, लोगों को प्रौद्योगिकी, डिजिटल और वित्तीय साक्षरता के माध्यम से बैंकिंग सेवाओं के साथ बेहतर ढंग से एकीकृत किया जा सकता है। बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि समय पर और सस्ता कर्ज, वित्तीय साक्षरता प्रदान करके और कृषि-प्रौद्योगिकी उपायों को समर्थन देकर, बैंक कृषि को टिकाऊ और लाभदायक बनाने में मदद कर सकते हैं। इस मौके पर तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि, मंत्री गीता जीवन, सिटी यूनियन बैंक के चेयरमैन जी महालिंगम, बैंक के प्रबंध निदेशक एन कामकोडी उपस्थित थे।

मुनाफावसूली से सेंसेक्स और निफ्टी नुकसान में

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती तेजी कायम नहीं रह पायी और जीएसटी परिषद की बैठक से पहले बैंक और वाहन शेयरों में कारोबार के अंतिम घंटे में मुनाफावसूली से सेंसेक्स 207 अंक के नुकसान में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी 45 अंक टूट गया।

तीस शेयरों वाला बीएसई का सेंसेक्स 206.61 अंक की गिरावट के साथ 80,157.88 अंक पर बंद हुआ। सूचकांक तेजी के साथ खुला और दोपहर तक बढ़त के साथ कारोबार करता रहा। हालांकि, कारोबार के अंत में मुनाफावसूली से यह दिन के उच्चतम स्तर 80,761.14 अंक से 752.64 अंक नीचे आ गया। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में 16 नुकसान में जबकि 14 लाभ में रहे। 50 शेयरों पर आधारित एनएसई का निफ्टी 45.45 अंक की गिरावट के साथ 24,579.60 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में पावर ग्रिड, एनटीपीसी, टाटा स्टील और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।

● जीएसटी परिषद की बैठक से पहले बैंक-वाहन के शेयरों में बिकवाली

स्मॉल और मिडकैप लाभ में रहे

छोटी कंपनियों से जुड़ा बीएसई स्मॉलकैप 0.64% चढ़ा जबकि मझोली कंपनियों से संबंधित मिडकैप 0.27% के लाभ में रहा। एशिया के अन्य बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की बढ़त में रहे, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था।

बिजनेस ब्रीफ

13 कंपनियों को आईपीओ लाने की मिली मंजूरी

नई दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने अर्बन कंपनी और बोट ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी इमेजिन मार्केटिंग समेत 13 कंपनियों को अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी दे दी है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा कि आईपीओ लाने की मंजूरी पाने वाली कंपनियों में जूनिपर ग्रीन एनर्जी, जैन रिसोर्स रिसाइक्लिंग, मौरी टेक, रावी इन्फ्राबिल्ड प्रोजेक्ट्स, पेस डिजिटेक, ओम्निटेक इंजीनियरिंग, कोरोना रेमेडीज, केएसएच इंटरनेशनल, ऑलकैम लाइफसाइंस, प्रॉयरिटी ज्वेल्स और ओम फ्रेट फॉरवर्डर्स भी शामिल हैं। इन कंपनियों ने इस साल मार्च से जून के बीच अपने निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दस्तावेज दाखिल किए थे।

आर गांधी फिर बन सकते हैं यस बैंक के चेयरमैन

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के यस बैंक ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने आर गांधी को बैंक का गैर-कार्यकारी चेयरमैन फिर से नियुक्त करने की मंजूरी दे दी है। गांधी रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर रह चुके हैं। यस बैंक ने शेयर बाजार को बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ने एक सितंबर, 2025 के अपने पत्र के माध्यम से राम सुब्रमण्यम गांधी को बैंक के अंशकालिक चेयरमैन के रूप में फिर से नियुक्त करने को मंजूरी दी। उनकी नियुक्ति 20 सितंबर, 2025 से 13 मई, 2027 तक के लिए है।

दिल्ली का विनिर्माण क्षेत्र तीन गुना बढ़ा

नई दिल्ली। दिल्ली के विनिर्माण क्षेत्र ने वित्त वर्ष 2024-25 में 11.9% की मजबूत वृद्धि दर्ज की है, जो राष्ट्रीय स्तर की 4.1% की वृद्धि दर का तीन गुना है। यह स्थानीय स्तर पर तेज औद्योगिक सुधार का संकेत है। दिल्ली सरकार के अर्थशास्त्र एवं सांख्यिकी निदेशालय से औद्योगिक उत्पादन पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी का कुल औद्योगिक उत्पादन पिछले वित्त वर्ष में 2023-24 के मुकाबले 9.19% बढ़ा जबकि राष्ट्रीय स्तर पर यह वृद्धि चार प्रतिशत रही।

मारुति सुजुकी का उत्पादन 6% घटा

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया का उत्पादन अगस्त में सालाना आधार पर 6% घटा है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि बाजार की मांग के अनुसार वाहनों की संख्या को समायोजित करने के चलते ऐसा हुआ। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता ने पिछले महीने देश में 1,58,202 इकाइयों का उत्पादन किया, जबकि अगस्त, 2024 में यह आंकड़ा 1,68,953 इकाई था। कंपनी ने पिछले महीने ऑल्टो और एस-प्रेसो की 9,485 इकाइयों का उत्पादन किया, जो एक साल पहले की 10,631 इकाइयों की तुलना में 11 प्रतिशत कम है।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से राज्य 'शुद्ध लाभार्थी' बने रहेंगे : एसबीआई रिसर्च

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के प्रस्ताव को अमल में लाने से राज्य 'शुद्ध लाभार्थी' बने रहेंगे और चालू वित्त वर्ष में उनका माल एवं सेवा कर राजस्व, जिसमें हस्तांतरण भी शामिल है, 14.10 लाख करोड़ रुपये से अधिक होने का अनुमान है। मंगलवार को जारी एसबीआई रिसर्च की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

इसमें कहा गया कि 2018-19 में जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने की पिछली प्रक्रिया से स्पष्ट है कि दरों में तत्काल कमी से मासिक संग्रह में लगभग 3-4% की अल्पकालिक गिरावट आ सकती है (5,000 करोड़ रुपये या वार्षिक

60,000 करोड़ रुपये)। आमतौर पर आगे चलकर राजस्व प्रति माह 5-6% की दर से बढ़ता है। केंद्र ने माल एवं सेवा कर के तहत दरों और स्लैब को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव दिया है। इसके तहत 5 और 18% की दो स्तरीय कर संरचना होगी और कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40% की दर लागू की जाएगी। विपक्षी दलों के शासन वाले आठ राज्यों ने राजस्व क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए कहा है कि प्रस्तावित बदलाव के बाद औसत राजस्व हानि लगभग 1.5-2 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। एसबीआई रिसर्च ने 19 अगस्त की रिपोर्ट में कहा था कि केंद्र-राज्यों को औसत वार्षिक जीएसटी राजस्व हानि 85,000 करोड़ हो सकती है।

मंगलवार की रिपोर्ट में एसबीआई रिसर्च ने कहा कि प्रस्तावित दर युक्तिकरण के बावजूद 2025-26 में भी राज्य जीएसटी संग्रह से शुद्ध लाभार्थी बने रहेंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि जीएसटी केंद्र और राज्यों के बीच समान रूप से साझा किया जाता है, और प्रत्येक को संग्रह का 50 प्रतिशत मिलता है। इसके अलावा कर हस्तांतरण की व्यवस्था के तहत केंद्र का 41 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को वापस जाता है।

नवंबर तक भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीद

नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) इस साल शरद ऋतु या नवंबर तक पूरा हो जाएगा। गोयल ने मुंबई में वार्षिक वैश्विक निवेशक सम्मेलन को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच इस समझौते को लेकर जारी बातचीत में 'थोड़े बहुत' भू-राजनीतिक मुद्दों ने व्यापारिक मसलों को पीछे छोड़ दिया था।

उन्होंने कहा कि हालात जल्द ही पटरी पर लौटेंगे और हमारे दोनों नेताओं के बीच फरवरी में हुई चर्चा के अनुरूप हम नवंबर तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते को पूरा कर लेंगे। भारत पहले ही ऑस्ट्रेलिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), मॉरीशस, ब्रिटेन और यूरोपीय देशों के चार सदस्यीय समूह ईएफटीए के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) कर चुका है। गोयल ने उद्योग मंडल के कार्यक्रम में भी भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ हुआ है, बहुत कुछ करना बाकी है... अमेरिका के साथ हम बीटीए पर बातचीत कर रहे हैं। अब तक छठे दौर की वार्ता के लिए नई तारीख तय नहीं हुई है। इस समझौते को लेकर मार्च से शुरू हुई वार्ता की पांच दौर की बैठकें हो चुकी हैं। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा है कि भारत और अमेरिका आखिरकार इस मुद्दे का हल निकाल लेंगे। भारत के मूल्य हमारे और चीन के ज्यादा करीब हैं, रूस से नहीं। हालांकि, अमेरिकी वित्त मंत्री ने भारत की ओर से रूसी कच्चा तेल खरीदने और उसे रिफाइन कर आगे बेचने को लेकर आलोचना भी की।

पटरी पर लौट रहे हैं भारत-चीन संबंध

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-चीन संबंध धीरे-धीरे पटरी पर लौट रहे हैं। जैसे-जैसे सीमा मुद्दे सुलझते जाएंगे तनाव कम होता जाएगा। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनफिंन के बीच हुई बैठक में भारत-चीन सीमा मुद्दे के निष्पक्ष, उचित और पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान की दिशा में काम करने पर सहमति बनी है। दोनों नेताओं ने वैश्विक व्यापार को स्थिर करने में एक-दूसरे की अर्थव्यवस्थाओं की भूमिका को मान्यता देते हुए व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने का संकल्प लिया। पीएन3 में ढील की गुंजाइश पर गोयल ने कहा कि शिखर सम्मेलन में सभी एससीओ सदस्यों ने भाग लिया। गलवान में हमारे सामने एक समस्या थी, जिससे हमारे संबंधों में थोड़ी तलखी आई थी।

कृत्रिम मेधा अवसर, इससे नौकरियां बढ़ेंगी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि कृत्रिम मेधा (एआई) के क्षेत्र में काफी अवसर है और इससे देश में रोजगार बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि मैंने अपने कार्यालय से कहा है कि निर्णय लेने वाले स्तर पर प्रत्येक व्यक्ति के पास अपने फोन या लैपटॉप पर एआई, चैटजीपीटी या जो भी उपलब्ध हो, उसका नवीनतम संस्करण होना चाहिए।

निर्यात दायित्व अवधि बढ़ाने से निर्यातकों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को कहा कि अग्रिम प्राधिकरण योजना के तहत रासायनिक आयात के लिए निर्यात दायित्व अवधि को छह महीने से बढ़ाकर 18 महीने करने से निर्यातकों को बहुत जरूरी राहत मिलेगी। सरकार ने अमेरिकी शुल्क को लेकर चिंताओं के बीच यह कदम उठाया है।

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने कहा कि यह उपाय पूरे देश में रसायन और पेट्रोरसायन का कारोबार करने वाले निर्यातकों को जरूरी समर्थन और लचीलापन देगा। इससे व्यापार प्रक्रियाओं को सरल बनाने और भारतीय वस्तुओं की वैश्विक बाजार में बढ़त कायम होने की उम्मीद है। निर्यात दायित्व की समयसीमा अब छह से बढ़ाकर 18 महीने कर दी गई है, जिससे उद्योग को पर्याप्त बफर मिलेगा। अग्रिम प्राधिकरण योजना के जरिये आयातक निर्यात उत्पादन के लिए गुणवत्ता

● सरकार ने अमेरिकी शुल्क को लेकर छह माह की अवधि को किया 18 माह

नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) का पालन किए बिना शुल्क मुक्त कच्चा माल ला सकते हैं। इनमें से कई प्राधिकरण रासायनिक क्षेत्र के लिए हैं, जो इस नीतिगत बदलाव के महत्व को दर्शाते हैं। सरकार लक्षित रणनीतियों के जरिये रसायन और पेट्रोरसायन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इस क्षेत्र का निर्यात में योगदान 2024-25 में 46.4 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो देश के कुल निर्यात मूल्य का 10.6 प्रतिशत है।

वायदा कारोबार में खरीद-बिक्री की निगरानी को नया ढांचा पेश

नई दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर सूचकांक वायदा में कारोबार के दौरान खरीद-बिक्री निगरानी के लिए नया ढांचा पेश किया है। इसका उद्देश्य बड़े जोखिमों से होने वाले खतरों को रोकना है।

बाजार नियामक (सेबी) ने परिपत्र में कहा कि नए ढांचे के तहत सूचकांक वायदा-विकल्प में कारोबार के दौरान प्रति इकाई शुद्ध सीमा 5,000 करोड़ रुपये जबकि दिन के अंत में यह सीमा 1,500 करोड़ रुपये कर दी गई। कारोबर के दौरान सकल सीमा को 10,000 करोड़ तक सीमित कर दिया गया है, जो मौजूदा दिन के अंत की सीमा के समान है। यह सीमा खरीदने (दाम बढ़ने का अनुमान) और बेचने (दाम घटने का अनुमान) पर अलग-अलग लागू होती है। 1 अक्टूबर से प्रभावी होने वाला यह ढांचा सभी व्यापारिक दिनों में बाजार-निर्माण गतिविधि को सुगम बनाएगा, साथ ही व्यवस्थित व्यापार के लिए सौदे की समाप्ति के दिन बड़े पैमाने पर कारोबार के दौरान खरीद-बिक्री स्थिति की निगरानी करेगा और उससे उत्पन्न होने वाले जोखिम को कम करेगा।

● कारोबर के दौरान सकल सीमा को 10,000 करोड़ तक सीमित किया

'एप्पल हेब्ब्ल'

एप्पल ने मंगलवार को बेंगलुरु में अपना पहला खुदरा स्टोर खोला। यह कंपनी का दक्षिण भारत में पहला और देश में तीसरा स्टोर है। कंपनी ने कहा कि 'एप्पल हेब्ब्ल' नाम का यह स्टोर ग्राहकों को एप्पल उत्पादों, सेवाओं और सहायता की पूरी शृंखला के साथ ही नि:शुल्क 'टुडे एट एप्पल' सत्र की सुविधा भी देगा। एप्पल ने ऑनलाइन मंच के अलावा मुंबई में पहला भारतीय स्टोर 'एप्पल बीकेसी' खोला था। उसके बाद दिल्ली में 'एप्पल साकेत' की शुरुआत हुई। एजेंसी

तांबे को लेकर अमेरिका से मांगा डब्ल्यूटीओ-परामर्श

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत ने मंगलवार को विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के रक्षोपाय समझौते के तहत अमेरिका द्वारा कुछ तांबे के उत्पादों पर लगाए गए 50% शुल्क को लेकर अमेरिका से परामर्श की मांग की। यह कदम भारत द्वारा इस्पात, एल्युमीनियम और वाहन कलपुर्जों पर अमेरिकी शुल्क के जवाब में चुनिंदा अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखने के बाद उठाया गया है।

इस साल 30 जुलाई को अमेरिका ने कुछ तांबे के उत्पादों के सभी आयात पर 50% शुल्क लगाने का उपाय अपनाया था। यह उपाय इस साल एक अगस्त से और असीमित अवधि के लिए लागू है। डब्ल्यूटीओ के एक पत्र में कहा गया, भारत का

● जवाबी शुल्क लगाने का अधिकार सुरक्षित रखने के बाद भारत ने उठाया कदम

मानना है कि यह उपाय, सुरक्षा हितों के लिए उठाए जाने का दावा किया गया है, वास्तव में रक्षोपाय (सेफगार्ड) है। यह पत्र भारतीय प्रतिनि धिमंडल के अनुरोध पर प्रसारित हो रहा है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका ने सुरक्षा उपाय लागू करने के निर्णय के बारे में विश्व व्यापार संगठन की सुरक्षा समिति को सूचित नहीं किया गया।

उम्मीद जीएसटी परिषद की बैठक में दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर कम होने की संभावना

कर कम करने को जीएसटी में बदलाव कर सकता है केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार बुधवार से शुरू हो रही जीएसटी परिषद की दो दिन की बैठक में दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर कम करने के लिए माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में महत्वाकांक्षी बदलाव पर विचार कर सकती है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता वाली और सभी राज्यों के प्रतिनिधित्व वाली यह परिषद केंद्र के 'अगली पीढ़ी' के जीएसटी सुधार प्रस्ताव पर चर्चा करेगी।

प्रस्तावित सुधारों में मौजूदा 12 और 28% के कर स्लैब को हटाकर केवल 5 और 18% की दो कर दरें रखना प्रमुख है। कुछ चुनिंदा वस्तुओं पर 40% की विशेष दर से कर लिया जाएगा। कर स्लैब में कटौती और कीमतों में होने वाली कमी का स्वागत किया गया है, लेकिन विपक्षी दलों के शासन वाले राज्य इस बदलाव से राजस्व में होने वाले नुकसान की भरपाई की मांग कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने 15 अगस्त को जीएसटी सुधारों के बारे में बताया था। इसके बाद केंद्र ने प्रारंभिक समीक्षा के लिए विभिन्न राज्यों के मंत्रियों के समूह (जीओएम) के साथ प्रस्तावित सुधार का खाका साझा किया। जीओएम ने कर दरों को कम करने के प्रस्ताव पर सहमति जताई है। परिषद 3-4 सितंबर को इन पर विचार करेगी।

सूत्रों ने बताया कि स्लैब में बदलावों से मोटे तौर पर सहमत होते हुए मंत्री समूह ने 40 लाख तक कीमत वाले इलेक्ट्रिक वाहन पर 18% जीएसटी लगाने का समर्थन किया है। हालांकि, केंद्र इलेक्ट्रिक वाहन को प्रोत्साहन देना चाहता है और उनसे 5% की दर का समर्थन किया है। घी, मेवे, पीने के पानी (20 लीटर), नमकीन, कुछ जूते और परिधान, दवाइयां और चिकित्सा उपकरण जैसी वस्तुओं को 12 से 5% कर स्लैब में लाने की संभावना है।

● प्रस्तावित सुधारों में मौजूदा 12 और 28% के कर स्लैब को हटाकर पांच और 18% को रखना प्रमुख

2,500 रुपये से अधिक मूल्य के परिधानों पर 18% जीएसटी से उद्योग होगा प्रभावित: सीएमएआई

सीएमएआई ने कहा कि प्रस्तावित जीएसटी सुधारों के तहत 2,500 रुपये से अधिक मूल्य के परिधानों पर कर बढ़ाकर 18% के उच्च स्लैब में रखने के सरकार के प्रस्ताव से संगठित निर्माता और मध्यम वर्ग के उपभोक्ता प्रभावित होंगे। भारतीय वस्त्र निर्माता संघ (सीएमएआई) ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों से बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद, ऐसी खबरें हैं कि 2,500 से अधिक मूल्य के परिधानों पर मौजूदा 12% की जगह अब 18% कर लगने की संभावना है। पहले ही अमेरिकी शुल्क संकट से जूझ रहे उद्योग के लिए यह फैसला मौत की घंटी साबित होगी। मध्यम वर्ग के लिए आवश्यक ऊनी परिधानों की पूरी शृंखला की कीमत 3,500 से 7,000 रुपये के बीच है। सीएमएआई ने कहा कि ऐसे परिधानों पर 18% कर का मतलब होगा कि मध्यम वर्ग के लोगों को ज्यादा कर देना होगा। सीएमएआई भारतीय परिधान उद्योग का संघ है, जिसके 5,000 से ज्यादा सदस्य हैं। यह 35,000 से ज्यादा खुदरा विक्रेताओं को सेवाएं प्रदान करता है। इसमें निर्माता, निर्यातक, ब्रांड और सहायक उद्योग शामिल हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

पूर्व चेक पीएम बाबिस पर चुनावी रैली में हमला

प्राग। चेक गणराज्य के पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस पर सोमवार को एक चुनावी रैली के दौरान एक व्यक्ति ने उनके सिर पर किसी वस्तु से हमला कर दिया। चेक समाचार एजेंसी ने बाबिस की पार्टी एएनओ के एक प्रवक्ता के हवाले से बताया कि 2017 से 2021 तक चेक गणराज्य के प्रधानमंत्री रहे बाबिस घटना के बाद जांच के लिए अस्पताल गए। उन्हें आई चोटों की गंभीरता के बारे में अभी पता नही चल पाया है। यह हमला पूर्वी शहर डोबरा में हुआ। चेक पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि घटनास्थल पर मौजूद अधिकारियों ने हमले के तुरंत बाद उस व्यक्ति को हिरासत में ले लिया और मामले की जांच की जा रही है।

मनीला में घर में आग लगने से दो की मौत

मनीला। फिलीपींस की राजधानी मनीला में एक घर में आग लगने से दो लोगों की मौत हो गयी एवं छह साल की एक बच्ची गंभीर रूप से झुलस गई। अग्नि सुरक्षा विभाग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हादसे में तीन साल की बच्ची और उसकी नानी की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि आग सोमवार रात करीब 11:55 बजे मेट्रो मनीला के मालाबोन शहर में लगी जिससे पीड़ित घर की दूसरी मंजिल पर फंस गए। उन्होंने बताया कि छह साल की बच्ची के हाथ, पैर और बाजू बुरी तरह जल गए हैं। उसका इलाज एक अस्पताल में चल रहा है।

इंडोनेशिया में लापता हुए हेलीकॉप्टर की तलाश

जकार्ता। इंडोनेशिया के बोर्नेओ द्वीप से एक भारतीय नागरिक समेत आठ यात्रियों को लेकर रवाना हुए लापता हेलीकॉप्टर की तलाश मंगलवार को भी जारी रही। इंडोनेशियाई समाचार एजेंसी अंतरा के अनुसार सोमवार को एक पायलट, एक इंजीनियर और छह यात्रियों को लेकर रवाना हुआ एस्टिंडो एयर बीके 117 डी3 हेलीकॉप्टर का दक्षिण कालीमंतन प्रांत के मेन्टेवे में मंडिन दमार जलप्रपात के पास संपर्क टूट गया।

भारत ने पाकिस्तान को दी बाढ़ की चेतावनी

नई दिल्ली। भारत ने सतलुज नदी में बुधवार को बाढ़ आने की अधिक आशंका को लेकर पाकिस्तान को आगाह किया है। उत्तरी राज्यों में लगातार बारिश से प्रमुख बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि ये अलर्ट 'मानवीय आधार' पर विदेश मंत्रालय के माध्यम से इस्लामाबाद को भेजे गए हैं। भारत ने पिछले सप्ताह तवी नदी में संभावित बाढ़ के लिए तीन अलर्ट जारी किए थे। पंजाब में सतलुज, व्यास और रावी नदियां और छोटी मौसमी नदियां अपने जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण उफान पर हैं।

अश्लील डीपफेक सामग्री बनाने वाले एप्स पर पाबंदी लगाएगा ऑस्ट्रेलिया

कैनबरा, एजेंसी

- नाबालिगों को ये एप्स और टूल्स सबसे ज्यादा बना रहे हैं निशाना

आस्ट्रेलिया की सरकार ने मंगलवार की घोषणा की है कि वह अपमानजनक पहुंच वाली तकनीकों को प्रतिबंधित करने जा रही है, इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल भी शामिल हैं, जो अश्लील चित्र बनाने की क्षमता रखते हैं।

संचार मंत्री एनिका वेल्स ने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी उद्योग के साथ मिलकर काम करेगी, ताकि छिपे हुए ऑनलाइन स्टॉकिंग टूल्स और एआई ऐप तक पहुंच को प्रतिबंधित किया जा सके। ये टूल्स और ऐप्स स्पष्ट रूप से अश्लील डीपफेक सामग्री बना सकते हैं। वेल्स ने एक बयान में कहा कि आस्ट्रेलिया में एआई और वैध ट्रैकिंग तकनीक के लिए एक जगह है, लेकिन ऐसे किसी भी ऐप्स और तकनीकों के लिए कोई जगह नहीं है, जिनका उपयोग केवल लोगों, विशेषकर हमारे बच्चों को हानि पहुंचाने वाले, अपमानित करने और नुकसान पहुंचाने के लिए किया जाता है। अपमानजनक तकनीकें व्यापक रूप से और आसानी से उपलब्ध हैं और अब अपूरणीय क्षति का कारण बन रही हैं। संघीय सरकार की ई-सुरक्षा आयुक्त जूली इनमैन ग्रांट ने जून में कहा था कि पिछले 18 महीनों में 18 वर्ष से कम आयु के लोगों की डिजिटली बनाई गई अंतरंग तस्वीरों की घटनाओं की संख्या सात सालों की तुलना में दोगुनी हो गयी है।

अमेरिका-भारत: पिक्चर अभी बाकी है

वैश्विक कूटनीति अपने चरम पर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ताजा फैसलों से पूरे विश्व की राजनीति में भीषण उथल-पुथल है। एशिया में भारत जैसे अमेरिका के पुराने और प्रमुख सहयोगी को दुश्मनी के लंबे इतिहास के बाद भी चीन से हाथ मिलाने को विवश होना पड़ा है, लेकिन वैश्विक राजनीति के जानकारों का मानना है कि ताजा घटनाक्रम चाहे जो आशंकाएं पैदा कर रहा हो लेकिन भारत और अमेरिका के संबंधों का अंत नहीं है। एक तरफ अमेरिका में ही ट्रंप का जिस तरह विरोध हो रहा है, वह उम्मीद पैदा करता है कि दोनों देशों के बीच आई यह दरार ज्यादा लंबी नहीं खिंचेगी। दूसरी ओर, सीमा विवादों और व्यापार असंतुलन के कारण चीन के साथ भारत के संबंध हमेशा अविश्वास भरे रहे हैं। ऐसे में चीन की विस्तारवाद और व्यापारिक वर्चस्व की नीतियां भविष्य में ज्यादा लंबे समय तक नए संबंधों को बहाल रखेंगी, ऐसी कम ही उम्मीद है।

भारत-अमेरिकी संबंधों की बुनियाद

- भारत और अमेरिका साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और रणनीतिक हितों को साझा करते हैं, खासकर भारत-प्रशांत क्षेत्र में।
- अमेरिका सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है, दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार से भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा।
- दोनों देशों का रक्षा-सुरक्षा के क्षेत्रों में घनिष्ठ सहयोग, संयुक्त सैन्य अभ्यास और रक्षा प्रौद्योगिकियों का आदान-प्रदान शामिल।
- भारत अपने संबंधों को संतुलित करते हुए राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने के साथ रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखता है।

चीन के साथ अविश्वास

- भारत और चीन के बीच कई दशकों से सीमा विवाद जारी हैं, जो संबंधों में तनाव का एक प्रमुख कारण हैं।
- चीन भारत का प्रमुख व्यापारिक भागीदार, लेकिन व्यापार में बड़ा असंतुलन, साथ में आर्थिक प्रतिस्पर्धा।
- चीन के क्षेत्रीय दावों और बढ़ता प्रभाव भारत की चिंताओं को बढ़ाता है, भारत को सावधान रहना पड़ता है।
- भारत अपनी विदेश नीति में लचीलापन बनाए रखता है, चीन के साथ अपने संबंधों को संतुलित करता है।

समानता और प्रतिस्पर्धा

- भारत-अमेरिका संबंध साझा मूल्यों व सहयोग पर केंद्रित, चीन से सीमा विवाद, आर्थिक प्रतिस्पर्धा रणनीतिक अविश्वास।
- अमेरिका से व्यापारिक संबंध संतुलित और पारस्परिक रूप से लाभप्रद हैं, चीन के साथ व्यापार असंतुलन बड़ी चुनौती।
- अमेरिका भारत को एक रक्षात्मक साझेदारी प्रदान करता है जो उसे चीन की चुनौतियों का सामना करने में मदद करती है।
- चीन के साथ अपनी रक्षा क्षमताओं को विकसित करने के साथ रणनीतिक संतुलन बनाए रखना भारत के लिए संभव नहीं लगता।

प्रमुख मिशन

- भारत-अमेरिका के बीच अंतरिक्ष सहयोग मजबूत हुआ है। इसमें नासा-इसरो साझेदारी के तहत मानव अंतरिक्ष उड़ान और ग्रह अन्वेषण शामिल हैं। निसार और गगनयान जैसे मिशन पर भी सहयोग।
- भारत-अमेरिका रणनीतिक स्वच्छ ऊर्जा साझेदारी के तहत दोनों देश स्वच्छ ऊर्जा के संक्रमण, नवीकरणीय ऊर्जा वित्तपोषण में सुधार और हरित बुनियादी ढांचे के निर्माण पर भी साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

संभावनाएं इसलिए बरकरार...

- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में संतुलन बनाने और चीन के प्रभाव को रोकने के लिए भारत-अमेरिकी साझेदारी अपरिहार्य।
- अमेरिकी कंपनियों का भारत में भारी निवेश, अमेरिका की चीन प्लस वन रणनीति में भारत प्रमुख विकल्प।
- अमेरिका से उच्चस्तरीय रक्षा तकनीक और ड्रोन, जेट इंजन, रक्षा संचार प्रणाली जैसे उपकरणों की आपूर्ति।
- भारत-अमेरिका के बीच खुफिया साझेदारी और सैन्य सहयोग को मजबूत करने के लिए कई प्रमुख समझौते।
- यूक्रेन युद्ध के बाद रूस चीन पर निर्भर हो गया है, इससे भारत रूस पर पूरी तरह भरोसा नहीं कर सकता।
- भारतीय छात्रों और पेशेवरों के लिए सबसे बड़ा गंतव्य, 20 लाख से ज्यादा भारतीय मूल के लोग अमेरिका में।

नवारो ने अब मोदी, पुतिन, जिनपिंग के गहरे होते संबंधों को बताया चिंताजनक

नवारो का नया निशाना- चीन से पुराने टकराव को अनदेखा करने की भूल कर रहा है भारत

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के शीर्ष व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच घनिष्ठता को 'चिंताजनक' बताते हुए कहा कि मोदी को रूस के बजाय अमेरिका, यूरोप और यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए।

नवारो की यह टिप्पणी सोमवार को तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर तीनों नेताओं द्वारा घनिष्ठता प्रदर्शित किए जाने के बाद आई है। मोदी, शी और पुतिन के बीच 'एकजुटता के प्रदर्शन' के बारे में पूछे जाने पर नवारो ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, यह चिंताजनक है, बहुत चिंताजनक है। इसका कोई मतलब नहीं है। टैरिफ पर ट्रंप की नीतियों के कारण वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच रिश्तों में गिरावट आने के बाद नवारो कुछ दिनों से लगातार भारत को निशाना बना रहे हैं। नवारो ने कहा, समझ नहीं आता कि मोदी के मन में क्या है, खासकर तब जब भारत पिछले कई दशकों से चीन के साथ कभी शीत युद्ध तो कभी सीधे संघर्ष की स्थिति में रहा है। उन्होंने कहा, भारत को हमारे साथ काम करना चाहिए। भारत को लगता है कि वो हमारे साथ जैसा चाहे वैसा कर सकता है लेकिन ट्रंप ऐसा होने नहीं देंगे।

तियानजिन में मोदी, पुतिन और जिनपिंग की मुलाकात से अमेरिका में है हलचल।

नवारो ने चलाए भारत पर तीर...

- भारत जनसंख्या के लिहाज से दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इतिहास पर नजर डालें तो दशकों से भारत और चीन के बीच शीत युद्ध जारी रहा है। चीन ने पाकिस्तान की सेना को धन मुहैया कराया उसे परमाणु हथियार विकसित करने में मदद की है।
- चीन ने बार-बार भारत पर खासकर अक्साई चिन में हमला किया है। चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा किया और अब भी उस पर कब्जा जमाए है। चीनी नौसेना हिंद महासागर के अंदर तक गश्त कर रही है और भारतीय संप्रभुता को चुनौती दे रही है।
- चीन के कारोबारी और तेल कंपनियां भारतीय व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, यह संबंध बहुत ही नुकसानदायक है। चीन भारत का इस्तेमाल ऐसी जगह के तौर पर कर रहा है जहां से वह अपना सामान दूसरे देशों में भेज सके और शुल्क से बच सके।

दोनों देश ये मुद्दा सुलझा लेंगे : अमेरिकी वित्त मंत्री

भारत और अमेरिका के बीच टैरिफ को लेकर जारी तनातनी के बीच अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने कहा है कि दो महान देश अंततः इस मुद्दे को सुलझा लेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत के मूल्य रूस के बजाय हमारे और चीन के अधिक करीब हैं। फॉक्स न्यूज़ को दिए साक्षात्कार में बेसेन्ट ने एससीओ को व्यापक तौर पर प्रदर्शनात्मक करार दिया। बेसेन्ट ने यह भी कहा कि ट्रंप प्रशासन रूस पर प्रतिबंधों पर विचार कर रहा है और सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है।

पाकिस्तान के सेना प्रमुख मुनीर ने की शी जिनपिंग से मुलाकात

बीजिंग। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के संग मंगलवार को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ पहली बैठक की। इस दौरान दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सहयोग पर व्यापक चर्चा की। मुनीर पाकिस्तानी प्रधानमंत्री के उस प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जिसने तियानजिन में एससीओ सम्मेलन में भाग लिया। वह जापानी आक्रमण के खिलाफ चीनी जन प्रतिरोध युद्ध की 80वीं वर्षगांठ के लिए बुधवार को यहां होने वाली चीनी सेना की परेड में शामिल होंगे। फील्ड मार्शल का पदभार संभालने के बाद जुलाई में अपनी पहली चीन यात्रा के दौरान मुनीर ने उपराष्ट्रपति हान झेंग से मुलाकात की, लेकिन शी जिनपिंग से नहीं, जैसा उनके पूर्ववर्ती जनरल कमर जावेद बाजवा ने किया था। इस यात्रा से पूर्व मुनीर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ दोपहर के भोजन में शामिल हुए थे। मुनीर के शरीफ के साथ उस परेड को देखने जाने की संभावना है, जिसमें चीनी सेना हवाई, ज़मीनी, इलेक्ट्रॉनिक और मिसाइल प्रणालियों सहित सभी प्रकार के अपने सबसे आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन करने की योजना बना रही है। ये हथियार प्रणालियां पाकिस्तानी सेना के लिए काफ़ी मायने रखती हैं, क्योंकि उसके 80 प्रतिशत से ज्यादा हथियार चीन से ही आते हैं।

ट्रंप परिवार के व्यापारिक सौदों के कारण भारत से संबंधों को ताक पर रखा गया : सुलिवन

न्यूयॉर्क, एजेंसी

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने कहा है कि ट्रंप ने इसलिए भारत के साथ संबंधों को दरकिनार कर दिया क्योंकि पाकिस्तान उनके परिवार के साथ व्यापारिक सौदे करने का इच्छुक है। उन्होंने इसको अमेरिका के लिए बहुत बड़ा नुकसान करार दिया। उनकी यह टिप्पणी भारत-अमेरिका संबंधों के दो दशकों के संभवतः सबसे बुरे दौर की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें ट्रंप की शुल्क नीति और उनके प्रशासन द्वारा नई दिल्ली की आलोचना से तनाव बढ़ा है।

सुलिवन ने कहा कि दशकों पहले से, द्विदलीय आधार पर, अमेरिका ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत के साथ अपने संबंध बनाने के लिए काम किया, एक ऐसा देश जिसके साथ हमें तकनीक, प्रतिभा और अर्थशास्त्र जैसे कई अन्य मुद्दों पर एकजुट होना चाहिए, और चीन से रणनीतिक खतरे से निपटने में भी एकजुट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ संबंधों को मजबूत करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान के साथ निजी व्यावसायिक हितों को तरजीह देने वाले ट्रंप के कारण यह रिश्ता कमजोर हुआ है। सुलिवन ने कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान की ट्रंप परिवार के साथ व्यापारिक सौदे करने की इच्छा के कारण ही ट्रंप ने भारत के साथ अपने संबंधों को दरकिनार कर दिया है। सुलिवन ने इसे 'बहुत बड़ा रणनीतिक नुकसान' बताया और कहा कि मजबूत अमेरिका-भारत संबंध अमेरिका के हितों की पूर्ति करते हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे सुलिवन ने यह भी चिंता जताई कि इस तरह की कार्रवाइयों से दुनिया भर के अन्य देशों में ट्रंप प्रशासन के तहत अमेरिका के साथ उनके संबंधों को लेकर चिंता है।

सुलिवन ने कहा कि दुनिया के किसी देश की कल्पना कीजिए। आप जर्मनी हैं, आप जापान हैं, आप कनाडा हैं। आप इसे देखते हैं और कहते हैं, कल हम भी हो सकते हैं। और यह आपके इस विचार को और पुष्ट करता है कि आपको अमेरिका के खिलाफ बचाव करना होगा और दुनिया भर के हमारे सभी मित्र और देश यह निर्णय लेंगे कि वे किसी भी तरह, किसी भी रूप में अमेरिका पर भरोसा नहीं कर सकते, यह दीर्घकालिक रूप से अमेरिकी लोगों के हित में नहीं है। भारत के साथ मौजूदा स्थिति के ना केवल प्रत्यक्ष रणनीतिक परिणाम होंगे, बल्कि दुनिया भर में उसके साथ सभी अमेरिकी संबंधों और साझेदारियों पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा।

ट्रंप ने भारत को रूस की ओर भेजा, चीन के करीब ला दिया

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जॉन बोल्टन ने कहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को रूस से दूर करने के पश्चिमी देशों के दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है। बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की टैरिफ (शुल्क) नीतियों और हाल ही में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष को समाप्त करने के दावों ने स्थिति को और खराब कर दिया है। उन्होंने एक्स पर कहा कि पश्चिमी देशों ने दशकों तक, शीत युद्ध के दौर में (पूर्व) सोवियत संघ के साथ रहे भारत के जुड़ाव को कमतर करने की कोशिश की, और चीन से उत्पन्न खतरे के प्रति भी भारत को आगाह किया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी विनाशकारी टैरिफ नीति से दशकों के प्रयासों को ध्वस्त कर दिया है।

इजराइल ने गाजा पर हमले तेज करने को शुरू की अतिरिक्त सैनिकों की मोर्चाबंदी

दीर अल-बलाह, एजेंसी

- इजराइल की सेना उत्तरी और मध्य गाजा में अब ज्यादा स्थानों को बना रही है निशाना

इजराइल ने गाजा में हमलों का दायरा बढ़ाने की अपनी योजना के तहत मंगलवार को हजारों आरक्षित सैनिकों को लामबंद और मोर्चाबंद करना शुरू कर दिया। इस योजना की इजराइल और विदेश में निंदा की जा रही है।

इजराइल ने पिछले महीने आरक्षित सैनिकों को लामबंद करने की घोषणा की थी। सैनिकों को ऐसे समय में लामबंद किया जा रहा है जब थल और वायुसेना उत्तरी और मध्य गाजा में और अधिक स्थानों को निशाना बना रही हैं। इनमें पश्चिमी गाजा शहर से सटे दो स्थान जैतून और शिजइया शामिल हैं। हमास के खिलाफ 23 महीने से जारी युद्ध में इजराइल इन दोनों स्थानों पर कई बार आक्रमण कर चुका है। इजराइली सेना ने पिछले महीने कहा था कि आरक्षित सैनिकों को बुलाने की प्रक्रिया चरणबद्ध होगी और कुल 60 हजार सैनिकों को बुलाया जाएगा। इसके अलावा पहले से तैनात ऐसे 20 हजार सैनिकों की सेवा अवधि भी बढ़ाई जाएगी। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि अगस्त में भुखमरी के कारण कुल 186 लोगों की मौत हुई है। यह किसी एक महीने में भुखमरी से जान गंवाने वालों की सबसे अधिक तादाद है। मंत्रालय के अनुसार युद्ध में कुल 63,557 फलस्तीनियों की मौत हो चुकी है जबकि 160,660 लोग घायल हुए हैं।

करतारपुर गलियारा मरम्मत के कारण श्रद्धालुओं के लिए बंद

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में स्थित पवित्र सिख तीर्थस्थल पर मरम्मत कार्य के कारण करतारपुर गलियारा परिसर, श्रद्धालुओं के लिए बंद है। हाल में यह परिसर बाढ़ में जलमग्न हो गया था।

पाकिस्तानी सेना और नागरिक प्रशासन ने पिछले सप्ताह बाढ़ से प्रभावित करतारपुर स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब में मरम्मत कार्य जारी रखा है। पिछले सप्ताह, पंजाब सरकार ने दावा किया था कि करतारपुर साहिब गलियारा और गुरुद्वारा दरबार साहिब से बाढ़ का पानी हट गया है और इस सप्ताह की शुरुआत में इसे खोल दिया जाएगा। सेना प्रमुख असीम मुनीर ने दरबार साहिब का दौरा किया था। पंजाब की वरिष्ठ मंत्री मरयम औरंगजेब ने शुक्रवार को एक बयान में दावा किया था, पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज के निर्देश पर करतारपुर साहिब में मरम्मत का काम कराया गया है।

लगातार रूसी सेना के हमलों के बीच सुरक्षा के लिए कीव (यूक्रेन) के एक मेट्रो स्टेशन में बैठे लोग।

रूसी सेंटर ग्रुप के हमले में मारे गए 385 यूक्रेनी सैनिक

दहशतजदा लोग बंकरों में

मॉस्को। रूसी रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि रूसी सुरक्षा बलों के 'सेंटर' समूह के हमले में पिछले 24 घंटे में 385 यूक्रेनी सैनिक मारे गये हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस हमले में यूक्रेनी सशस्त्र बलों को 385 सैनिकों, पांच बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों, चार मोटर वाहनों और तीन तोपों का नुकसान हुआ है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि रूस के जैपद (पश्चिम) ग्रुप के सैनिकों ने 240 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया है तथा वोस्तोक (पूर्व) ग्रुप के साथ लड़ाई में विरोधी पक्ष के 225 सैनिक मारे गये। बयान में कहा गया कि इसके साथ ही रूस के युग (दक्षिण) ग्रुप के सैनिकों ने पिछले दिनों 205 से अधिक यूक्रेनी सैनिकों को मार गिराया।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति: 3 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, एकादशी 4 सितंबर 04.21 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

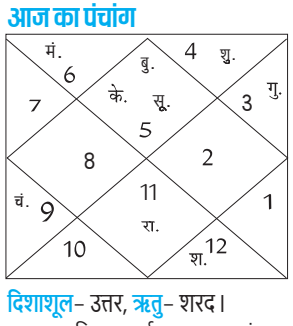

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-पूर्वाषाढ़ा 23.08 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

मेष — आज व्यवसाय में आप पार्टनरशिप को अत्यधिक महत्व देंगे। लेन-देन के मामले में आप अत्यंत भाग्यशाली रहेंगे। अध्यात्मिक चर्चाओं में भाग ले सकते हैं। अधूरे पड़े कार्यों को पूरा करने का दबाव रहेगा। घर की व्यवस्था उचित बनी रहेगी।

वृष — आज का दिन काफी उतार-चढ़ाव वाला हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर अत्यधिक सचेत रहने की आवश्यकता है। प्रबंधन कार्यों से जुड़े लोगों को अपनी कमियों पर विशेष तौर पर सुधार करना चाहिए।

मिथुन — आज विदेश में व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। पूर्व में की गई मेहनत का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। दिखावे से आपको दूर रहना चाहिए। तकनीकी क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छे अवसर मिल सकते हैं।

कर्क — आज दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रखें। स्वास्थ्य समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। प्रतिस्पर्धा के वातावरण में आप विरोधियों पर भारी पड़ेंगे। किसी को चुभने वाले वक्तव्य न दें। आय के साधन बढ़ सकते हैं।

सिंह — आज बातचीत करते हुए शब्द चयन सही प्रकार से करें। आपको आपके किसी पुराने निर्णय को लेकर काफी परेशानी उठानी पड़ सकती है। उच्च शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। इस दबाव के कारण घर में कलह भी हो सकती है।

कन्या — आज दोपहर के बाद आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। जल्दबाजी में किए गए कार्यों के कारण आपको परेशानी होगी। रक्तचाप और शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिये। इलेक्ट्रानिक उपकरणों में खराबी आ सकती है।

तुला — आज उच्चाधिकारियों के साथ अपने संबंध अच्छे रखें। कारोबार में सुधार कर सकते हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में आशा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। आपका स्वास्थ्य काफी अच्छा रहेगा। अपनी प्रतिभा को लेकर अति-आत्मविश्वास में रहेंगे।

वृश्चिक — आज स्वभाव के कारण आपसे परिजन नाराज हो सकते हैं। आंखों में जलन और इंफेक्शन की शिकायत हो सकती है। अपनी बातों को दूसरों पर थोपने से बचें। जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के कार्यों में हाथ बंटा सकते हैं।

धनु — आज नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो सफलता मिलेगी। धर्म-कर्म के प्रति आपकी आस्था बढ़ेगी। घर में भाई-बहनों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के रिश्ते मिल सकते हैं।

मकर — आज किसी को धन उधार में न दें अन्यथा आपको नुकसान हो सकता है। महिलाओं को घर में बहुत अधिक काम हो सकता है। नकारात्मक विचारों से बचने का प्रयास करें। प्रेम संबंधों को लेकर विचलित न हों। प्रेमीजन की भावनाओं का सम्मान करें।

कुंभ — आज प्रेम-संबंधों में भावनात्मक निकटता बढ़ेगी। वैवाहिक संबंध मधुर रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। आपकी छवि में काफी सुधार आएगा। संतान की शिक्षा पर आप अत्यधिक ध्यान देंगे। नए विचारों को अपनाने में आप संकोच नहीं करेंगे।

मीन — आज किसी पुराने लीगल मामले का निपटारा हो सकता है। विदेश से जॉब के ऑफर मिलने की संभावना बन रही है। करियर से जुड़े मामलों के लिए दिन बहुत शुभ रहने वाला है। भविष्य की योजनाओं को आप समय देंगे।

सुडोकू-88

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	7				4	2		
	8				5		1	
						6		9
	5			3	2	1		
6								8
		1	7	9			2	
2							6	
	9		1				7	
	6	7					4	

सुडोकू - 87 का हल

9	3	2	6	7	8	1	5	4
6	7	4	5	3	1	9	8	2
1	8	5	4	9	2	3	7	6
8	5	7	3	2	4	6	1	9
2	9	6	1	5	7	4	3	8
4	1	3	9	8	6	5	2	7
5	2	1	8	6	9	7	4	3
7	4	9	2	1	3	8	6	5
3	6	8	7	4	5	2	9	1

मैं अपने खिलाड़ियों को एशिया कप में भारत के खिलाफ अपनाई जाने वाली योजना को अभी बता दूं तो मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि 19 सितंबर तक वे इसे जरूर भूल जाएंगे। हमारी टीम मजबूत टीमों के खिलाफ चौंकाने वाला प्रदर्शन करेगी।
-सुलक्षण कुलकर्णी, ओमान के डिप्टी कोच

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 3 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन।

लवलीना भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी

बेंगलुरु : टोक्यो 2020 की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और निखत जरीन 4 सितंबर से इंग्लैंड में शुरू होने वाली विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में 20 सदस्यीय भारतीय दल का नेतृत्व करेंगी। इस खेल की नवगठित वैश्विक शासी संस्था, विश्व मुक्केबाजी द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप का पहला संस्करण एम एंड एस बैंक एरिना में होगा और 14 सितंबर को समाप्त होगा। 65 से अधिक देशों के 550 से अधिक मुक्केबाज, जिनमें 17 पेरिस 2024 ओलंपिक पदक विजेता शामिल हैं, 20 भार वर्गों (10 पुरुष और 10 महिला) में प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

दबंग दिल्ली ने बेंगलुरु बुल्स को हराया

विशाखापट्टनम : आशु मलिक के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दबंग दिल्ली केसी ने मंगलवार को यहां प्रो कबड्डी लीग में बेंगलुरु बुल्स पर 41-34 से जीत दर्ज की। बुल्स ने अंतिम समय में वापसी की कोशिश की लेकिन आशु (15 अंक) और नीरज नरवाल (सात अंक) के शानदार प्रदर्शन तथा सुरजीत सिंह, फजल अत्राचली और सौरभ नांदल के दमदार डिफेंस ने दिल्ली की जीत पक्की कर दी। अलीरेजा मिर्जायन का सुपर 10 बुल्स के लिए मैच में सकारात्मक पक्ष रहा।

आर्यमन ने संभाली एमपीसीए की कमान

इंदौर : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महान आर्यमन सिंधिया ने मंगलवार को मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के अध्यक्ष का पदभार संभाल लिया। एमपीसीए चुनावों में अध्यक्ष सहित कार्यकारिणी के सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है और पूरी कार्यकारिणी सर्वसम्मति से चुनी गई है।

विलियम्स व टेलर की जिम्बाब्वे टीम में वापसी

हरारे : जिम्बाब्वे ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी तीन मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय (टी20) सीरीज के लिए 16 सदस्यीय टीम की घोषणा की है, जिसमें अनुभवी खिलाड़ी सीन विलियम्स और ब्रेंडन टेलर की वापसी मुख्य आकर्षण है। अनुभवी ऑलराउंडर विलियम्स मई 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी बार खेलने के बाद सबसे छोटे प्रारूप में वापसी कर रहे हैं। उनके साथ अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज टेलर भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में आईसीसी प्रतिबंध के बाद टेस्ट और वनडे प्रारूप में वापसी की है।

न्यूजीलैंड ने मैकमिलन को कोच बनाया

वेलिंगटन : आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप जीतने की कोशिश में न्यूजीलैंड ने अपने कोचिंग कौशल को मजबूत किया है और क्रेग मैकमिलन को पूर्णकालिक आधार पर कोच नियुक्त किया है। मैकमिलन पिछले साल अंशकालिक अनुबंध पर टीम में शामिल हुए थे और उन्होंने व्हाइट फर्न्स को यूएई में महिला टी-20 विश्व कप में सफलता दिलाने में मदद की थी।

दक्षिण अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराया

लीड्स : केशव महाराज (चार विकेट), वियान मुल्डर (तीन विकेट) के बाद एडन मारक्रम (86) रनों की शानदार पारी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने मंगलवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड को 175 गेंद शेष रहते सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ दक्षिण अफ्रीका ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 132 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए एडन मारक्रम ने आतिशी बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए 55 गेंदों में 13 चौके और दो छक्कों की मदद से 86 रनों की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका ने 20.5 ओवरों में तीन विकेट पर 137 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया।

मिचेल स्टार्क ने टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

ब्रिस्बेन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टेस्ट और वनडे प्रारूप में अपने कैरियर को विस्तार देने के लिए टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया।

ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाजी तिकड़ी (पैट कमिंस और जोश हेजलवुड के साथ) के अहम सदस्य स्टार्क ने आगामी एशेज, भारत में होने वाली टेस्ट सीरीज और 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप और आईपीएल जैसे बड़े आयोजनों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए खेल के सबसे छोटे अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। अपनी तेज गति, कमाल की स्विंग, घातक यॉर्कर और खतरनाक बाउंसरों के लिए मशहूर स्टार्क ने 65 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 79 विकेट लिए है। वह एडम जाम्पा (103 मैचों में 130 विकेट) के बाद इस प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज है।

पैंतीस वर्ष के स्टार्क ने 65 टी20 मैचों में 79 विकेट लिए हैं। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनकी प्राथमिकता है और अगले दो साल के व्यस्त अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम के लिए उन्हें तैयार रहना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ एक अक्टूबर से शुरू हो रही तीन मैचों की शृंखला के लिए मंगलवार को घोषित ऑस्ट्रेलियाई

- **तेज गति, कमाल की स्विंग, घातक यॉर्कर और खतरनाक बाउंसरों के लिए मशहूर हैं स्टार्क**

टी20 टीम में स्टार्क और टेस्ट कप्तान पैट कमिंस के नाम नहीं हैं। उन्होंने कहा मैने ऑस्ट्रेलिया के लिए हर टी20 मैच के हर मिनट का मजा लिया है। खासकर 2021 विश्व कप क्योंकि जीत के साथ हमने पूरे सफर का आनंद लिया। बायें हाथ के इस गेंदबाज ने कहा भारत में होने वाली टेस्ट शृंखला, एशेज और 2027 विश्व एकदिवसीय विश्व कप के लिए खुद को तरोताजा और फिट रखने के लिए मुझे लगता है कि यह सही फैसला है। स्टार्क ने कहा मेरे संन्यास से हमारी गेंदबाजी समूह को टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाएगा। टी20 विश्व कप का आयोजन अगले साल भारत और श्रीलंका में होगा। आधुनिक दौर के सबसे बेहतरीन गेंदबाजों में एक स्टार्क की आईपीएल में हमेशा से काफी मांग रही है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 में उन्हें 24.75 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड कीमत पर खरीदा गया था। उन्होंने केकेआर की खिताबी जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। दबाव की परिस्थितियों में अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की उनकी क्षमता को देखते हुए दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें आईपीएल 2025 के लिए 11.75 करोड़ रुपये में शामिल किया। स्टार्क उन कुछ विदेशी खिलाड़ियों में से एक थे जिन्होंने भारत-पाकिस्तान सीमा विवाद के बाद भारत लौटने का फैसला नहीं किया था। भारत और पाकिस्तान में सैन्य टकराव के कारण आईपीएल को एक सप्ताह के लिए स्थगित करना पड़ा था। स्टार्क की घोषणा मंगलवार सुबह हुई जब ऑस्ट्रेलिया ने टी-20 विश्व कप की तैयारी के लिए अक्टूबर में न्यूजीलैंड में होने वाली शृंखला के लिए टीम की घोषणा की।

65
टी20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 79 विकेट लिए है इस सफल गेंदबाज ने।

मिचेल स्टार्क।

भारतीय हॉकी टीम को सुपर 4 में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत

हॉकी एशिया कप में कोरिया के खिलाफ आज होगा मुकाबला

राजगीर (बिहार), एजेंसी

पूल चरण में अपराजेय रहने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत भारतीय हॉकी टीम को एशिया कप सुपर 4 चरण के मुकाबले में बुधवार को पांच बार की चैंपियन और पिछली विजेता कोरिया के खिलाफ अपने खेल में सुधार करना होगा। भारतीय टीम पूल ए में सारे मैच जीतकर सुपर 4 में पहुंची है। उसने चीन को 4-3 से, जापान को 3-2 और कजाखस्तान को 15-0 से हराया।

जीत के बावजूद भारत का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है। चीन और जापान के खिलाफ औसत प्रदर्शन के बाद उसने टूर्नामेंट में दूसरी ही बार खेल रही कजाखस्तान टीम पर बड़े अंतर से जीत दर्ज की। दूसरी ओर कोरियाई टीम भी अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं है । वह पूल बी में मलेशिया के बाद दूसरे स्थान पर रही और मलेशिया ने उसे 4-1 से हरा दिया था। तेज गर्मी और भारी उमस के बीच टीमें संघर्ष करती नजर आई लेकिन सुपर 4 के मैच शाम को होंगे जिससे प्रदर्शन बेहतर रहने की उम्मीद है।

पूल चरण में शानदार प्रदर्शन कर अपराजेय रही भारतीय टीम। एजेंसी

असल टूर्नामेंट अब शुरू हुआ है : कोच फुल्टोन

- कोच फुल्टोन ने हालांकि कहा कि असल टूर्नामेंट अब शुरू हुआ है जिसमें पिछले नतीजे मायने नहीं रखते। हमारी टीम आत्मविश्वास से भरी है। खिलाड़ी लय में है और हम यही चाहते हैं। कजाखस्तान के खिलाफ हरमनप्रीत, जुगराज सिंह , संजय और अमित रोहिदास चारों ने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील किए। जुगराज ने हैट्रिक लगाई। सुपर 4 चरण हालांकि सभी टीमों (भारत, कोरिया, चीन और मलेशिया) के लिए नई शुरूआत होगी। सभी टीमें एक दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष दो रविवार को फाइनल में जगह बनाएंगी।

समय : शाम 7:30 से

भारतीय टीम ने सोमवार को हर क्षेत्र में बेहतर खेल दिखाया चाहे गोलकीपिंग हो, डिफेंस , मिडफील्ड या आक्रमण। फॉरवर्ड पंक्ति का प्रदर्शन तारीफ के काबिल रहा जिसमें अभिषेक ने चार गोल दागे । सुखजीत सिंह ने भी हैट्रिक लगाई और फ्लैंक से उनकी ड्रिबलिंग और 'डी' के भीतर शांतचित्त रवैया जबर्दस्त था। भारत की फॉरवर्ड पंक्ति में एकमात्र कमजोर कड़ी दिलप्रीत सिंह रहे जिन्होंने गोल तो किया लेकिन एक आसान मौका गंवाया भी । अभी तक टूर्नामेंट में वह जूझते ही नजर आये हैं और अब उन्हें प्रदर्शन में सुधार करना होगा। भारत के कोच क्रेग फुल्टोन ने कहा सुपर 4 चरण से पहले स्ट्राइकर्स का लय में रहना जरूरी है। मनप्रीत सिंह की अगुवाई में मिडफील्ड का प्रदर्शन भी अच्छा रहा है और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने डिफेंस की कमान बखूबी संभाल रखी है। पहले दो मैचों में औसत प्रदर्शन के बाद गोलकीपर कृशन बहादुर पाठक के प्रदर्शन में भी सुधार हुआ है।

महिला विश्व कप की पुरस्कार राशि देखकर दिग्गज खिलाड़ी हतप्रभ

दुबई : अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 के लिए पुरस्कार राशि में भारी वृद्धि की घोषणा की है। यह विश्व कप इस महीने के अंत में भारत और श्रीलंका में आयोजित होने वाला है। इस प्रतिष्ठित आयोजन की कुल पुरस्कार राशि बढ़कर 13.88 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है, जो 2022 में न्यूजीलैंड में आयोजित पिछले संस्करण की तुलना में 297 प्रतिशत की भारी वृद्धि है।

इसके साथ ही, कुल पुरस्कार राशि पुरुषों के विश्व कप से भी अधिक हो गई है, जिसकी पुरस्कार राशि 2023 में 10 मिलियन अमेरिकी डॉलर थी। पूर्व भारतीय दिग्गज झूलन गोस्वामी आईसीसी हिंदी इंस्टाग्राम चैनल पर अपनी पहली उपस्थिति के दौरान द आईसीसी रिव्यू पर इस घोषणा से बेहद खुश थीं, जहां वह टूर्नामेंट से पहले नियमित रूप से दिखाई देंगी। गोस्वामी ने इस ऐतिहासिक घोषणा पर कहा मेरे रोंगटे खड़े हो रहे हैं। बढ़ी हुई पुरस्कार राशि] बहुत अच्छी बात है। मैं अपनी तरफ़ से आईसीसी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगी। जिस तरह से उन्होंने इस बारे में सोचा है, मुझे लगता है कि इससे महिला क्रिकेट को जरूर काफी बढ़ावा मिलेगा। और नवोदित महिला क्रिकेटरों के माता-पिता के लिए भी।

बीसीसीआई ने टाइटल के लिए बोलियां आमंत्रित कीं

नई दिल्ली, एजेंसी

- **ड्रीम 11 के हाथ खींचने के बाद नई कंपनी की तलाश**
- **भारतीय टीम एशिया कप में बिना मुख्य प्रायोजक के खेलेगी**

फैंटेसी स्पोर्ट्स की दिग्गज कंपनी ड्रीम 11 के हाथ खींचने के बाद बीसीसीआई ने मंगलवार को भारतीय क्रिकेट टीम के टाइटल प्रायोजन अधिकारों के लिए बोलियां आमंत्रित की जिसमें वास्तविक धन गेमिंग और क्रिप्टोकरेंसी में काम करने वाली कंपनियों पर रोक लगाई गई है क्योंकि सरकार ने ऐसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारतीय टीम नौ सितंबर से यूएई में शुरू होने वाले एशिया कप में बिना मुख्य प्रायोजक के खेलेगी क्योंकि बोर्ड ने बोली जमा करने की अंतिम तिथि 16 सितंबर तय की है। ड्रीम 11 ने हाल ही में 'ऑनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के प्रचार और विनियमन' के कारण अपने वास्तविक धन वाले गेम बंद कर दिए हैं। अधिनियम में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन मनी गेमिंग सेवाओं की पेशकश, सहायता, उकसाना, प्रेरित, लिप्त या संलग्न नहीं होगा और न ही किसी ऐसे विज्ञापन में शामिल होगा जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी व्यक्ति को कोई भी ऑनलाइन मनी गेम खेलने के लिए प्रोत्साहित करता हो।

ड्रीम 11 और माय 11 सर्कल के साथ बीसीसीआई का भारतीय क्रिकेट टीम और इंडियन प्रीमियर लीग के लिए 1000 करोड़ रूपये के करीब टाइटल प्रायोजन करार था। बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया बोली लगाने वाला, जिसमें उसके समूह की कोई भी कंपनी शामिल है उसे भारत में या दुनिया में कहीं भी ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाओं में संलग्न नहीं होना चाहिए, भारत में किसी भी व्यक्ति को कोई ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी या जुआ या इसी तरह की सेवाएं प्रदान नहीं करनी चाहिए और भारत में सट्टेबाजी या जुए में संलग्न किसी भी व्यक्ति में कोई निवेश या स्वामित्व हित नहीं होना चाहिए।

आखिरी तारीख है 12 सितंबर

- आईईओआई खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है और बोली के दस्तावेज जमा करने की आखिरी तारीख 16 सितंबर है। इसमें आगे कहा गया बोली लगाने वाला या उसके समूह की कोई भी कंपनी किसी भी तरह की ऐसी गतिविधि या व्यवसाय में शामिल नहीं होनी चाहिए जिसकी आनलाइन गेमिंग अधिनियम 2025 के तहत अनुमति नहीं है। इसके अलावा तंबाकू, शराब और ऐसी कोई भी चीज जो सार्वजनिक नैतिकता को ठेस पहुंचाती हो, इसके पात्र नहीं हैं।

जैनिक सिनर एकतरफा जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में

न्यूयॉर्क, एजेंसी

इस प्रमुख सीजन में जैनिक सिनर ने कमजोरी के संकेत कम ही दिखाए हैं। यूएस ओपन के तीसरे दौर के मैच के दौरान, एक पल के लिए, इतालवी खिलाड़ी फ्री-स्विंगिंग डेनिस शापोवालोव के सामने जोखिम में दिखे, जिन्होंने पहला सेट जीतकर तीसरे सेट में 3-0 की बढ़त बना ली थी। उस मुकाबले में संघर्ष करने के बाद, एटीपी रैंकिंग में नंबर 1 खिलाड़ी ने सोमवार को शानदार वापसी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए 23वीं वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शानदार सिनर ने कजाकिस्तान के खिलाड़ी को 6-1, 6-1, 6-1 से हराकर अपने ख़िताब की रक्षा की तरफ मजबूती से कदम बढ़ाया। सिनर ने कहा कुल मिलाकर मैं बहुत-बहुत खुश हूँ। इस साल पहली बार मैं यहां नाइट मैच खेल पा रहा हूँ और इससे बहुत बड़ा फर्क़ पड़ता है। मैं सभी का आने और उत्साहवर्धन करने के लिए शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ। यह हम खिलाड़ियों के लिए एक बहुत ही ख़ास मौक़ा है, इसलिए आप सबका बहुत-बहुत शुक्रिया।

गॉफ को हराकर ओसाका अंतिम आठ में

- **न्यूयॉर्क :** नाओमी ओसाका ने सोमवार को कोको गॉफ को 6-3, 6-2 से हराकर यूएस ओपन के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया, जिससे घरेलू दर्शकों के सामने अमेरिकी खिलाड़ी का सफर खराब हो गया। ओसाका ने कहा मैं बस यहां आकर खेलने का मौका चाहती थी। यह दुनिया का मेरा पसंदीदा कोर्ट है, और यहां वापस आना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। पोलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियाटेक ने एकातेरिना एलेक्ज़ेंड्रोवा को 6-3, 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। महिला युगल में एलेक्ज़ेंड्रोवा और चीन की झांग शुआई को अमेरिका की वीनस विलियम्स और कनाडा की लेयला फर्नांडीज की जोड़ी ने 6-3, 6-4 से हरा दिया।

इटली के जैनिक सिनर चौथे दौर में अलेक्जेंडर बुब्लिक को शॉट लौटाते हुए। एजेंसी

पता नहीं रूट ने गुस्से में प्रतिक्रिया क्यों दी : प्रसिद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ हालिया टेस्ट सीरीज में प्रभावित करने वाले तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने ओवल में खेले गए पांचवें टेस्ट के दौरान जो रूट के साथ मैदान पर हुई बहस के बारे में कहा कि उन्हें यह समझ नहीं आया कि इस दिग्गज बल्लेबाज ने इतने गुस्से के साथ प्रतिक्रिया क्यों दी। भारत ने पांचवें टेस्ट मैच को छह रन से जीतकर सीरीज को 2-2 से बराबर किया था।

इस मैच के दूसरे दिन रूट और प्रसिद्ध के बीच तीखी बहस हुई थी। प्रसिद्ध ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से कहा मुझे नहीं पता रूट ने क्यों उस तरह की प्रतिक्रिया दी। मैंने तो बस इतना कहा था, आप अच्छे लग रहे हो और बात गाली गलौज तक पहुंच गयी। उन्होंने कहा मैंने कई खिलाड़ियों से बात की। मैंने रूट से भी बात की। मैंने पूछा क्या हुआ था तो उन्होंने कहा मुझे लगा तुमने गाली दी। मैंने कहा नहीं, मैंने तो ऐसा कुछ नहीं कहा था। रूट ने फिर कहा असल में मैं खुद को भी प्रेरित करने की कोशिश कर रहा था, इसलिए बात थोड़ी बढ़ गयी। उन्होंने कहा मुझे इस खेल में यही सबसे ज्यादा पसंद है। मैं हमेशा से इसे इसी तरह खेलता आया हूं।

- **इंग्लैंड के ओवल में पांचवें टेस्ट के दौरान हुई थी बहस**

कांस्य पदक जीतने से ओलंपिक की भरपाई कर दी : चिराग

नई दिल्ली : भारतीय पुरुष युगल बैडमिंटन टीम के सदस्य चिराग शेट्टी ने कहा कि हाल में पेरिस में विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने से एक साल पहले इसी शहर में ओलंपिक खेलों में पोडियम तक नहीं पहुंच पाने की काफी हद तक भरपाई कर दी।

चिराग और लंबे समय से उनके साथी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी ने पिछले सप्ताह विश्व चैंपियनशिप में पुरुष युगल का कांस्य पदक जीता। दुनिया की नौवें नंबर की इस जोड़ी ने क्वार्टर फ़ाइनल में मलेशिया के दो बार के ओलंपिक पदक विजेता आरोन चिया और सोह वूई यिक को हराकर विश्व चैंपियनशिप में अपना दूसरा पदक हासिल किया। भारत की इस जोड़ी का पहली बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने का सपना सेमीफाइनल में चीन की जोड़ी से हार के साथ टूट गया।

एशिया कप | **इरफान पठान ने एशिया कप में शुभमन गिल के चयन को टीम के हित में करार दिया**

गिल आक्रामक क्रिकेट खेलना चाहेंगे

मुंबई, एजेंसी

पूर्व हरफनमौला इरफान पठान ने एशिया कप के लिए टी20 टीम में शुभमन गिल की वापसी और उन्हें उपकप्तान बनाने के फैसले को टीम के हित में करार देते हुए मंगलवार को कहा कि वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से खुद को साबित करने की कोशिश करेंगे। टेस्ट कप्तान के तौर पर इंग्लैंड में अपनी पहली सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल की लंबे समय के बाद टी20 टीम में वापसी हुई है।

पठान ने कहा कि गिल के उपकप्तान होने से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव पर भी कोई दबाव नहीं आयेगा।

पठान ने 'सोनी स्पोर्ट्स' द्वारा आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा सूर्यकुमार की सहमति के बिना शुभमन गिल को उप-कप्तान नहीं चुना गया होगा। पठान ने कहा उनकी (सूर्यकुमार) जिम्मेदारी सिर्फ अपना प्रदर्शन करना या टीम को संभालना नहीं है।

इरफान पठान। एजेंसी

युवा खिलाड़ी में नेतृत्व कौशल विकसित करना और टीम को भविष्य के लिए तैयार करना भी है। इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा लोगों को शायद ऐसा लग रहा होगा कि इससे सूर्यकुमार पर दबाव पड़ेगा लेकिन वह जो कर रहे हैं वह वास्तव में भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बहुत अच्छा है। यह सूर्यकुमार यादव को ऐसे कप्तान के तौर पर स्थापित करेगा जिनका क्रिकेट जगत में काफी सम्मान है। पठान ने कहा कि गिल अपने चयन और उपकप्तान के तौर पर नियुक्ति को सही साबित करना चाहेंगे। उन्होंने कहा हमने इस सत्र में देखा है, वह शानदार लय में हैं। उन्होंने पिछले कुछ आईपीएल में काफी रन भी बनाये हैं। उनके पास आक्रामक बल्लेबाजी करने की क्षमता है। मुझे नहीं लगता कि गिल के लिए आक्रामक भूमिका निभाने और टीम की जरूरत को पूरा करने में कोई समस्या होगी।

वरुण साबित होंगे एक्स-फैक्टर

- इरफान पठान ने कहा 2021 टी20 विश्व कप के दौरान यूएई में निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले वरुण चक्रवर्ती एशिया कप में भारत के लिए 'एक्स-फैक्टर (अपने दम पर मैच का रुख पलटने वाले खिलाड़ी)' होंगे। आप हमेशा सोचते हैं कि ऑलराउंडर एक्स फैक्टर होते है लेकिन मैं वास्तव में यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि वरुण चक्रवर्ती कैसा प्रदर्शन करते हैं क्योंकि आपको पता होना चाहिए कि यह एक वापसी की प्रेरणादायक कहानी हो सकती है। मेरी नजरें उन पर पर होंगी क्योंकि उनमें बहुत आत्मविश्वास है और एक्स-फैक्टर साबित हो सकते हैं।